THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 296 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.5 2081 शनिवार, 18 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम सुरक्षा चूक पर 25 किसानों को गिरफ्तारी वारंट

फिरोजपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा चूक का मामला 3 साल बाद फिर सुर्खियों में आ गया है। कोर्ट ने इस मामले में 25 किसानों का गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। जिसमें हत्या की कोशिश की धारा भी जोड़ दी गई है।

इसका पता तब चला, जब किसानों को इस बारे में समन जारी किए गए। जिससे खुलासा हुआ कि 5 जनवरी 2022 के 3 साल पुराने सुरक्षा चूक मामले में पुलिस ने अब आईपीसी की धारा 307, 353, 341, 186, 149 और नेशनल हाईवे एक्ट की धारा 8-बी भी जोड़ दी है। पहले यह केस सार्वजनिक रास्ता रोकने के मामले में धारा 283 के तहत दर्ज हुआ था।

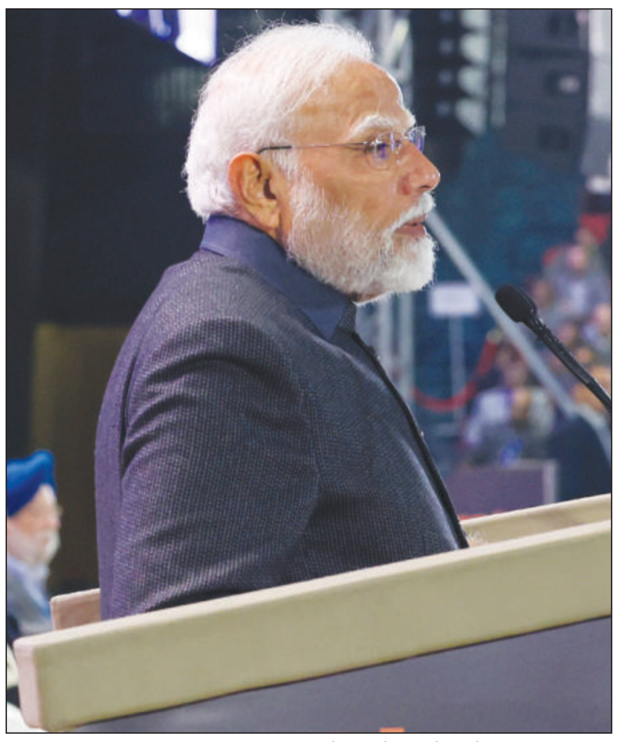

पीएम मोदी ने बताया आत्मनिर्भर भारत में मददगार

विशाखापट्टनम स्टील प्लांट को मिलेगी 10,300 करोड़ की इक्विटी सहायता

विशाखापट्टनम, 17 जनवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्टील प्लांट को केंद्र सरकार ने 10,300 करोड़ रुपये की इक्विटी सहायता देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से इसे आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मददगार कदम बताया है। पीएम मोदी ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, विशाखापट्टनम स्टील प्लांट का आंध्र प्रदेश के लोगों के दिल और दिमाग में एक विशेष स्थान है। कल (गुरुवार) की कैबिनेट मीटिंग में प्लांट के लिए 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की इक्विटी सहायता देने का निर्णय लिया गया। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में स्टील सेक्टर के महत्व को समझते हुए यह कदम उठाया गया है।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल के आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने विशाखापट्टनम स्टील प्लांट का संचालन करने वाले राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के जीर्णोद्धार के लिए 11,440 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। इसमें 10,300 करोड़ रुपये इक्विटी कैपिटल के रूप में और 1,140 करोड़ रुपये का वर्किंग कैपिटल लोन सात प्रतिशत के ब्याज वाले नॉन कम्युलेटिव प्रिफरेंस शेयर कैपिटल के रूप में दिया जाएगा जो 10 साल बाद भुनाए जा सकेंगे।

आरआईएनएल की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी भारत सरकार के पास है। यह विशाखापट्टनम स्टील प्लांट का संचालन करता है। इसकी सालाना उत्पादन क्षमता 73 लाख टन लिक्विड स्टील की है। आरआईएनएल की आर्थिक स्थिति काफी खराब है। पिछले साल 31 मार्च को कंपनी का नेटवर्थ माइनस 4.538 करोड़ रुपये था और उसकी देनदारी 26,114.92 करोड़ रुपये थी। उसका ऋण बैंक से उधारी लेने की सीमा को छू चुका है। पूंजीगत ऋण भुगतान में कंपनी चूक कर चुकी है। उम्मीद है कि केंद्र सरकार की इस मदद से कंपनी फिर पटरी पर लौट सकेगी। पिछले तीन साल से विशाखापट्टनम स्टील प्लांट के कर्मचारी प्रस्तावित निजीकरण के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के प्रतिनिधि दल ने इसी साल 8 जनवरी को भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से मुलाकात कर विशाखापट्टनम स्टील प्लांट को पुनर्जीवित करने की अपील की थी। इस्पात मंत्री ने आश्वासन दिया था कि वह विशाखापट्टनम स्टील प्लांट का निजीकरण नहीं होने देंगे और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए जरूरी कदम उठाएंगे।

इमरान खान को भ्रष्टाचार केस में 14 साल की जेल

बुशरा को 7 साल सजा, पाकिस्तान को 50 अरब रुपये का नुकसान पहुंचाने का दोषी

इस्लामाबाद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के मामले में सजा सुनाई है। सूत्रों के मुताबिक इमरान को 14 और बुशरा को 7 साल की सजा मिली है। दोनों पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब पाकिस्तानी रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे थे। दोनों ने बुशरा बीबी के अल-कादिर ट्रस्ट के लिए पाकिस्तान सरकार की अरबों रुपये की जमीन सस्ते में बेच दिया था। इस मामले में इमरान को 9 मई 2023 को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पूरे मुल्क में फौज के कई अहम ठिकानों पर हमले हुए थे। पाकिस्तान के नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) ने अल-कादिर ट्रस्ट केस में दिसंबर 2023 में इमरान खान (72), बुशरा बीबी (50), और अन्य 6 व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया था। हालांकि जब इमरान के खिलाफ ये केस दर्ज हुआ, उससे पहले से ही वे तोशाखाना केस में अडियाला जेल में बंद थे। उन्हें सजा सुनाने के लिए आज जेल में अस्थाई कोर्ट बनाया गया।

सुप्रीम कोर्ट में आंतरिक शिकायत समिति का गठन

> न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना बनीं अध्यक्ष

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक संवेदनशीलता और आंतरिक शिकायत समिति का दोबारा गठन किया है। 11 सदस्यीय समिति का अध्यक्ष न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना को बनाया गया है। इसके अलावा समिति में न्यायमूर्ति नोंगमईकापम कोटिश्वर सिंह और ओएसडी सुजाता सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी, लिज मैथ्यू और बांसुरी स्वराज शामिल हैं। अधिवक्ता नीना गुप्ता, सौम्यजीत पाणि और साक्षी बंगा भी समिति का हिस्सा हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट बार क्लकर्स एसोसिएशन की प्रतिनिधि मधु चौहान और यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो सेंटर इन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक डॉ. लेनी चौधरी भी समिति की सदस्य हैं। इनको मुख्य न्यायाधीश ने नामित किया है।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना फिलहाल दिल्ली में लागू नहीं

हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक आदेश में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) योजना को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फिलहाल लागू करने पर रोक लगा दी है। दरअसल दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के बीच एक समझौता करने का निर्देश दिया था।

इस समझौते के तहत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचा मिशन को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लागू किया जाना था। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। दिल्ली सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सिंघवी ने दलील दी कि राज्य सूची की 1,2 और 18 एंट्री के तहत केंद्र की शक्तियां सीमित हैं, लेकिन उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में सरकार की शक्तियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में फिर से परिभाषित किया है। सिंघवी ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली सरकार को केंद्र सरकार के साथ समझौते के लिए मजबूर किया जा रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी। गौरतलब है कि दिल्ली में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना लागू नहीं है। साल 2017 में दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में आईसीयू बेड और वेंटीलेटर्स की उपलब्धता पर चिंता जाहिर की थी। साथ ही याचिका में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना को दिल्ली में भी लागू कराने की मांग की गई थी।

हम लॉस एंजलिस में वाणिज्य दूतावास खोलने वाले हैं : एस जयशंकर

बेंगलूरू, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के रिश्ते लगातार गहरे होते जा रहे हैं। इसी क्रम में, बेंगलूरू में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास खोला गया है। आज विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर, अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दूतावास का उद्घाटन किया।

अक्सर लोग पूछा करते थे कि कब खुलेगा दूतावास :

इस मौके पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, बेंगलूरू बहुत महत्वपूर्ण शहर है और यह जरूरी था कि यहां अमेरिकी राजनयिकों का स्थायी दूतावास हो। मैं जब-जब इस शहर में आया तो लोगों ने मुझसे पूछा कि कब दूतावास खुलेगा और मेरा जवाब होता था कि मैं पूरी कोशिश कर रहा हूं। यह काफी समय से लंबित था। बेंगलूरू को लेकर मेरी एक शर्त थी कि आप यहां अपना वाणिज्य दूतावास खोलो और मैं गार्सेटी के गृह नगर लॉस एंजलिस में स्थापित करूंगा। तो मैं आपको बता दूं कि हम अपना दूतावास लॉस एंजिलिस में खोलने वाले हैं। एक वाणिज्य दूतावास कई उद्देश्यों को पूरा करता है। इसका एक बड़ा हिस्सा यात्रा को सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने आगे कहा, आज जब हम एआई, इलेक्ट्रिक वाहनों, अंतरिक्ष और ड्रोन जैसे क्षेत्रों के बारे में सोचते हैं, तो हमारे रिश्ते अब पहले से कहीं अधिक तकनीकी आधार पर होंगे। अंतरिक्ष क्षेत्र अब विकसित हो रहा है, इसलिए इसमें और अधिक सहयोग होगा। रक्षा भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। दो दशकों पहले हमारे पास अमेरिकी हथियार नहीं थे, लेकिन आज हम सी17 और सी130 जैसे विमान उड़ा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा, शिक्षा और शोध में भी अब और सहयोग की संभावनाएं खुल गई हैं, खासकर नई शिक्षा नीति के साथ। मुझे उम्मीद है कि हम संयुक्त रूप से कैंपस बनाएंगे, छात्रों का आदान-प्रदान होगा और अमेरिकी शिक्षा क्षेत्र का प्रभाव भी बढ़ेगा।

समय के साथ-साथ हमारी सेना की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि समय के साथ-साथ हमारी सेनाओं की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि दुनिया भर में रक्षा-सुरक्षा का माहौल लगातार तनावपूर्ण होता जा रहा है।

लगभग आधा दशक बीत जाने के बाद, हम यह कह सकते हैं कि यह एक प्रकार से परिवर्तनशील दशक रहा है। दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में कई संघर्ष और युद्ध देखने को मिल रहे हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में हुआ बदलाव, इस बार तीनों सेनाएं निकालेंगी संयुक्त झांकी

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। 26 जनवरी को राजधानी दिल्ली में होने वाल गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां तेजी से जारी हैं। भारतीय जल-थल और वायु सेना इस समारोह में हर बार झांकी निकालती हैं लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के इतिहास में पहली बार थलसेना, नौसेना और वायुसेना की अलग-अलग झांकियां नहीं होंगी। इस साल तीनों सेनाओं की संयुक्त झांकी निकाली जाएगी जिसमें सशस्त्र सेनाओं के बीच एकजुटता और तालमेल पर फोकस किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय और आईडीएस मुख्यालय ने यह निर्णय तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और समझ को बढ़ावा देने के लिए लिया है। तीनों सेनाओं की संयुक्त झांकी मुख्यालय आईडीएस द्वारा तैयार की जाएगी, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए थल सेना, नौसेना और वायुसेना की सामूहिक शक्ति और साझा दृष्टिकोण को दिखाना है।

गणतंत्र दिवस परेड में होगी तीनों सेनाओं की संयुक्त झांकी

संयुक्त झांकी में तीनों सेनाओं के प्रमुख तत्वों को उजागर करने, उनके आधुनिकीकरण, उपलब्धियों और सहयोगात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने की उम्मीद है। संयुक्त झांकी में तीनों सेनाओं के प्रमुख तत्वों को उजागर करने, उनके आधुनिकीकरण, उपलब्धियों और सहयोगात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने की उम्मीद है। यह कदम सशस्त्र बलों के भीतर एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में की गई पहलों के अनुरूप है, जिसमें तीनों सेनाओं के संबंधित चीफ ऑफ स्टाफ को वैकल्पिक सेवाओं से एडीसी नियुक्त करने का निर्णय शामिल है।

'संघ की साजिशों और बचकाने आरोप से विश्वविद्यालय में बौद्धिक अखंडता को खतरा'

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रमुख विश्वविद्यालयों में बौद्धिक ईमानदारी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की साजिशों और बचकाने आरोप-प्रत्यारोप से खतरा है। कांग्रेस के संचार मामलों के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि नई यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) नियम केवल कैंपसों में गैर-गंभीर राजनीति को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए हैं। रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कई शिक्षकों ने पत्रकार अशोक श्रीवास्तव की किताब 'मोदी बनाम खान मार्केट गैंग' पर एक चर्चा का विरोध किया, जो गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में हुई थी।

बौद्धिक ईमानदारी को खतरे में डाला :

उन्होंने कहा, आरएसएस की साजिशों और बचकाने आरोप-प्रत्यारोप ने हमारे प्रमुख विश्वविद्यालयों की बौद्धिक ईमानदारी को खतरे में डाल दिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में एक निष्पक्ष और गैर-गंभीर पुस्तक के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था और इसमें कुलपति ने भाग लिया था।

जल्लीकट्टू में 7 की मौत : 400 से ज्यादा घायल, 2 बैलों की भी जान गई

चेन्नई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के अलग-अलग जिलों में गुरुवार को पोंगल के मौके पर आयोजित जल्लीकट्टू त्योहार में 7 लोगों की मौत हुई। बैल को भीड़ के बीच छोड़कर दौड़ाने वाले इस खेल में एक ही दिन में करीब 400 से ज्यादा लोग घायल हुए।

तमिलनाडु पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को कान्नुम पोंगल दिवस था। इस दिन जल्लीकट्टू सबसे ज्यादा खेला जाता है। 7 लोगों के अलावा पुडुक्कोट्टाई और शिवगंगा में 2 बैलों की भी मौत हुई है। जान गंवाने वाले ज्यादातर लोग खेल में भाग लेने वाली नहीं थे, बल्कि बैल के मालिक और दर्शक थे। पुलिस ने बताया कि 1 शख्स की मौत शिवगंगा जिले के सिरवायल मंजुविरट्टू में मौत हो गई। वह इस खेल में भाग लिया था। वहीं, मदुरै के अलंगनल्लूर में खेल देखने आए दर्शक को सांड ने घायल कर दिया। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। वहीं, 5 अन्य लोगों की भी अलग-अलग जिलों में जल्लीकट्टू के कारण मौत हुई। 2025 का पहला जल्लीकट्टू पुदुक्कोट्टई के गंडारवाकोट्टई तालुक के थचानकुरिची गांव में शुरू हुआ था। इसके बाद यह त्रिची, डिंडीगुल, मनाप्पराई, पुदुक्कोट्टई और शिवगंगई जैसे जिलों में भी आयोजित होने लगा। 600 से ज्यादा बैलों को इस खेल में शामिल किया गया है।

स्मार्ट मीटर के विरोध में उतरी कांग्रेस, किच्छा विधायक ने बीजेपी पर लगाए आरोप

देहरादून, 17 जनवरी (एजेंसियां)। रुद्रपुर में किच्छा विधायक और पूर्व मंत्री तिलकराज बेहड़ ने आजपत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर जनता की मीटर है। निजी कंपनी को इसे लगाने का ठेका मिला हुआ है। जब ये घरों पर लगेंगे तो इससे लोगों का उत्पीड़न होगा। कांग्रेस इस मीटर को किसी कीमत पर लगने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा मीटर के नाम पर जनता को गुमराह करने का काम कर रही है।

प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के पूर्व प्रमुख अबूबकर को राहत नहीं; जमानत से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूर्व प्रमुख अबुबकर को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने यूएपीए मामले में अबुबकर को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अबुबकर ने सेहत संबंधी कारणों का हवाला देकर कोर्ट से जमानत की गुहार लगाई थी। हालांकि, कोर्ट ने इस आधार पर उसे जमानत से मना कर दिया।

निचली अदालत का फैसला बरकरार

शीर्ष अदालत ने आतंकवाद निरोधी कानून 'यूएपीए' के तहत दर्ज मामले में पीएफआई के पूर्व अध्यक्ष ई. अबूबकर को

चिकित्सा आधार पर जमानत देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। अबूबकर को 2022 में संगठन के खिलाफ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की बड़े पैमाने पर की गई कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किया गया था। निचली अदालत की ओर से जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उसने हाईकोर्ट का रुख किया था।

चिकित्सा रिपोर्ट देखने के बाद जमानत नहीं दी

जस्टिस एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि चिकित्सा रिपोर्ट देखने के बाद वह इस चरण में अबूबकर को रिहा करने के इच्छुक नहीं है। केंद्रीय आतंकवाद निरोधी एजेंसी के मुताबिक, पीएफआई, उसके पदाधिकारियों और सदस्यों ने देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी वारदातों को अंजाम देने के इरादे से धन जुटाने के लिए आपराधिक साजिश रची। इसके लिए ये अपने कैडर को प्रशिक्षित करने वाले शिविर भी आयोजित कर रहे थे।

22 सितंबर, 2022 को गिरफ्तार किया गया

अपनी याचिका में अबूबकर ने दावा किया कि वह 70 वर्ष का है, उसे 'पार्किंसंस' रोग है और कैंसर के इलाज के लिए उसकी सर्जरी भी हो चुकी है। उसने दलील दी थी कि गुण दोष के आधार पर भी वह जमानत का हकदार है, क्योंकि एनआईए उसके खिलाफ मामला साबित करने में विफल रही है। अबूबकर को 22 सितंबर, 2022 को गिरफ्तार किया गया था।

पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा

पीएफआई से संबद्ध सदस्यों की गिरफ्तारियां केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, दिल्ली और राजस्थान में की गई थीं। सरकार ने 28 सितंबर, 2022 को कड़े आतंकवाद निरोधी कानून के तहत पीएफआई और उसके कई सहयोगी संगठनों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। संगठन पर आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकी समूहों से संबंध रखने का आरोप है।

शहडोल में पहली बार महिला बनी भाजपा जिला अध्यक्ष

कौन हैं अमिता चपरा, जिन्हें पार्टी ने दिया पद

शहडोल, 17 जनवरी (एजेंसियां)। शहडोल के इतिहास में पहली बार भाजपा ने एक महिला को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। लंबे समय से चली आ रही कवायद के बाद भाजपा ने जिला अध्यक्ष की घोषणा की। जिला चुनाव अधिकारी अरुण द्विवेदी ने रायसेन की चुनाव अधिकारी रहीं अमिता चपरा के नाम का ऐलान शहडोल भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के बीच किया। अमिता चपरा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। संगठन पर्व के दौरान भाजपा ने अमिता चपरा को रायसेन की चुनाव अधिकारी नियुक्त किया था। अमिता चपरा को शहडोल जिला अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। अमिता का राजनीतिक सफर जबलपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू हुआ था। इस दौरान वे विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय और प्रांतीय कार्यकारिणी का हिस्सा रहीं। बाद में, तत्कालीन युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की राष्ट्रीय टीम में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, अमिता ने उमा भारती की टीम में सक्रियता से काम किया। मध्य प्रदेश भाजपा में अमिता चपरा की एंट्री महिला मोर्चा के माध्यम से हुई। वे तत्कालीन महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुधा मलैया की टीम में प्रदेश कार्यसमिति की सदस्य रहीं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा की टीम में उन्हें प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी दी गई।

भावनाओं को शांत करने के लिए लागू नहीं कर सकते धारा 306: एससी

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। आत्महत्या के मामलों में पुलिस की तरफ से धारा- 306 लगा दी जाती है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने आत्महत्या से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते कहा कि इस धारा को सिर्फ परेशान परिवार की भावनाओं को शांत करने के लिए लागू नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसे जीवन की दिन-प्रतिदिन की वास्तविकताओं से अलग नहीं किया जा सकता है। जांच एजेंसियों को धारा 306 पर निर्णयों के बारे में संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। ताकि आरोपियों को परेशान न किया जाए। कोर्ट ने माना कि इन धाराओं की वजह से कई लोगों को बेवजह परेशान किया जाता है।

जांच के बाद ही हो इस कानून का उपयोग- सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट को भी ऐसे मामलों में यंत्रवत आरोप तय नहीं करना चाहिए। इस धारा का इस्तेमाल करने से पहले बारीकी से जांच होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि आत्महत्या के मामले में उकसाने को साबित करने के लिए कड़े मापदंड हैं। जिसके लिए कई तरह के सबूतों की आवश्यकता होती है। कोर्ट ने जांच एजेंसियों को इस कानून के उपयोग से पहले सुनिश्चित जांच करने के आदेश दिए हैं। आईपीसी की धारा 306 अब भारतीय न्याय संहिता में धारा 108 हो गई है। जिसमें गैर-जमानती वारंट, सत्र अदालत में उसका ट्रायल, 10 साल की सजा और जुर्माना का प्रावधान है। मगर अब इस धारा 108 की भी व्याख्या आगे के मामलों में जाहिर है सुप्रीम कोर्ट की ओर से कही गई हालिया टिप्पणियों की रौशनी में देखी जाएगी।

अतुल सुभाष मामले में की थी सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी

हाल ही में इंजीनियर अतुल सुभाष ने आत्महत्या की थी। जो मामला काफी चर्चा में था। आत्महत्या से पहले उन्होंने एक लंबा वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें पत्नी निकिता सिंघानिया और उनके परिवार वाले वालों को आत्महत्या का कसूरवार बताया था। ये मामला उस सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा था, तब कोर्ट ने कहा था कि केवल कहने से नहीं चलेगा कि आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया है, इसके लिए सबूत देने होंगे।

एसपीपीयू की पहली ट्रांसजेंडर छात्रा सारंग पुणेकर ने की आत्महत्या, पुणे में अंतिम संस्कार

पुणे, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी (एसपीपीयू) की पहली ट्रांसजेंडर छात्रा सारंग पुणेकर ने राजस्थान में खुदकुशी कर ली. वो करीब 30 साल की थीं. उनका अंतिम संस्कार पुणे में किया गया. वह राजस्थान में ट्रांसजेंडर समुदाय के बीच रहकर उनके लिए काम कर रही थीं. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक सारंग पुणेकर अंबेडकरवादी आंदोलन की प्रबल समर्थक थीं और उन्होंने एनआरसी (एनआरसी) और सीएए (सीएए) के खिलाफ भी आवाज उठाई थी. एसपीपीयू में वीमेन स्टडीज डिपार्टमेंट की प्रमुख डॉ. अनाघा तांबे ने कहा, "यूनिवर्सिटी की पहली ट्रांसजेंडर छात्रा के रूप में पुणेकर की उपस्थिति हमारे लिए शिक्षाविद के साथ-साथ प्रशासक के रूप में भी एक अद्वितीय अनुभव था." गुरुवार को पुणेकर के अंतिम संस्कार के अवसर पर मीडिया से बात करते हुए डॉ. अनाघा ने महसूस किया कि बड़े पैमाने पर समाज पुणेकर को उनके सपनों को साकार करने में मदद करने में विफल रहा. शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे भी पुणेकर के अंतिम संस्कार में शामिल हुईं. उद्धव गुट की नेता ने कहा, "पुणेकर ने बहुत कम समय में एक जोशीले वक्ता और लैंगिक अधिकारों और अन्य मुद्दों की वकालत करने वाली के रूप में अपनी पहचान बनाई थी. एक छात्रा के रूप में पुणेकर ने जेंडर स्टडीज में नए दृष्टिकोण लाए. वह अपने समुदाय की भाषा और रीति-रिवाजों के बारे में मौलिकता पर काम करना चाहती थी. एक समाज के रूप में यह हमारी विफलता है कि हम उनके सपनों का समर्थन नहीं कर सके." पुणेकर ने पुणे के एनजीओ 'सम्पर्क' के लिए उत्तरी महाराष्ट्र के रिजनल को-ऑर्डिनेटर के तौर पर काम किया था, जो महिलाओं और सेक्सुअलिटी के लिए काम करता है. एनजीओ के कार्यकारी निदेशक आनंद पवार ने कहा कि उन्हें पहले एक प्रशिक्षु के रूप में सम्पर्क में भेजा गया था लेकिन बाद में उन्हें शामिल कर लिया गया था.

अश्लील हरकतों पर 40 पर मामला दर्ज; 11वीं कक्षा के लड़के को थप्पड़ मारने पर शिक्षक पर केस

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। ठाणे की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने एक 31 वर्षीय व्यक्ति को एक किशोरी से दुष्कर्म के लिए दोषी ठहराया गया। उसे 10 साल की सजा सुनाई गई है। 15 जनवरी को अपने आदेश में न्यायाधीश रूबी यू मालवंकर ने दोषी पर 25,000 का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी शादीशुदा है और उसके चार बच्चे हैं। किशोरी उसकी पड़ोसी है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने लड़की को अपने दोस्त के घर ले गया। उसने लड़की को बताया कि वह उसे नया मोबाइल फोन दिलाएगा, लेकिन उसने उसका दुष्कर्म किया। मुकदमे के दौरान 10 लोगों ने गवाही दी। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक बार में कथित तौर पर अश्लीलता करने के आरोप में आठ महिला सर्वरों और इतने ही ग्राहकों सहित लगभग 40 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि कथित अश्लीलता का मामला 14 जनवरी की रात कल्याण-शील रोड पर स्थित बार में छापेमारी के दौरान सामने आया।

दिल दहलाने वाला हादसा: पुणे में ट्रक ने कार को मारी टक्कर, 9 लोगों की मौत

पुणे, 17 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे शहर से सड़क हादसे का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आ रहा है। इस सड़क हादसे में कुल 9 लोगों की मौत हो गई है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रक ने एक कार को पीछे से टक्कर मार दी है। इसके कारण ये भीषण हादसा हुआ जिसमें इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो गई है। सड़क हादसे की इस घटना को लेकर अधिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, ये घटना पुणे के नारायणगांव इलाके में हुई है। पुणे ग्रामीण पुलिस एसपी पंकज देशमुख ने बताया है कि दुर्घटना तब हुई जब एक ट्रक ने एक कार को पीछे से टक्कर मार दी, जो आगे चलकर एक बस (जो खड़ी थी) से टकरा गई। सड़क हादसे की ये घटना पुणे-नासिक राजमार्ग पर शुक्रवार की सुबह 10 बजे के करीब हुई है। नारायणगांव की ओर जा रही मिनीवैन को पीछे से टक्कर लग गई। इसके बाद मिनीवैन बस से टकरा गई जिसमें कोई भी सवार नहीं था। मिनीवैन में सवार सभी नौ लोगों की मौत हो गई।

नारायण साईं : जेल में बंद आसाराम के बेटे नारायण साईं की पत्नी पहुंची कोर्ट

पति पर लगा दिया बड़ा आरोप

इंदौर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। आसाराम के बेटे नारायण साईं की पत्नी ने मध्य प्रदेश के इंदौर में फैमिली कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने मेनटेनेंस के लिए कोर्ट में याचिका डाली है जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्हें पति की तरफ से सात साल से गुजारा भत्ते का पैसा नहीं मिला है। नारायण साईं फिलहाल गुजरात के सूरत में एक जेल में बंद है। रेप के मामले में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। 2018 में एक फैमिली कोर्ट ने नारायण साईं को आदेश दिया था कि वह इंदौर में रह रही उसकी पत्नी जानकी हरपलानी को हर महीने 50 हजार रुपये भत्ते के तौर पर दे। जानकी की वकील वंदना परिहार ने बताया कि सात वर्षों से नारायण साईं ने भत्ता नहीं दिया है। ऐसे में अन्य खर्चों को मिलाकर पूरी बकाया राशि 53 लाख रुपये हो जाती है। वंदना परिहार ने कहा कि हमने फैमिली कोर्ट में यह लिखित दलील दी है। क्योंकि नारायण साईं अभी जेल में है तो हमने फैमिली कोर्ट से अपील की है कि गुजारा भत्ता जानकी के पति की चल और अचल संपत्ति को जब्त या फिर नीलाम कर दिया जा सकता है या फिर संपत्ति पत्नी के नाम ट्रांसफर की जा सकती है। वकील ने बताया कि फैमिली कोर्ट में याचिका पर अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी। नारायण साईं की पत्नी जानकी ने कहा कि फैमिली कोर्ट के आदेश के बाद भी सात साल से मुझे अपने पति से गुजारा भत्ता नहीं मिला। मुझे कोर्ट से न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है। रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम बापू को भी कोर्ट से राहत मिली है। राजस्थान हाई कोर्ट ने आसाराम बापू को 31 मार्च तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। आसाराम बापू को दो मामलों में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को झटका

एचसी का जमानत बढ़ाने से इनकार, कहा- पहले सरेंडर करो

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आज शुक्रवार को पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को मेडिकल जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया है। मामले की सुनवाई कर रहे एक जस्टिस के अलग होने की वजह से अब कोर्ट में केस की अगली सुनवाई 27 जनवरी को होगी। पूर्व विधायक मेडिकल आधार पर 20 जनवरी तक अंतरिम जमानत पर हैं। उसकी ओर से अनुरोध किया गया है कि 24 जनवरी को एम्स में होने वाली मोतियाबिंद की सर्जरी के कारण उसकी जमानत की अवधि बढ़ा दी जाए। हालांकि आज जब मामले की सुनवाई शुरू हुई तब जस्टिस धर्मेश शर्मा ने खुद को मामले की सुनवाई से अलग कर लिया। उन्नाव रेप केस में कुलदीप सिंह सेंगर की नई याचिका को जस्टिस प्रतिभा सिंह और जस्टिस धर्मेश शर्मा की बेंच के सामने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की गई थी, लेकिन सुनवाई शुरू नहीं हो सकी।

जस्टिस शर्मा ने ही सुनाया था फैसला

हुआ यह कि सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि जस्टिस धर्मेश शर्मा ने ही वो फैसला सुनाया था, जिसमें पूर्व विधायक सेंगर को रेप के मामले में दोषी पाया गया था और उसे जेल की सजा सुनाई गई थी। इसलिए जस्टिस धर्मेश शर्मा ने जमानत से जुड़े मामले से खुद को अलग कर लिया। जस्टिस प्रतिभा सिंह ने कहा कि फैसले पर विचार करते हुए, इस मामले को किसी दूसरी बेंच के सामने सूचीबद्ध किया जाए, जस्टिस धर्मेश शर्मा जिसका हिस्सा ना हों।

पहले आत्मसमर्पण करें सेंगर: कोर्ट

इसके बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से निष्कासित नेता कुलदीप सेंगर कुलदीप सेंगर के वकील ने मेडिकल जमानत की अवधि बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि उनकी आंख का ऑपरेशन 24 जनवरी को होना है। एम्स ने तारीख दे दी है। जस्टिस प्रतिभा सिंह ने कुलदीप सेंगर के अनुरोध को नामंजूर कर दिया और कहा कि आप आत्मसमर्पण करें, फिर हम इस आवेदन पर विचार करेंगे। हमने आपको पर्याप्त छूट दे दी है। हम सिर्फ समझौता करते नहीं रह सकते। दरअसल, कुलदीप सिंह सेंगर की मेडिकल जमानत 20 जनवरी को खत्म हो रही है। अब हाई कोर्ट मामले में अगली सुनवाई 27 जनवरी को करेगी। सेंगर ने उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में कल गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट से उसे दी गई 10 साल जेल की सजा को निलंबित करने का अनुरोध किया। सेंगर की ओर से इस आधार पर राहत की याचिका लगाई गई कि दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ उसकी अपील पर हाई कोर्ट की ओर से अभी फैसला लिया जाना है, जबकि वह पहले ही जेल में काफी समय बिता चुका है।

20 जनवरी तक अंतरिम जमानत

पूर्व विधायक चिकित्सा आधार पर 20 जनवरी तक अंतरिम जमानत पर है। सेंगर ने यह भी अनुरोध किया कि 24 जनवरी को एम्स में होने वाली मोतियाबिंद की सर्जरी के कारण उसकी जमानत की अवधि बढ़ा दी जाए। बीजेपी नेता रहे सेंगर को नाबालिग पीड़िता से रेप का दोषी ठहराया गया और 20 दिसंबर, 2019 को आजीवन कारावास की सजा सुना दी गई। 2017 में सेंगर ने पीड़िता को कथित रूप से अगवा कर लिया और उससे रेप किया। जिस वक्त घटना हुई तब पीड़िता नाबालिग थी।

'बीदर में दो सुरक्षा गार्डों की हत्या के आरोपी की पहचान हुई, पकड़ने की कोशिश जारी', मंत्री का दावा

बंगलूरू, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी। परमेश्वर ने बताया कि 16 जनवरी को बीदर में दो सुरक्षा गार्डों की गोली मारकर हत्या करने और एसबीआई एटीएम में भरने के लिए रखी 93 लाख रुपये की नकदी लूटने वाले दो लुटेरों की पहचान कर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को पकड़ने की कोशिश जारी है। पुलिस की टीमों मध्य प्रदेश के इंदौर और अन्य संभावित स्थानों पर गई है, जहां से आरोपी संबंधित हो सकते हैं। राज्य गृह मंत्री जी परमेश्वर ने इस मामले में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, दोनों की पहचान कर ली गई है। उनका पीछा किया जा रहा है। उनके अनुसार, आरोपी अपराध के बाद हैदराबाद भाग गए। आरोपी मौके से बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। वह अपने साथ नकदी से भरा ट्रंक भी ले गए। राज्य गृह मंत्री ने बताया कि एसबीआई ने हैदराबाद स्थित एक फर्म को परमेश्वर ने कहा, आमतौर पर जब इतनी बड़ी मात्रा में नकदी ले जाया जाता है तो बंदूकधारी साथ रहते हैं। दुर्भाग्य से, कल वाहन में कोई बंदूकधारी नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि आरोपी ने लंबे समय तक कैश ट्रांसपोर्टेशन मेकानिज्म की निगरानी की होगी और अपराध को अंजाम दिया होगा। गुरुवार को बीदर में एसबीआई एटीएम में भरने के लिए रखी गई नकदी को लूटने के लिए उन्होंने सुरक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों सुरक्षा गार्डों की पहचान गिरि वेंकटेश और शिव काशीनाथ के तौर पर की गई है। पुलिस ने बताया कि दोनों गार्ड सीएमएस एजेंसी के स्टाफ थे। स्टाफ सुबह के 11:30 बजे एटीएम में पैसे भरने आए थे। सूत्रों ने बताया कि लुटेरों ने उन पर आठ गोलियां चलाईं।

भोपाल में धंस गया 49 साल पुराना पुल, दो जिलों से कटा कनेक्शन लाखों लोग होंगे परेशान

भोपाल, 17 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल से सटे बेरसिया में गुरुवार आधी रात को पार्वती नदी पर बना पुल क्रैक होकर धंस गया। हादसे के बाद पुल पर वाहनों की आवागमन पूरी तरह से रोक दिया गया है। यह पुल बेरसिया-नरसिंहगढ़ रोड पर स्थित है। घटना की जानकारी मिलते ही बैरसिया एसडीम सहित पीडब्ल्यूडी के अफसर मौके पर पहुंचे और पुल का निरीक्षण किया है। पुल 49 साल पुराना है और काफी जर्जर हो चुका है। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने निर्णय लिया है कि मरम्मत किए जाने तक पुल पर पूरी तरह से आवाजाही बंद रहेगी। इस मार्ग से भोपाल जिले के बेरसिया और राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ का संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। इसके लिए वैकल्पिक मार्गों से आवाजाही की व्यवस्था की गई है। पुल पर भारी वाहनों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। इस पुल का निर्माण 1976 में हुआ था। इसकी उम्र लगभग 49 साल की हो चुकी है। यानी क्रैक हुआ पुल उस दौर में बनने वाले पुलों की औसत आयु पर पहुंच चुका है। अभी शुरुआती जांच में पुल की मरम्मत में कमी की बात भी सामने आई है।पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद बेरसिया के पास रुनहा जोड़ पर नजीराबाद थाने का पुलिस बल तैनात किया गया है और नो एंट्री पॉइंट लगाया गया है। ताकि क्षतिग्रस्त पुल पर कोई वाहन ना जा सके। पुल के क्षतिग्रस्त होने पर एसडीएम ने एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक को पत्र भी लिखा। अब एमपीआरडीसी की टीम मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त पुल की जांच करेगी। यह पुल दो जिलों भोपाल और राजगढ़ को इलाकों को जोड़ता है। इस पुल के धंसने से क्षेत्रीय लोगों को भारी दिक्कतें उठानी पड़ेंगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि 49 साल पुराना यह पुल बेरसिया और नरसिंहगढ़ को आपस में जोड़ता है। इस पुल से सैकड़ों वाहन होकर गुजरते हैं। एमपीआरडीसी की टीम शुक्रवार को पुल का निरीक्षण करेगी। पुल पर आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

मोहन भागवत के बयान पर भड़के दिग्विजय सिंह, 'यह भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद के बलिदान का अपमान

भोपाल, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 'सच्ची स्वतंत्रता' वाले बयान को लेकर उनसे माफी मांगने की मांग की। भागवत ने सोमवार को कहा था कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाई जानी चाहिए क्योंकि अनेक सदियों से दुश्मन का आक्रमण झेलने वाले देश को सच्ची स्वतंत्रता इसी दिन मिली। दिग्विजय सिंह ने भागवत पर भगत सिंह जैसे शहीदों का अनादर करने का आरोप लगाया और कहा कि आरएसएस ने ब्रिटिश राज का समर्थन किया था। उन्होंने ने दावा किया कि आरएसएस नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जिन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी, बंगाल में मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन सरकार में मंत्री रहे थे।

लाखों-करोड़ों लोगों की भावनाओं का अनादर- दिग्विजय सिंह

आरएसएस प्रमुख की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा, उन्होंने लाखों-करोड़ों लोगों की भावनाओं का अनादर किया है। यह भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और गणेश शंकर विद्यार्थी का अपमान है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा, मोहन भागवत ने स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है और उन्हें माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने दावा किया, जब संविधान को अपनाया गया था, तब आरएसएस ने इसका खुलकर विरोध किया था। इसकी प्रतियां जला दी थीं। उन्हें यह याद नहीं है। स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और आम नागरिकों के योगदान को याद करते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा, यह उन स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान है, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और गोलियां और लाठियां खाईं। उन्होंने कहा कि आरएसएस के लोगों ने ब्रिटिश राज का समर्थन किया और मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार बनाई।

मुस्लिम लीग की सरकार में मंत्री थे श्यामा प्रसाद मुखर्जी- दिग्विजय सिंह

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल के उपमुख्यमंत्री (वित्त मंत्री) थे और मुख्यमंत्री मुस्लिम लीग से थे। भागवत ने सोमवार को इंदौर में कहा था कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाई जानी चाहिए क्योंकि अनेक सदियों से दुश्मन का आक्रमण झेलने वाले देश को सच्ची स्वतंत्रता इस दिन प्रतिष्ठित हुई थी।

सुविचार: ब्रह्मचर्य ही परमात्मा के समीप जाने का साधन है

चेर्लापल्ली टर्मिनल स्टेशन पर ट्रांसजेंडरों के लिए ओएसओपी स्टॉल आवंटित

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय द्वारा शुरू की गई 'एक स्टेशन एक उत्पाद' (ओएसओपी) पहल के तहत, दक्षिण मध्य रेलवे ने नए खुले चेर्लापल्ली टर्मिनल स्टेशन पर ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को एक ओएसओपी स्टॉल और ट्रॉली स्टैंड आवंटित किया है। स्टॉल पर उनके द्वारा हाथ से बनाए गए उत्पादों की एक श्रृंखला जैसे स्नैक्स, जूट बैग और साबुन आदि उपलब्ध हैं। ओएसओपी स्टॉल के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, जैस्मीन (ट्रांसजेंडर उद्यमी) ने कहा कि लंबे समय से, ट्रांसजेंडर समुदाय को नौकरी के अवसरों की कमी और बहिष्कार का सामना करना पड़ा है। लेकिन अब, हम अपना खुद का उद्यम शुरू करने के लिए एक साथ आए हैं। हमें नए खुले चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल स्टेशन पर एक स्टॉल और एक ट्रॉली स्टैंड दिया गया है, एक ऐसी जगह जहां हम अपना काम दिखा सकते हैं और जो हम हैं, उसके लिए पहचाने जा सकते हैं। हमारे स्टॉल पर, हम अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा बनाए गए उत्पादों की एक श्रृंखला पेश करते हैं। मैं एक स्नैक व्यवसाय चलाता हूं, जहां मैं खुद से बनाए गए कुरकुरे व्यंजन बेचता हूं। मेरे लिए अपनी पसंद की कोई चीज हर उस व्यक्ति के साथ साझा करना संतुष्टिदायक है जो मेरे पास आता है। त्रिपुरा और सहस्रा, दो प्रतिभाशाली ट्रांसवुमन, हाथ से बने जूट के बैग बनाती हैं।

हर एक बैग अनोखा है, जो हमारी ताकत और रचनात्मकता को दर्शाता है। किरण राज, एक ट्रांसमैन, साबुन बनाता है। उसका काम हमारे समुदाय के भीतर के कौशल को दर्शाता है, और मुझे अपने स्टॉल पर उसके साबुन पाकर खुशी हो रही है। चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल पर स्टॉल लगाना सिर्फ़ उत्पाद बेचने से कहीं बढ़कर है। यह हमारे लिए दिखने, लोगों से बातचीत करने और यह दिखाने का अवसर है कि हम लोगों की समझ से कहीं ज़्यादा सक्षम हैं। स्टॉल और ट्रॉली समानता और मान्यता की दिशा में हमारी प्रगति के प्रतीक हैं। मैं इसके लिए रेलवे अधिकारियों, राज्य और केंद्र सरकार का भी आभारी हूं और हम भविष्य में और भी पहल की उम्मीद करते हैं। यह तो बस शुरूआत है, और हम आगे आने वाले समय के लिए उत्साहित हैं। आगे बढ़ने वाला हर कदम हमें याद दिलाता है कि हम कितनी दूर आ गए हैं, और मैं भविष्य की ओर देख रहा हूं। ओएसओपी की इस अनूठी पहल का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों के लिए बाजार उपलब्ध कराकर और अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करके स्थानीय/स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है। 2022-23 के केंद्रीय बजट में घोषित की गई इस अवधारणा को तब से स्थानीय लोगों से भारी प्रतिक्रिया मिली है।

18 जनवरी से एससीआर चलाएगा विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति के दौरान यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) विभिन्न गंतव्यों के बीच अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार, काकीनाडा टाउन-चेर्लापल्ली (07215), विशाखापट्टनम-चेर्लापल्ली (08509) और विशाखापट्टनम-चेर्लापल्ली (08549) सेवाएं 18 जनवरी को चलेंगी। इसी तरह, चेर्लापल्ली-विशाखापट्टनम (08510), विशाखापट्टनम-चेर्लापल्ली (08551) और चेर्लापल्ली-भुवनेश्वर (08550) सेवाएं 19 जनवरी को और चेर्लापल्ली-विशाखापट्टनम (08552) सेवाएं 20 जनवरी को चलेंगी। एससीआर अधिकारियों ने बताया कि इन ट्रेनों में एसी II टियर, एसी III टियर इकॉनमी, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

केटीआर का फॉर्मूला-ई कार रेस मामले से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी जीवन रेड्डी ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव पर फॉर्मूला-ई कार रेस मामले से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने तर्क दिया कि केटीआर (जो वर्तमान में इस मामले से संबंधित मुकदमे का सामना कर रहे हैं) केवल इस मामले से ध्यान हटाने के लिए न्यायाधीश को भड़का रहे हैं। शुक्रवार को कांग्रेस विधान कार्यालय (सीएलपी) में मीडिया को संबोधित करते हुए, कांग्रेस एमएलसी ने एक दशक तक किसानों को धोखा देने और अब उनके नाम पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए बीआरएस की आलोचना की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सत्ता संभालने के सिर्फ एक साल के भीतर, कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिए 2 लाख रुपये तक की ऋण माफी को सफलतापूर्वक लागू किया है, जो देश में कहीं और नहीं है। जीवन रेड्डी ने कहा कि रैतु भरोसा योजना के तहत, किसानों को 2 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी गई है।

12,000 प्रति एकड़ के हिसाब से 26 जनवरी से योजना शुरू होगी। उन्होंने आगे बताया कि पिछली सरकार ने राशन कार्ड जारी करने में लापरवाही बरती और बीआरएस प्रशासन महिलाओं के लिए मुफ्त परिवहन योजना और 200 यूनिट बिजली खपत के प्रावधान जैसी पहलों को लागू करने में विफल रहा है।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर जोन, राचकोंडा के एसओटी ने नेरेडमेट पुलिस के साथ मिलकर हेरोइन की अवैध तस्करी और वितरण में शामिल दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को पकड़ा है। आरोप महेश उर्फ महेश शर्मा निवासी सैनिक नगर, राम कृष्णपुरम, नेरेडमेट, महिपाल निवासी सैनिक नगर, सफिलगुडा, नेरडमेड, राजस्थान के मूल निवासी है।

पुलिस ने 190 ग्राम हेरोइन, 10 लिफाफों में एक-एक ग्राम हेरोइन वाला एक लिफाफा कवर, दोपहिया वाहन हीरो सीडी डीलक्स बीआर. नंबर टीएस-11-ईएच-6828, दो मोबाइल फोन, एक सिम का शवर्ड, एक छोटी तौल मशीन, एक चिपकने वाला टेप प्लास्टर, कुल 23 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की। सीपी राचकोंडा सुधीर बाबू ने बताया कि आरोपी महेश ने राजस्थान राज्य के फलौदी जिले के लोहावट के चैनपुरा (वि) में रहने वाले ड्रग पेडलर समसुद्दीन से दोस्ती की और उससे परिचय बढ़ाया। महेश ने समसुद्दीन से 200 ग्राम हेरोइन खरीदी, जिसके लिए उसने फोनपे पेमेंट प्लेटफॉर्म के जरिए एक रुपये का भुगतान किया। 10 जनवरी, 2025 को महेश ट्रेन से हैदराबाद पहुंचा और सैनिक नगर, आरके पुरम, नेरेडमेट में अपने दोस्त महिपाल के घर पर रहने लगा और महिपाल को हेरोइन के लेन-देन के बारे में बताया, फिर दोनों ने ग्राहकों को अधिक कीमत पर ड्रग बेचने का फैसला किया। महेश ने अपने ग्राहकों को हेरोइन के पार्सल पहुंचाने के लिए पोर्टर, रैपिडो और उबर जैसी राइड-हेलिंग सेवाओं को नियुक्त किया। हैदराबाद आने के बाद से, महेश विभिन्न व्यक्तियों को हेरोइन वितरित कर रहा था, जिनमें पीके गोटेम उर्फ प्रकाश, सुरेश उर्फ मनीष बिश्नोई और विनोद उर्फ सोपू बिश्नोई शामिल थे। बजरंग नामक एक ग्राहक से प्राप्त ऑर्डर के आधार पर, महेश और उसके साथियों ने मुकेश कुमार और प्रकाश बिश्नोई को भी हेरोइन के पार्सल भेजे। अपनी गतिविधियों को छिपाने के प्रयास में, महेश और उसके सहयोगियों ने विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल किया, जैसे कि रैपिडो, ओला और पोर्टर पर सवारी बुक करके अपने मूल पते से दूर विभिन्न स्थानों पर पार्सल पहुंचाना। उन्होंने ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करने के लिए महेश के फोनपे स्कैनर का भी इस्तेमाल किया।

आग दुर्घटना की सूचना सेकंडों में प्रसारित करने के लिए प्रौद्योगिकी की आवश्यकता

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ ने शुक्रवार तड़के पुराने मुंबई हाईवे के शेखपेट इलाके में ड्यूक्स एवेन्यू बिल्डिंग में आग लगने के बाद इलाके का निरीक्षण किया।

इस मौके पर उन्होंने हाइड्रा डीआरएफ टीम और दमकल कर्मियों से आग लगने के कारणों पर चर्चा की। ड्यूक्स एवेन्यू बिल्डिंग में आग बिल्डिंग की दूसरी मंजिल से लगी थी और इससे आकाश इंस्टीट्यूट के इलाके को काफी नुकसान पहुंचा। रंगनाथ ने समय पर मौके पर पहुंचने के लिए फायर ब्रिगेड और हाइड्रा डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की प्रशंसा की और कहा कि दूसरी मंजिल में ही आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने कहा कि आग के कारण धुआं बिल्डिंग के सभी दो तहखानों और चार ऊपरी मंजिलों तक फैल गया। रंगनाथ ने बिल्डिंग मालिकों को कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि आग लगने के कुछ ही क्षणों में बिल्डिंग में अलर्ट सिस्टम लगा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तरीकों को लागू किया जाना चाहिए और कहा कि अगर बिल्डिंग में फायर अलार्म सिस्टम हो तो दुर्घटनाओं में काफी कमी आ सकती है। उन्होंने अधिकारियों को आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए इमारत के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने इमारत के मालिकों और रखरखाव कर्मचारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित उपाय करने की सलाह दी है। रंगनाथ ने कहा कि घटना में हाइड्रा डीआरएफ और अग्निशमन कर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया ने कुछ हद तक नुकसान को कम किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी आपदाओं को पहले से रोकने के लिए अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

FORM NO.2 SUMMONS FOR SETTLEMENT OF ISSUES
IN THE COURT OF HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT: HYDERABAD
SOP. No. 157 OF 2024
Between:
Nandlal Totla & Other's ...Petitioners
AND
All concerned & Anr. ...Respondents
To,
All Concerned
Notice is hereby given that, on the 29th day of April 2024, application was made to this court by petitioners herein for the grant of Succession Certificate under the Indian Succession Act, with respect to the share certificates of Late Smt. Laxmi Devi Totla who died on 14th August, 2013 and that the hearing has been fixed by the Hon'ble Court on 03rd day of February, 2025 where you are at liberty to appear and oppose the same.
Take notice that in default of your appearance on the day before mentioned the suit will be heard and determined in your absence.
By Order of the Court
M/s. DMA ADVOCATES,
DAMODAR MUNDRA, DINESH K GILDA
G. VENKATESH, MAYUR MUNDRA
SHREYA MUNDRA, DIVYA MUNDRA
RIDHI RANKA, DUWALA NITHIN
#102, II Floor, KGN Plaza, Street No.8, Himayatnagar, Hyderabad.
Cell No.+91 98480 80435

पूर्व तट रेलवे
निविदा सूचना सं.: e-T-CENTRAL-WAT-03-2025
दिनांक: 09.01.2025
कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल के केके-I लाइन पर वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेंट्रल/ वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत टीएफआर 61.654 (GRSP-45.177) किमी का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागत: ₹1,06,86,148.41
ईएमडी: ₹2,03,400/-, पूर्णता अवधि: 12 (बारह) माह
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 31.01.2025 को 1500 बजे
इन ई-निविदाओं के अधीन फर्म के लेटर हेड में जमा किये गये एवं समय पर प्राप्त डाक/कूरियर/फैक्स के माध्यम से भेजे गये या व्यक्तिगत रूप से जमा किये गये मैनुअल प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्तावों को अवैध माना जाएगा और उन पर कोई विचार किये बिना उन्हें तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा।
निविदा दस्तावेज पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
नोट: भावी बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए कृपया निविदा बंद होने की तिथि के 10 दिन पूर्व तक वेबसाइट को दोबारा देखें। वेबसाइट www.ireps.gov.in
PR-887/P/24-25 मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान
(सेंट्रल रिसर्च इंस्टिट्यूट फार ड्राईलैण्ड एग्रीकल्चर)
संतोषनगर, सईदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-500059
रिक्ति सूचना
वॉक -इन-इंटरव्यू द्वारा दि.04-02-2025 के सुबह 11.00 बजे, यंग प्रोफेशनल-I (01 पद) तथा यंग प्रोफेशनल-I ((01 पद) के अस्थायी पदों को भरा जायेगा। अधिक जानकारी के लिए,http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।
हस्ता./--
प्रशासकीय अधिकारी

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
प्रपत्र 10-01
आम अधिसूचना
PUB/0052
इसके द्वारा सभी रेल लाइनों के उपयोगकर्ताओं तथा दक्षिण मध्य रेलवे के अधोलिखित खण्ड के तहत पूर्ण खण्ड पर स्थित परिसरों को सूचना दी जाती है कि, तत्संबंधित सेक्शन के 25000वोल्ट्स, 50एचजेड, एसी ओवरहेड ट्रैक्शन के वायर्स को इसकी निर्धारित तिथि को या तत्पश्चात् तिथि को उर्जावान(एनर्जाइज) किया जायेगा। अत:तत्संबंधित प्रभावी तिथि को एवम् वही तिथि से उक्त ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को, सभी समय पर सक्रिय या लाइव माना जायेगा तथा उपरोक्त ओवरहेड लाइन के परिसर में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न प्रवेश कर सकेगा अथवा न कोई कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शन	तिथि
सिकंदराबाद डिवीजन के काजीपेट-विजयवाडा सेक्शन में ओएचइ मास्ट लोकेशन 459/11 एण्ड 12(किमी/सीएच:459/378.28) से 460/11(किमी/सीएच:460/330.00) एवम् 460/12 (किमी/सीएच:460/339.00) तत्संबंधित डोर्नकल जंक्शन तथा गारला स्टेशनों के बीच हालही में डायवर्टेड लाइन्स की स्थायी रुप से बहाली(रिस्टोरेशन) के प्रति विद्युतीकरण कार्य।	17-01-2025

प्रपत्र 10-02 एसी
25केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी
आम जनता की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि, 25केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के काजीपेट-विजयवाडा सेक्शन में ओएचइ मास्ट लोकेशन 459/11 एण्ड 12(किमी/सीएच: 459/378.28) से 460/11(किमी/ सीएच:460/330.00) एवम् 460/12(किमी/सीएच:460/339.00) तत्संबंधित डोर्नकल जंक्शन तथा गारला स्टेशनों के बीच हालही में डायवर्टेड लाइन्स की स्थायी रुप से बहाली(रिस्टोरेशन) के चलते तत्संबंधित सक्रिय ट्रैक्शन वायर के परिसरों में भारी वाहनो के लोड के अत्यधिक उंचाई एवम् खतरनाक संपर्क से बचने एवं इस तत्संबंधित खतरनाक सक्रियता को रोकने के लिए, सभी लेवल क्रासिंग्स के उपर स्पष्ट रुप से अधिकतम उंचाई के 4.78एम हाइट गेजेस लगाये गये हैं। अत: आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि, वाहनों मे लदान करते समय सीमित भार का ध्यान रखें ताकि किसी भी परिस्थिति में सडकपर तत्संबंधित वाहनों के चलने पर उक्त हाइट गेजेस का उल्लंघन कतई न करते हो।
अत्यधिक उंचाई के भार से जुडे खोजिम निम्न है:
i) हाइट गेज को खतरा एवम् सडक के साथ साथ रेल लाइन के लिए अवरोध
ii) तत्संबंधित वाहन में एक्वीपमेंट या सामग्री के लदान एवं संबंधित वाहन को खतरा
iii) आग का खतरा तथा तत्संबंधित के संपर्के में आने पर जिंदगी का जोखिम या तत्संबंधित खतरनाक परिसर से कंडक्टर्स को खतरा **दि.17-01-2025**
A0066 **वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद**

एससी, एसटी उपयोजना के अनुसार निधि खर्च की जानी चाहिए

डिप्टी सीएम भट्टी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि प्रत्येक विभाग को निर्धारित समय के भीतर एससी, एसटी उपयोजना के अनुसार निधि खर्च करनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एससी, एसटी उपयोजना के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को उपयोजना अधिनियम के अनुसार विभागवार व्यय का विवरण महीने में एक बार बताने का निर्देश दिया। भट्टी ने जोर देकर कहा कि उपलब्ध निधियों को संतोषजनक ढंग से खर्च किया जाना चाहिए और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए योजनाएं बनानी चाहिए कि उपयोजना के तहत खर्च की गई निधियों से संबंधित समुदायों की आय में वृद्धि होगी और परिसंपत्तियों का निर्माण होगा। उपमुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को 23 जनवरी को होने वाली बैठक में उपयोजना राशि के खर्च और समुदायों को मिलने वाले लाभों से संबंधित पूर्ण विवरण के साथ आने को कहा। उन्होंने उन विभागों के अधिकारियों से भी पूछा जो उपयोजना राशि को कोटे के अनुसार खर्च नहीं कर पाए हैं कि वे राशि को कैसे खर्च करने का प्रस्ताव रखते हैं और अगले दो महीनों में लक्ष्य तक पहुंचने की क्या योजना है। बैठक के दौरान अधिकारियों ने पिछले आठ वर्षों में विभिन्न विभागों में एससी, एसटी उपयोजना के कार्यान्वयन पर सीईएसएस रिपोर्ट की प्रस्तुति दी। भट्टी ने सीईएसएस अधिकारियों द्वारा देखे गए मुद्दों और उन मुद्दों पर विभाग के अधिकारियों द्वारा प्राप्त परिणामों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सीईएसएस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपनी रिपोर्ट वित्त और योजना विभाग के अधिकारियों को सौंपें और उनके साथ नियमित रूप से बैठकें करें। उपमुख्यमंत्री ने वन भूमि में सौर ऊर्जा पंप सेटों के उपयोग पर भी जोर दिया और अधिकारियों को उनके साथ बांस, एवोकैडो, पाम ऑयल और अन्य अंतर फसलों की परियोजनाएं डिजाइन करने का निर्देश दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि रोजगार गारंटी योजना के तहत किए जाने वाले कार्यों को इन खेती से जोड़ा जाना चाहिए। भट्टी ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभागों के प्रधान सचिवों को विभिन्न अन्य विभागों के प्रधान सचिवों से मिलकर इस वित्तीय वर्ष के दौरान उपयोजना निधि खर्च करने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

केडब्ल्यूडीटी-II आदेश तेलंगाना की जीत : हरीश राव

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने शुक्रवार को बृजेश कुमार न्यायाधिकरण द्वारा जारी अंतरिम आदेश का स्वागत किया, जो कृष्णा जल आवंटन के संबंध में 1956 के अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम की धारा 3 के तहत दलीलें सुनने के लिए सहमत हो गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह बीआरएस शासन के लिए बड़ी जीत है, जिसने लगातार परियोजनाओं के बजाय राज्यों के आधार पर जल आवंटन की वकालत की है।

उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय लेने की कोशिश करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की, और कहा कि यह कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ही थी जिसने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 89 को लागू किया, जिसके कारण कृष्णा जल के आवंटन में तेलंगाना के साथ अन्याय हुआ। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस गलती को सुधारने और तेलंगाना के लिए कृष्णा जल का उचित हिस्सा सुरक्षित करने में बीआरएस को दस साल लग गए। पूर्व मंत्री ने याद दिलाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना के अधिकारों के लिए अथक संघर्ष किया था, यहां तक कि राज्य की ओर से दलीलें पेश करने के लिए बृजेश कुमार ट्रिब्यूनल के समक्ष भी उपस्थित हुए थे।

18वीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती कुंदनबाई
किल्लेवाले-कुंवरिया
स्वर्गवास दि.18-01-2007
दूर हैं आप हमसे, फिर भी है हमारे दिलों में सुख का साया प्रदान कर दे रही है, हमें आशीर्वाद
-श्रध्दांजली अर्पितकर्ता-
स्व. जमुनादास (जेष्ठ पुत्र), कमलाबाई-ज्येष्ठ पुत्री, पितंबर बाई(पुत्री), स्वर्गीय सरस्वती बाई(पुत्री),जसोदाबाई(अहमदनगर) पुत्री,श्री मीनुलालजी-पुत्र, श्री निरंजनलाल-पुत्र, श्री शिवलाल, श्री पापालालजी (पुत्र), सुरेश(पुत्र),
एवं समस्त किल्लेवाले कुंवरिया परिवार

ट्रक दुर्घटना में महिला और बच्चे की मौत

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार देर रात मैलारदेवपल्ली में एक लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे एक महिला और एक बच्चे की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जब यह दुर्घटना हुई, तब पीड़ित लंगर हौज से फलकनुमा जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि जब बाइक मैलारदेवपल्ली मुख्य सड़क पर पहुंची तो पीछे से एक अज्ञात ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल होने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मैलारदेवपल्ली पुलिस जांच कर रही है।

डीसीपी ट्रैफिक नॉर्थ जोन ने निरीक्षण किया

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राहुल हेगड़े बीके डीसीपी ट्रैफिक नॉर्थ हैदराबाद, शंकर राजू सहायक पुलिस आयुक्त नॉर्थ जोन के साथ ट्रैफिक पुलिस स्टेशन तिरुमलागिरी आए और वार्षिक निरीक्षण किया।

थाने के सारे रिकॉर्ड उनसे बनवाए गए और उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सब कुछ ठीक-ठाक था और उन्हें एक किताब भी दी गई जिसमें लिखा था कि थाने का परिवेश अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि वह पुलिस स्टेशन के सभी कर्मचारियों से बात करेंगे और उनकी समस्याओं के बारे में पूछेंगे और उनका समाधान करेंगे। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को ड्यूटी से बाहर रहने के दौरान अपनाए जाने वाले नियमों के बारे में भी बताया और उन्हें अपनी ड्यूटी करने की सलाह दी, ताकि ट्रैफिक जाम रहे मोटर चालकों को परेशानी पैदा किए बिना और जंक्शन पर सड़क पार करने वाले पैदल यात्रियों की मदद के लिए यह सुचारू रूप से बहती है। सुझाव दिया गया कि यातायात कर्मचारियों को यातायात नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए, तभी हम अपने कर्तव्यों का पालन कुशलतापूर्वक कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी को हेलमेट अवश्य पहनना चाहिए तथा बिना लाइसेंस के यात्रा नहीं करनी चाहिए तथा उल्टी दिशा में यात्रा नहीं करनी चाहिए। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की और कहा कि यात्रियों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए उनके कर्मचारी हमेशा कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

छठी पुण्यतिथि

: स्वर्गवास : 18.01.2019
स्व.श्री मोहनलालजी बर्फा (सीरवी)
: सुपुत्र : स्व.श्री तुलसारामजी बर्फा
मरुधर मे कुशालपुरा बेरा नवादिया
स्मरणकर आपको, श्रद्धा-सुमन अर्पित करते है।
सदा रहे आशीष आपका, प्रभु से प्रार्थना करते है।।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : स्व.हिरीबाई (माता), स्व.दुर्गाराम-तीजाबाई, भंवरलाल-बीदामीबाई (भाई-भाभी), लीलादेवी (धर्मपत्नी), गोविन्द (पुत्र), निकिता (पुत्री), राजु, कानाराम, रमेश, चैनाराम (भतीज) एवं समस्त बर्फा परिवार
: फर्म :
न्यू माताजी ज्वैलर्स, राधिका मैन रोड, कापरा 8555012669
P.Solankey

नीतीश कुमार की चुनाव से पहले बड़ी तैयारी

80 हजार शिक्षकों की होगी बहाली

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले नीतीश सरकार हर वर्ग के लोगों के लिए खजाना खोल रही है। 'प्रगति यात्रा' में जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब तक हजारों करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर चुके हैं वहीं अब युवाओं की ओर ध्यान दिया जाने लगा है। कुछ दिन पहले कृषि विभाग में 3000 पदों पर नौकरी के लिए विज्ञापन जल्द निकालने का ऐलान मंत्री मंगल पांडेय ने किया था अब चौथे चरण की शिक्षक बहाली को लेकर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ी जानकारी दी है। शुक्रवार (17 जनवरी) को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर पोस्ट करके बताया कि चौथे चरण में 80 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति होने वाली है। यह नियुक्ति चुनाव से पहले संपन्न हो जाएगी। सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा है, "बिहार में फिर 80000 शिक्षकों की होगी बहाली, युवा मन लगाकर पढ़ें, बहाली एनडीए सरकार दे रही है भरपूर। सम्राट चौधरी ने अपने पोस्ट के जरिए बताया है कि एनडीए सरकार शिक्षक भर्ती की नई सौगात ला रही है। टीआरई-4 में 80 हजार से अधिक पदों पर भर्ती होगी। टीआरई-3 में 21,397 पद जो खाली रह गए थे उसे टीआरई-4 में शामिल किया जाएगा। यह भी कहा गया है कि बिहार के 75 हजार स्कूलों में सात लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की योजना है। बता दें कि अभी तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा में पास हुए अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया चल रही है। साथ ही बिहार में चौथे चरण की शिक्षक भर्ती के लिए भी योजना बनने लगी है। बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से परीक्षा ली जाएगी। टीआरई-4 में सबसे अधिक वैकेंसी गणित, संगीत और खेल शिक्षकों की होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 11 हजार से अधिक गणित, संगीत और खेल शिक्षकों की भर्ती की योजना है। बीपीएससी टीआरई-4 में कक्षा एक से 12वीं तक के शिक्षकों की बहाली होगी। इसके अलावा, एससी/एसटी विभाग की ओर से संचालित स्कूलों में भी शिक्षकों की बहाली होगी। बीपीएससी टीआरई-4 में टीआरई 1, 2, 3 जैसे ही योग्यता मापदंड होंगे। प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए, 12वीं पास होने के साथ डीएलएड किया होना जरूरी होगा। मिडिल स्कूल के लिए ग्रेजुएट होने के साथ डीएलएड होना चाहिए। माध्यमिक शिक्षक यानी टीजीटी के लिए ग्रेजुएशन के साथ डीएलएड/बीएड जरूरी है। पीजीटी के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन के साथ बीएड चाहिए।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर वाहन से टकराया तेंदुआ

टक्कर इतनी जबरदस्त- टूट गया जबड़ा

मेरठ , 17 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ जनपद में तेंदुए का कुनबा फल-फूल रहा है। विशेष रूप से बाहरी इलाकों में तेंदुए की उपस्थिति बनी हुई है। गुरुवार को काशी टोल प्लाजा के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर रात 9:30 बजे एक तेंदुआ तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तेंदुए का जबड़ा टूट गया और वह दूर जा गिरा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। एक्सप्रेसवे पर तेंदुए की मौत से अफरातफरी मच गई। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर रिठानी वन रेंज की टीम पहुंची। रेंजर रवि राणा ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। डीएफओ राजेश कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि इससे पहले एक्सप्रेसवे पर ही 17 जनवरी 2023 को गाजियाबाद की सीमा में भोजपुर में भी एक तेंदुए की दुर्घटना में मौत हो गई थी। अब एक और तेंदुए ने दम तोड़ दिया। वन्य जीव विशेषज्ञों के अनुसार तेंदुए विशेष क्षेत्र में विचरण करते हैं। ऐसे में वहां धीमी गति से वाहन चलाने का बोर्ड लगाया जाना चाहिए। चूंकि इससे वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो सकते हैं। वर्तमान में कोहरा पड़ रहा है, ऐसे में कभी-कभी तेंदुए अपनी टेरेटरी यानी इलाके से भटक जाते हैं। गुरुवार को मृत मिला तेंदुआ नर बताया जा रहा है, इसकी आयु करीब तीन वर्ष आंकी गई है।

सनातन धर्म पर राजनीति करने वालों पर राकेश टिकैत भड़के

कहा- नागपुर से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

प्रयागराज, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत कुंभ नगरी प्रयागराज में पहुंचे हुए हैं। जहां उन्होंने महाकुंभ की तैयारियों की तारीफ की। हालांकि उन्होंने महाकुंभ और सनातन धर्म को लेकर राजनीति पर नाराजगी जताई। टिकैत ने कहा कि हम जन्म से ही सनातनी है और सनातन को मानते हैं। इसके लिए नागपुर से टिकट नहीं चाहिए। राकेश टिकैत ने महाकुंभ में स्नान करने को लेकर पूछे गए सवाल में कहा कि जब संगम आए हैं तो स्नान तो करना चाहिए। संगम है। त्रिवेणी है। जो बीमारी है वो छूटे। देश तरक्की करे। 12 साल में कुंभ आया है तो इसमें बहुत सारे साधु संत आए हुए हैं। लोग इसका इंतजार करते हैं, तभी तो संगम में कोई कहीं का साधु है कोई कहीं रहता है, कोई पहाड़ों रहता है तो कोई जंगलों में रहता है वो सब इस समय पर यहां आते हैं। जहां भी ये मेले लगते हैं वहीं पर ये साधु-संत इकट्ठा होते हैं।

सनातनी होने के लिए नागपुर का टिकट नहीं

टिकैत ने कहा कि सनातन धर्म को तो सब मानते हैं ये तो राजनेता है जो कुछ भी बोलते रहते हैं। सनातन धर्म का ऐसा थोड़े ही कि नागपुर से टिकट लेना है, हम तो जन्म से सनातनी है। लेकिन इस पर सियासत नहीं होनी चाहिए। एक है भारतीय और एक नारंगिया। तो नारंगिया तो मत बनाओ। यहां बहुत बड़ी तादाद में है। सनातन को बांटने की कोशिश न करे। कोई राजनीति न करे। राकेश टिकैत ने महाकुंभ की तैयारियों की भी तारीफ की और सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष जताया और कहा कि महाकुंभ में किसानों की महापंचायत भी होने वाली है। जिसमें किसानों को लेकर फैसले लिए जाएंगे। बता दें कि संगम नगरी प्रयागराज में अबतक 7 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है। सरकार का अनुमान है कि इस बार मौनी अमावस्या पर दस करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाने आ सकते हैं।

मणिपुर में तैनात सीआरपीएफ जवान की 5 साल की लापता बेटी की हत्या

नवादा में 17 दिनों बाद मिला शव

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। के नवादा जिले के पकरीबरमा प्रखंड के निवासी सीआरपीएफ जवान शिव शंकर कुमार की 5 वर्षीय पुत्री सानवी उर्फ काव्या एक जनवरी को अपनी नानी घर नरहट प्रखंड के छोटी पाली गांव से लापता हो गई थी, इसके बाद, मणिपुर से उनके पिता अपनी बच्ची की तलाश में गांव पहुंचे थे। इसी बीच दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। मासूम बच्ची की हत्या कर दी गई। शव शुक्रवार को गांव के एक आहार में मिला है, जिससे पूरे परिवार में कोहराम मच गया है।

लापता बच्ची की तलाश में पुलिस ने कई टीमें बनाई

घटना से पहले जब बच्ची लापता हुई थी तभी उसके परिवार ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई थी। पुलिस ने बिहार से लेकर बंगाल तक उसकी तलाश की थी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला था। लापता बच्ची की तलाश में पुलिस ने कई टीमें बनाई। एसपी अभिनव धीमान की देख रेख में पुलिस ने पूरे गांव को खंगाला, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस की तलाश जारी थी, लेकिन शुक्रवार को बच्ची का शव मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है, जिसमें यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गांव के कौन लोग हैं, जिन्होंने बच्ची की हत्या की है। इस पूरे मामले की जांच एसपी खुद कर रहे हैं, जिसमें कई थानों के पुलिस और डीएसपी को भी शामिल किया गया है। नवादा के एसपी अभिनव धीमान ने लापता बच्ची की खोजबीन के लिए 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। इसके तहत, अगर कोई व्यक्ति लापता बच्ची को कहीं देखता है और पुलिस को सूचना देता है, तो उसे 50 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। लेकिन शुक्रवार को शव मिलने के बाद पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव के लगभग हर व्यक्ति की आंखों में आंसू हैं। हर कोई यही सवाल पूछ रहा है कि आखिर क्यों इस मासूम बच्ची की हत्या की गई है।

परिवार से किसी की कोई दुश्मनी सामने नहीं आई है

मृतक बच्ची के पिता और परिवार के किसी भी सदस्य की कोई दुश्मनी अब तक पुलिस को सामने नहीं आई है। मृतक के पिता मणिपुर में सीआरपीएफ के जवान के रूप में तैनात हैं और अपनी बच्ची की नवादा में आकर खोजबीन कर रहे थे। दूसरी ओर बच्ची की माता की तबीयत पिछले दिनों से काफी खराब है और उनका इलाज सरकारी अस्पताल में चल रहा है। अचानक मौत की खबर सुनने के बाद मृतक की मां की हालत गंभीर हो गई है और परिवार के लोगों के लिए उन्हें संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। वहीं मामले में नरहट के थाना प्रभारी उमाशंकर सिंह ने बताया है कि पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और बच्ची की खोजबीन के लिए कई टीम वरीय अधिकारी के आदेश पर गठित की गई थी। अब शव मिलने के बाद इसकी भी जांच की जा रही है।

महाकुंभ : अखिलेश यादव के बयान पर मंत्री दयाशंकर सिंह बोले- वहीं जानें वो क्या दर्शाना चाह रहे हैं

प्रयागराज, 17 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के प्रयागराज जिले में महाकुंभ 2025 का आयोजन किया गया है। 13 जनवरी से महाकुंभ की शुरुआत हो चुकी है। इस बीच महाकुंभ को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा, महाकुंभ से बड़ा धार्मिक आयोजन दुनिया में नहीं होता। ये सब बयान देकर वो क्या दर्शाना चाहते हैं, वही समझते होंगे। वोट की राजनीति होनी चाहिए लेकिन जहां भारत की संस्कृति और सभ्यता की बात आती है वहां हम सबको एक होकर इसे मजबूत करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के कुछ देशों की जितनी संख्या होगी, उससे कहीं अधिक संख्या में लोग महाकुंभ में आएंगे। कई देशों के श्रद्धालु महाकुंभ में स्नान करने के लिए महाकुंभ आते हैं। वोट की राजनीति नहीं चाहिए। गंगा में उन्होंने जाकर स्नान किया। हरिद्वार में आपने स्नान किया तो महाकुंभ में आकर स्नान कीजिए। 144 साल बाद ये महाकुंभ आया है। दोबारा जब ऐसा संयोग बनेगा तब हममे से कोई भी जिंदा नहीं बचा होगा। ये तो सौभाग्य की बात है कि हमें ऐसा अवसर मिला है कि हम महाकुंभ में स्नान कर सकें।महाकुंभ को लेकर प्रशासन मुस्तैदबता दें कि महाकुंभ को लेकर अखिलेश यादव ने बीते दिनों बयान दिया था। इसी बयान पर अब दयाशंकर सिंह ने प्रतिक्रिया दी है।

इससे पहले भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर रावण ने भी बयान दिया था। बता दें कि महाकुंभ में राज्य की योगी सरकार द्वारा खासा व्यवस्था की गई है। वहीं प्रशासन के अधिकारी भी मुस्तैद हैं, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से निपटा जा सके। वहीं भूले-भटके लोगों के लिए एआई कैमरों की व्यवस्था की गई है, जो भीड़ में लोगों की पहचान कर उन्हें उचित स्थान पर पहुंचान का काम करेगा।

पाकिस्तानी महिला बनी सरकारी शिक्षक

बरेली में नौ साल से कर रही थी नौकरी, विभाग ने किया बर्खास्त, रिपोर्ट दर्ज

बरेली , 17 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तानी महिला ने फर्जी दस्तावेज से बेसिक शिक्षक की नौकरी हासिल कर ली। उसने बरेली के फतेहगंज पश्चिमी विकास खंड क्षेत्र में तैनाती भी पा ली। जांच में फर्जीवाड़ा साबित होने के बाद उसे अक्तूबर में निलंबित कर दिया गया था। विभाग ने अब उसकी सेवा समाप्त कर दी है। उसके खिलाफ विभागीय अधिकारियों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। जल्द उसे गिरफ्तार भी किया जा सकता है। रामपुर शहर के बजरोही टोला में गली नंबर चार के मकान नंबर 20 की निवासी शुमायला खान पुत्री एसए खान पर यह कार्रवाई हुई है। फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी भानु शंकर गंगवार ने उसके खिलाफ फतेहगंज पश्चिमी थाने में धोखाधड़ी से नागरिकता छुपाने व फर्जी दस्तावेजों से नौकरी हासिल करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया गया है कि शुमायला खान ने फर्जी दस्तावेज तैयार करके बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक की नौकरी हासिल कर ली। फिलहाल वह यहां प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थी। उसकी नागरिकता को लेकर शिकायत की गई थी। आरोप था कि वह पाकिस्तानी नागरिक है।

'पत्नी का शराब पीना पति से क्रूरता नहीं..'

तलाक मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

प्रयागराज, 17 जनवरी (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के तलाक से जुड़े में मामले में अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि पत्नी के शराब पीने की आदत पति के खिलाफ क्रूरता नही है जब तक वो नशे की हालत में पति के साथ अभद्र या अनुचित व्यवहार नहीं करती है। हालांकि दोनों कई सालों से एक दूसरे से अलग रह रहे हैं ऐसे में परित्याग के आधार पर कोर्ट ने उन्हें तलाक की अनुमति दे दी है। दरअसल पति ने दावा किया था कि उसकी पत्नी शराब पीती है और रात को बिना बताए अपने दोस्तों के साथ समय बिताती है। जिसके बाद उसने पत्नी से तलाक लेने की अर्जी दी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि शराब पीना अपने आप में कोई क्रूरता का मामला नहीं है। जब तक वो नशे में अनुचित व्यवहार नहीं करती है। रिकॉर्ड में पति की ओर से ऐसे कोई सबूत नहीं दिए गए हैं जिससे ये साबित होता हो कि शराब पीने की वजह से पत्नी ने उनके साथ कोई क्रूरता या अनुचित व्यवहार किया हो।

पत्नी का शराब पीना क्रूरता नहीं- एचसी

याचिकाकर्ता पति ने अपनी अर्जी में पत्नी पर क्रूरता और उन्हें छोड़कर जाने का आरोप लगाते हुए तलाक की मांग की थी। इस मामले में जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की डिविजन बेंच में सुनवाई हुई, कोर्ट ने कहा कि क्रूरता और परित्याग दोनों मामले एक दूसरे से एकदम अलग है। कोर्ट में ऐसी कोई दलील नहीं दी गई जिससे ये साबित होता हो कि शराब पीना क्रूरता है या शराब पीने की वजह से पैदा हुए बच्चे में कोई शारीरिक कमजोरी या वो पूरी तरह से स्वस्थ्य नहीं है। ऐसी कोई समस्या आई हो। कोर्ट ने ये भी कहा कि ऐसा कोई रिकॉर्ड भी नहीं है जिससे ये साफ होता हो कि पत्नी को आए कई कॉल उसके पुरुष दोस्त के थे या जिनकी वजह से पति के साथ कोई क्रूरता हुई हो। हालांकि शादी के एक साल बाद से ही दोनों अलग रह रहे हैं। हिन्दू मैरिज एक्ट के तहत ये परित्याग के समान है। केस में पत्नी की कोई भागीदारी नहीं है इससे भी पता लगता है कि उसके वापस आने की कोई मंशा नहीं है। इसके आधार पर दोनों के तलाक की अनुमति दी जाती है। बता दें कि याचिकाकर्ता ने साल 2015 में मैट्रिमोनियल साइट के जरिए शादी की थी। साल 2016 में उसकी पत्नी बेटे के साथ अपने घर वापस चली गई।

युवा राष्ट्रीय लोकदल ने अयोध्या समेत 12 जिलों में नियुक्त किए जिलाध्यक्ष

जयंत चौधरी

लखनऊ, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में युवा राष्ट्रीय लोकदल पार्टी ने अयोध्या, अमेठी समेत 12 जिलों में जिलाध्यक्ष नियुक्त किए हैं। पार्टी ने संगठन मजबूती व विस्तार के तहत ये नियुक्तियां की हैं। इसकी जानकारी प्रदेश महासचिव विपिन द्विवेदी ने दी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के निर्देश और प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय के अनुमोदन के बाद 12 जिलों के जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इसमें परशुराम कुशवाहा को ललितपुर, मनोज खंगार को महोबा, अनोज पाल को जालौन, राम मिश्रा को पीलीभीत, राहुल द्विवेदी को फतेहपुर, राम किशोर मौर्या को उन्नाव, अनिल वर्मा को अयोध्या, ठा. प्रशांत सिंह को सोनभद्र, राहुल पटेल को वाराणसी, अमित पांडेय को अमेठी, नरेश कुमार मौर्या को कासगंज तथा मोहसीन कुरैशी को एटा जनपद के जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल ने बताया कि जिलाध्यक्ष के गठन से जिलों में युवा राष्ट्रीय लोकदल के संगठन को मजबूती मिल सकेगी। इनके माध्यम से राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी द्वारा युवाओं के रोजगार हित में चलाई जा रही योजनाओं को आसानी से युवाओं के बीच पहुंचाया जा सकेगा। कहा कि शीघ्र ही जिलेवार युवा राष्ट्रीय लोकदल के कार्यक्रम भी तय किए जाएंगे। इसमें कार्यकर्ता सम्मेलन एवं प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

संभल हिंसा मामले में 24 आरोपियों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी

अब तक 60 को भेजा जा चुका है जेल

चंदौसी, 17 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के संभल में बीते 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के आरोपितों को सजा दिलाने के लिए पुलिस कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।

फरार आरोपितों पर जहां इनाम घोषित करने की तैयारी की जा रही है वहीं पुलिस की पैरवी के चलते अदालत ने संभल हिंसा में आरोपित दो दर्जन लोगों के गैर जमानती वारंट जारी किए हैं। सभी आरोपित नखासा थाना क्षेत्र के हैं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि संभल में हुई हिंसा के आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार प्रयास कर रहीं हैं। जिला या आसपास क्षेत्र में ही नहीं दूसरे प्रदेशों में भी इनकी तलाश की जा रही है। गुरुवार को भी दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। अभी

तक इस मामले में 60 आरोपितों को जेल भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि नखासा थाना पुलिस की पैरवी के चलते अदालत ने हिंसा के 24 आरोपितों के गैर जमानती वारंट जारी किए हैं। संभल में 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी। इस मामले की जांच के लिए योगी सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग 21 जनवरी 2025 को गवाहों के बयान दर्ज करेगा। आयोग के सदस्य सोहनलाल ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक लोगों को अपने लिखित बयान देने का समय दिया है। इससे पहले आयोग ने 11 दिसंबर को घटना से संबंधित जानकारी रखने वाले लोगों को बयान देने के लिए बुलाया था, लेकिन किसी ने अपने बयान दर्ज नहीं कराए। आयोग ने अब तक घटना में मृतकों के पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों और फार्मासिस्ट के बयान एफिडेविट के साथ दर्ज किए हैं। उधर, मजिस्ट्रेट जांच के लिए नियुक्त डिप्टी कलेक्टर दीपक चौधरी, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के पैनल प्रमुख हैं, इस जिम्मेदारी के कारण बयान दर्ज नहीं कर पाए हैं। उन्होंने अब तक चार बार जांच की तारीख बढ़ाई है, जिससे जांच में देरी हो रही है। न्यायिक आयोग हालांकि साक्ष्य संकलन में सक्रिय है और घटनास्थल पर गहराई से जांच कर रहा है। पीड़ित परिवारों को उम्मीद है कि 21 जनवरी को गवाहों के बयान दर्ज होने से हिंसा के कारणों और दोषियों का पता लगाने में मदद मिलेगी।

झुंड से बिछड़ा हिरण का बच्चा

इंसानों से कर बैठा प्रेम क्या फिर जाना पड़ेगा जंगल?

गाजीपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के गाजीपुर में हिरण का अपने झुंड से बिछड़ गया। वह भटकता हुआ आबादी क्षेत्र में पहुंच गया। वन विभाग की टीम को इसकी जानकारी हुई तो उसे खोजना शुरू किया। काले हिरण का बच्चा जिले के एक गांव में स्थित घर में पाया गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह बच्चा करीब डेढ़ साल का है। इसका वजन करीब 12 किलो का है। यह भटकते हुए जमानिया इलाके में पहुंच गया, जिसे वन विभाग जल्द ही उसके झुंड तक पहुंचाने का काम करेगा। अपने कुनबे से भटके हुए काले हिरण या ब्लैक बक के बच्चे को वन विभाग ने सोमवार को जमानियां क्षेत्र के रसूलपुर के नेवादा गांव से पाया गया। कजमानियां वन रेंज में विचरण कर रहे काले हिरण या ब्लैक बक का बच्चा पांच दिनों से अपने कुनबे से भटक कर आबादी वाले इलाके में पहुंच गया था। हालांकि,

ग्रामीणों ने उसको कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। काले हिरण की जानकारी इलाके में होते ही वन अधिकारी सतर्क हो कर जगह-जगह गश्त करने लगे। इस बीच काले हिरण का बच्चा जमानियां क्षेत्र के रसूलपुर के नेवाद गांव के एक परिवार के घर पहुंच गया।लोगों से जानकारी मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उसे संरक्षित कर कार्यालय ले आई। अधिकारियों के अनुसार, जिले के जमानियां रेंज में काला हिरण को 20 से 25 की झुंड में विचरण करते देखा गया है। उनमें ही एक से डेढ साल का एक बच्चा अपने कुनबा से भटक कर आबादी के बीच पहुंच गया। इसकी जानकारी वन अधिकारियों को होते ही गांव में पहुंच कर हिरण के बच्चे को अपने संरक्षण में लिया। अधिकारियों ने बताया की हिरण के बच्चे को आबादी के बीच रहने की आदत हो गई है। इस कारण उसे दोबारा से क्षेत्र में छोड़ा नहीं जा सकता।

15 महीने का है बच्चा

उच्चाधिकारियों के निर्देश में इससे कोई संरक्षित स्थान पर भेज दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि काले हिरण का नर बच्चा एक से डेढ साल का लग रहा है। उसका वजन करीब 12 किलो है। डीएफओ विवेक कुमार ने इस मामले पर बताया कि पाया गया हिरण काला हिरण प्रजाति का है। यह करीब 15 महीने के आसपास का है और यह अपने कुनबे से भटक कर गाजीपुर के जमानियां इलाके में आ गया है। जिसे वन विभाग के द्वारा संरक्षित कर लिया गया है और उच्च अधिकारियों से इस संबंध में दिशा निर्देश मांगा जा रहा है। उनके निर्देश मिलने के बाद इस हिरण को संरक्षित इलाके में छोड़ा जाएगा।

18 साल की युवती संग 42 साल के शख्स का खेत में मिला शव, पास में मिली बंदूक; मचा हड़कंप

आगरा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां खैरागढ़ के बुंदुपुरा गांव में एक खेत से दो लोगों का शव बरामद हुआ है। वहीं दोनों का शव देख कर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मृतकों में एक 42 साल का पुरुष, जबकि एक 18 साल की युवती बताई जा रही है। दोनों शवों के पास एक लाइसेंसी रिवॉल्वर भी मिली है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है कि मामला क्या है। वहीं बताया जा रहा है कि मृतक शख्स शादीशुदा था, जबकि युवती अविवाहित थी। घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) सोनम कुमार ने कहा, प्रारंभिक साक्ष्यों से पता चलता है कि विनय परमार नामक व्यक्ति ने बुधवार को पहले महिला को और फिर खुद को गोली मार ली। हालांकि, मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक नगला कमाल निवासी 42 वर्षीय विनय परमार ने बुंदुपुरा में एक खेत किराए पर लिया था, जहां 18 वर्षीय महिला भी रहती थी। पुलिस ने बताया कि उनके शव दोपहर करीब तीन बजे खेत में मिले, जिनके सिर पर गोली के निशान थे। परमार के शव के पास से एक लाइसेंसी रिवॉल्वर भी मिली।

वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि परमार शादीशुदा था, जबकि महिला अविवाहित थी। फिलहाल दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने दोनों शवों के पास पड़ी रिवॉल्वर को जब्त कर लिया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) सोनम कुमार ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और सभी सबूतों की भी पड़ताल की जा रही है।

फैक्टरी अकाउंटेंट से लूट का खुलासा

मुठभेड़ में दो शातिर लुटेरे दबोचे, सवा लाख रुपये बरामद

अलीगढ़, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अलीगढ़ के इगलास स्थित गांव गुरसेना की एंगल फैक्टरी के अकाउंटेंट से हुई लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार किए गए हैं। एक बदमाश गोली लगने से घायल भी हुआ है। पकड़े गए आरोपियों से लूटी हुई 125500 रुपये, अवैध असलाह-कारतूस, वॉकी-टॉकी, मोबाइल व बाइक बरामद की है। 10 जनवरी को इगलास के गांव गुरसेना की एंगल फैक्टरी के अकाउंटेंट सुशील पाठक पुत्र सुरेश चन्द्र पाठक निवासी खारीवरी बुलन्दशहर अपने साथी के साथ फैक्टरी के रुपये लेकर बैंक जमा करने जा रहे थे। सुबह 09.45 बजे गोरवा-भोरवा रोड पर दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों ने सुशील पाठक से रुपयों भरा बैग छीन लिया और भाग गए। 17 जनवरी को स्वॉट, सर्विलान्स टीम व इगलास पुलिस चैकिंग कर रही थी। इगलास में डबल नहर के बीच की पटरी पर सासनी रोड की तरफ एक बाइक सवार दो व्यक्ति आ रहे थे, जिन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने

पुलिस पर फायर किया। मुठभेड़ में अभियुक्त सौरभ उर्फ शुभम खटीक के पैर में गोली लगी। घायल अभियुक्त सौरभ उर्फ शुभम खटीक पर जयपुर राजस्थान से 25000 रुपये वर्ष 2024 में इनाम घोषित है। पकड़े गए अभियुक्तों के गिरोह में राजस्थान, आगरा व अलीगढ़ आदि जनपदों के सदस्य हैं। ये लोग फैक्ट्री, ज्वैलर्स की दुकानों आदि को चिन्हित करते हैं। कैश ले जाने वाले रास्तों की रैकी करते हैं। ऐसे लोगों को जो बैंक में रुपये जमा करने जाते हैं, को अवैध शस्त्रों से डरा धमकाकर कैश छीन कर भाग जाते हैं।

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अपने बयान पर मांगी माफी, 'कोई जस्टिफिकेशन नहीं'

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अपनी एक टिप्पणी को लेकर माफी मांग ली है। शहजाद पूनावाला ने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा, ''मेरे सभी पूर्वांचली भाई बहनों को हाथ जोड़कर माफी मांगना चाहता हूं। मेरे शब्दों से दुख हुआ और पीड़ा पहुंची। मैं कोई जस्टिफिकेशन नहीं देना चाहता। आपके साथ मेरा गहरा रिश्ता है। प्यार, स्नेह और सम्मान का रिश्ता है।'' 'एक्स' पर वीडियो संदेश में शहजाद पूनावाला ने कहा, '' मैं यूपी-बिहार के लोगों, विशेषकर जो मेहनतकश लोगों को सम्मान देता हूं। यह मेरे चरित्र और जिंदगी से स्पष्ट है फिर भी शब्दों से जो चोट पहुंची है। उन शब्दों के लिए बहुत-बहुत क्षमा मांगता हूं।'' शहजाद पूनावाला पर आप ने आरोप लगाया था कि उन्होंने टीवी डिबेट के दौरान आपत्तिजनक बात कही थी। डिबेट में शहजाद की बहस आप के ऋतुराज झा से होने लगी। सरनेम को लेकर शहजाद की ऋतुराज से बहस होने लगी। इसी दौरान आपत्तिजनकर टिप्पणी शहजाद ने कर दी। आप सांसद संजय सिंह ने शहजाद पूनावाला की टिप्पणी को लेकर बीजेपी पर पूर्वांचलियों को गाली देने का आरोप लगाया था। मामले ने तूल पकड़ा तो क्या विपक्ष और सहयोगी दल भी बीजेपी को घेरने लगे।

जेडीयू ने भी पूनावाला पर कार्रवाई की मांग की। जेडीयू ने कहा कि उनके बयान से पूर्वांचल के लोग नाराज हैं। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने वीडियो जारी कर कहा था कि शहजाद को माफी मांग लेनी चाहिए। मनोज तिवारी ने कहा, ''शहजाद पूनावाला के कहे हुए शब्द की निंदा करता हूं। कोई कितना भी उकसाए लेकिन पार्टी उम्मीद करती है कि कार्यकर्ता संवेदनशील रहें और अपनी मर्यादा बनाए रखें। मैं चाहता हूं कि शहजाद पूनावाला माफी मांग लें।''

भोपाल-ग्वालियर में 8 जगह ईडी की रेड

पूर्व रजिस्ट्रार केके अरोरा के ठिकानों पर कार्रवाई करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के करीबी हैं

ग्वालियर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अलग-अलग टीमों ने आज सुबह भोपाल और ग्वालियर में 8 जगह छापे मारे हैं। कार्रवाई पूर्व सीनियर सब रजिस्ट्रार केके अरोरा के ठिकानों पर की गई है। भोपाल में इंद्रपुरी स्थित नवोदय हॉस्पिटल के संचालक डॉ। श्याम अग्रवाल के ठिकानों समेत 4 जगह जबकि ग्वालियर में मुरार स्थित सीपी कॉलोनी समेत 4 जगहों पर छापे मारे गए हैं। अरोरा आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा से जुड़े बताए जा रहे हैं। ईडी की टीम सुबह करीब 5 बजे अरोरा के सभी ठिकानों पर पहुंची। फिलहाल, अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। पूर्व सीनियर सब रजिस्ट्रार अरोरा, विनय हासवानी के बिजनेस पार्टनर हैं। भोपाल के मेंडोरी स्थित विनय हासवानी के फार्म हाउस से ही 54 किलो गोल्ड और 11 करोड़ कैश से लदी कार मिली थी। वह आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के मौसा, पूर्व डीएसपी मुनीश राजोरिया का दामाद है। भोपाल में डॉ। श्याम अग्रवाल के इंद्रपुरी बी सेक्टर स्थित घर पर ईडी पहुंची है। इंद्रपुरी में ही नवोदय कैंसर हॉस्पिटल और एमपी नगर स्थित उनके दूसरे अस्पताल में टीम जांच कर रही है। ईडी को जांच के दौरान भारी मात्रा में निवेश से जुड़े दस्तावेज और कैश मिलने का अनुमान है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं की गई है। पड़ोसियों के मुताबिक, केके अरोरा और उनकी पत्नी 25 दिन पहले ही घर से चले गए थे। वे बेंगलुरू में हैं। उनके घर में दो किरायेदार रहते हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है। ईडी की टीम ने छापेमारी के वक्त किरायेदारों को घर के अंदर लॉक कर दिया था। उनके बच्चों को भी स्कूल नहीं जाने दिया गया। परिवहन विभाग (आरटीओ) में कॉन्स्टेबल रहे सौरभ शर्मा और उसके करीबियों पर नाकों पर तैनाती कराने के लिए दलाली के आरोप हैं। सौरभ ने महज 12 साल की नौकरी में प्रदेशभर में करोड़ों का अवैध साम्राज्य खड़ा कर लिया। मूल रूप से ग्वालियर के रहने वाले सौरभ को पिता की जगह अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। चंद साल की नौकरी में ही उसका रहन-सहन बदल गया था। इसकी शिकायत परिवहन विभाग सहित अन्य जांच एजेंसियों पर की जाने लगीं तो सौरभ ने वीआरएस लेने का फैसला लिया। इसके बाद भोपाल के कई नामचीन बिल्डरों के साथ प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करने लगा। सौरभ के ठिकानों पर लोकायुक्त की कार्रवाई चल रही थी, इसी बीच 19 और 20 दिसंबर की रात इनकम टैक्स की टीम ने मेंडोरी के जंगल में इनोवा कार से 54 किलो सोने की सिल्लियां और 11 करोड़ रुपए नगद बरामद किए। सूत्रों के मुताबिक, विनय हासवानी ही 19 दिसंबर 2024 को इनोवा कार को चार से पांच गाड़ियों के काफिले में दो बार मेंडोरी ले गया था। इसके बाद उसके लोग इस कार को लगातार वॉच कर रहे थे। जिस जगह पर गाड़ी जब्त की गई, वहां सिर्फ 3 फॉर्म हाउस हैं। उससे आगे जाने का कोई रास्ता भी नहीं है।

नकाबपोश गिरोह का आतंक, पुलिस की गोली से घायल बदमाश गिरफ्तार

विजयपुरा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में एक घर में लूटपाट की कोशिश करने वाले नकाबपोश गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की ही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान गिरोह के 4 बदमाश मोटरसाइकिल पर सवार होकर हाईवे की तरफ भागे, लेकिन पेट्रोलिंग वाहन ने उन्हें टोल नाके के पास देख लिया। 4 में से 3 बदमाश मौके से किसी तरह भागने में सफल हो गए, लेकिन एक को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने भाग रहे बदमाश का पीछा करते हुए उस पर फायरिंग की। फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लग गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना शहर के बाहरी इलाके में स्थित स्पंदना अस्पताल के पास हुई। घायल बदमाश की पहचान मध्य प्रदेश के धार जिले के महेश के रूप में हुई है। पुलिस अब इस गिरहो के बाकी के तीन बदमाशों की तलाश कर रही है। ये बदमाश पिछले एक महीने में जिले में कई लूटपाट की घटनाओं में शामिल रहे हैं। विजयपुरा के जिला एसपी लक्ष्मण निंबार्गी ने बताया कि इस गिरोह ने पिछले एक सप्ताह में कई ऐसी वारदातें की हैं, जिसमें लोगों को हथियार दिखाकर लूटा गया है।

उन्होंने कहा, 'लूटपाट की इन घटनाओं के बाद पुलिस लगातार जांच कर रही थी। गुरुवार को भी इस गिरोह ने एक घर में घुसकर पति को धमकी देकर पत्नी से गहने और मंगलसूत्र लूट लिए थे। इसके बाद पुलिस ने कनकदासा ले आउट में निगरानी बढ़ा दी थी।' एसपी लक्ष्मण निंबार्गी ने यह भी बताया कि पुलिस की टीमें गांधी चौक, गोलागुम्माता और ग्रामीण क्षेत्रों में अपराधियों की तलाश कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'गिरोह के अन्य सदस्य जल्दी ही गिरफ्तार किए जाएंगे। इस गिरोह की जड़ें मध्य प्रदेश में मिलने की संभावना है, और पुलिस ने इस मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है।'

दोस्त पर आया प्रेमिका का दिल तो बौखलाया पहला प्यार, शराब पिलाई और चाकू के रेत दिया गला

हरिद्वार, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सिडकुल क्षेत्र में दोस्त की प्रेमिका पर डोरे डालकर उसका ब्रेकअप कराने और खुद उससे प्रेम-संबंध जोड़ना एक युवक की जान पर भारी पड़ा। दोस्त ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर शराब पिलाने के बहाने चाकू से गला काटकर उसकी हत्या कर दी। मृतक और हत्यारोपित मूलरूप से मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का पर्दाफाश कर लिया। उनकी निशानदेही पर झाड़ियों से युवक का शव भी बरामद कर लिया गया। 24 घंटे के भीतर हत्याकांड का पर्दाफाश करने पर एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने थानाध्यक्ष मनोहर भंडारी को शाबाशी दी है। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि 15 जनवरी को बिजेंद्र पाल निवासी काकड़ा थाना शाहपुर जिला मुजफ्फरनगर हाल निवासी रामनगर कालोनी रावली महदूद ने सूचना दी थी कि उसका छोटा भाई विनीत सब्जी लेने बाजार गया था, वापस लौटकर नहीं आया। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर पड़ताल शुरू कि तो विनीत के अपने दोस्तों के साथ बाइक पर जाने की जानकारी मिली। उसका मोबाइल फोन नंबर भी स्विच आफ था। पुलिस ने उसके दोस्त अंकुश निवासी बिरालसी थाना चरथावल जिला मुजफ्फरनगर हाल निवासी सुभाष एनक्लेव को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया।

कठुआ में देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में युवती का मिला शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

जम्मू, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कठुआ जिले के खरोट लिंक मार्ग पर देर रात एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव की पहचान नाजिया बानो के रूप में हुई है। शव मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और हादसे की आशंका जताई जा रही है, हालांकि, युवती के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि यह कोई सामान्य हादसा नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या हो सकती है। उन्होंने मृतका के शव को लेकर कठुआ हाईवे जाम कर दिया और पुलिस प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि आरोपियों को सजा मिलनी चाहिए और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत जांच शुरू की है। घटनास्थल पर पुलिस टीम पहुंच चुकी है और शव का पोस्टमॉर्टम करवाने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

खेत में छुपे बाघ ने ग्रामीण पर किया हमला घायल का जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

शहडोल, 17 जनवरी (एजेंसियां)। शहडोल जिले में खेत में छिपे एक बाघ ने ग्रामीण के ऊपर हमला कर उसे घायल कर दिया। हमले के बाद ग्रामीण की चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनने के बाद आसपास मौजूद लोग मौके पर दौड़ पड़े। इसके बाद बाघ फिर उसी खेत में जाकर छिप गया। मामला संभागीय मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत अमिलिहा के ग्राम भदरा का है। घटना के बाद घायल ग्रामीण को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है।

'टिम्बी में अवैध कब्जा हटाकर दिखाइए

आप नेता गोपाल इटालिया की हर्ष सांघवी को चुनौती

अहमदाबाद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों से गुजरात सरकार द्वारा द्वारका में अवैध निर्माण के खिलाफ की गई कार्रवाई सुर्खियों में हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल इटालिया ने गुजरात की बीजेपी सरकार को अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि अगर प्रदेश के गृह मंत्री हर्ष संघवी के बुलडोजर में दम है तो वह भावनगर जिले के टिम्बी गांव में बीजेपी नेता के जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई करें। आप नेता गोपाल इटालिया ने कहा,गरीबों और छोटे लोगों के घर तोड़कर सिंघम बनने निकले गृह मंत्री अगर मेरे टिम्बी गांव के निर्वाचित बीजेपी सदस्य के खिलाफ जमीन हड़पने का मामला दर्ज कराते हैं, तो मैं उन्हें सहीं में सिंघम ही मानूंगा।

इटालिया ने क्यों किया गुजराती कवि का जिक्र?

दरअसल, भावनगर जिले के उमराला तालुका स्थित टिम्बी गांव के एक बड़े बीजेपी नेता किसी के काबू में नहीं है। वो वर्षों से सरकारी जमीन के साथ-साथ चारागाह की जमीन पर भी कब्जा कर रहा है। बीजेपी ने नेता ने टिम्बी में कई बीघा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है, लेकिन अभी कि उसके खिलाफ प्रदेश सरकार या प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है। आप नेता गोपाल इटालिया ने गुजराती कवि दलत पत्र राम की एक कविता का हवाला देते हुए कहा, उसने कहा कि यह खोखला है। आपने इसमें किस तरह की कारीगरी की है? यदि आप साम्बा बजाते हैं, तो मुझे पता चल जाएगा कि आप बुद्धिमान हैं।

100642 वर्ग मीटर जमीन कराया कब्जा मुक्त

बता दें कि गुजरात सरकार में गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने एक्स पोस्ट कर दावा किया है कि प्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमण को हटाया है, जिससे नागरिक सुविधाओं के लिए आरक्षित भूमि को मुक्त कराने में मदद मिली है। हर्ष सांघवी ने एक्स पोस्ट में 314 आवासीय, 9 वाणिज्यिक और 12 धार्मिक अवैध अतिक्रमण सहित कुल 335 अतिक्रमण हटाए गए हैं। अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत प्रदेश सरकार को 1,00,642 वर्ग मीटर जमीन मुक्त कराने में मदद मिली है। इस भूमि का मूल्य 53,04,25,500 रुपये है। अब इस भूमि पर जल्द ही लोगों के लिए नई सुविधाओं का विकसित किया जाएगा।

कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी' का पूरे पंजाब में विरोध सिनेमाघरों के बाहर जुटे एसजीपीसी के कार्यकर्ता

चंडीगढ़, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को लेकर पंजाब में कई जगह विरोध-प्रदर्शन हो रहा है। एसजीपीसी ने इस फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है। वहीं फिल्म के रिलीज को रोकने के लिए मोहाली में कई सिनेमा घरों के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा है। मोहाली के डीएसपी हरसिमरन बल ने कहा कि इमरजेंसी फिल्म के विरोध को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के बंदोबस्त किए गए है। शांतिपूर्ण तरीके से कोई भी विरोध-प्रदर्शन कर सकता है। मोहाली में एहतियातन सिनेमा मालिकों ने खुद ही इस फिल्म के शो रद्द कर दिए हैं।

अमृतसर में प्रदर्शन

वहीं अमृतसर में भी सिनेमाघरों के बाहर पहुंचकर एसजीपीसी के सदस्य प्रदर्शन कर रहे हैं। एसजीपीसी के सदस्य कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को पंजाब में रिलीज न करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द फिल्म को पंजाब में रिलीज होने से न रोका गया तो वह बड़ा संघर्ष करेंगे। कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी के रिलीज होने के पहले दिन अमृतसर में एसजीपीसी के सदस्य सिनेमा घरों के बाहर पहुंचे और सिनेमा घरों के बाहर विरोध किया। इस संबंध में एसजीपीसी के कार्यकर्ताओं ने कहा के इस फिल्म में सिख समुदाय को ठेस पहुंचाई गई है और संत भिंडरानवाले को गलत दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि हमें आपसी तालमेल के साथ रहना चाहिए और भाईचारे को खराब नहीं करना चाहिए, लेकिन यह फिल्म एक समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है, इसलिए इसको तुरंत रोक देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा इस संबंध में पंजाब के सीएम और डीसी अमृतसर को भी सूचित किया गया था, लेकिन इसके बावजूद भी फिल्म को दिखाया जा रहा है।

इसके अलावा लुधियाना के सिल्वर आर्क मॉल के सिनेमाघर के बाहर भी फिल्म के रिलीज के खिलाफ एसजीपीसी के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इस फिल्म में एक ही समुदाय के किरदार को बहुत ही गलत ढंग से पेश किया गया है और फिल्म को प्रमोट करने के लिए और इस फिल्म में अपना नाम कमाने के लिए एक सुनियोजित तरीके से ऐसा किया जा रहा है। एसजीपीसी के सदस्यों का कहना था उनकी कोशिश है कि वह लुधियाना सहित पूरे पंजाब में इस फिल्म को कहीं पर भी रिलीज नहीं होने देंगे, क्योंकि इससे सिखों की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी।

72 इंच के डेविड की कीमत 21 करोड़ रुपये! मालिक ने बताई मारवाड़ी नस्ल के घोड़े की खासियत

मुक्तसर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। मुक्तसर के ऐतिहासिक मेला माघी में आयोजित विश्व स्तरीय घोड़ा मंडी में एक से बढ़कर एक घोड़े आए हुए हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। ये घोड़े दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बने हुए हैं। जिन्हें देखने के लिए दूर-दराज के गांवों व शहरों से लोग उमड़ रहे हैं। घोड़ा मंडी में आए संजम स्टड फार्म बादल के घोड़ा पालक विक्रमजीत सिंह विक्की बराड़ की मानें तो उनके मारवाड़ी नस्ल के घोड़े डेविड की कीमत 21 करोड़ है। उनका दावा किया कि करीब तीन वर्ष का घोड़ा डेविड 72 इंच ऊंचा है, जो भारत में सबसे ऊंचा है। इस घोड़े के जन्म के एक घंटे बाद इसकी कीमत एक करोड़ रुपए लग गई थी।

देर रात अचानक दिल्ली एम्स के बाहर पहुंचे राहुल गांधी, केंद्र और दिल्ली सरकार पर जमकर बरसे

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार की देर रात में अचानक से दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पहुंच गए। यहां राहुल गांधी ने एम्स के पास में सड़कों, फुटपाथों और सबवे पर डेरा डाले मरीजों और उनके परिवार वालों से मुलाकात की है। इस दौरान राहुल गांधी ने केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों पर ही मरीजों के प्रति असंवेदनशीलता बरतने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एम्स में मरीजों और उनके परिवारवालों से मिलकर उनकी समस्याओं और शिकायतों के बारे में जानकारी ली। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया- नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली एम्स के बाहर मरीजों और उनके परिवार से मुलाकात की। दूर-दराज से इलाज के लिए आए लोग यहां सड़कों, फुटपाथ और सबवे पर सोने को मजबूर हैं। मोदी सरकार और दिल्ली की सरकार ने इन्हें अपने हाल पर छोड़ रखा है। अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रखा है। इलाज के लिए महीनों का इंतजार, असुविधा और सरकार की असंवेदनशीलता- ये आज दिल्ली एम्स की सच्चाई है। हालात ये हैं कि अपनों की बीमारी का बोझ लिए दूर-दराज से आए लोग इस ठिठुरती सर्दी में फुटपाथ और सबवे पर सोने को मजबूर हैं। राहुल गांधी ने इलाज का इंतजार करते उन मरीजों से मुलाकात कर उनसे बात की और उनकी परेशानियां सुनीं। अपनी इस यात्रा पर राहुल गांधी ने कहा- बीमारी का बोझ, ठिठुराने वाली सर्दी, और सरकारी असंवेदनशीलता - आज एम्स के बाहर उन मरीजों और उनके परिवारों से मिला, जो दूर-दराज से इलाज की आस में आए हैं। इलाज की राह में वो सड़कों, फुटपाथ और सबवे पर सोने को मजबूर हैं - ठंडी ज़मीन, भूख, और असुविधाओं के बीच भी बस उम्मीद की एक लौ जलाए बैठे हैं। केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों, जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह से नाकाम रही हैं।

इंस्टाग्राम पर मैसेज करके खुद को बताया अनाथ

फिर युवती को बनाया बहन और कर दिया बड़ा फ्रॉड !

मऊगंज, 17 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले से एक बार फिर साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। हाल में ही साइबर फ्रॉड हुई एक महिला ने आत्महत्या की थी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार किया था। एक बार फिर बदमाशों ने मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती को अपना शिकार बनाया है। बदमाशों ने पहले इंस्टाग्राम में मैसेज करके युवती को अनाथ बताकर बहन बनाया और फिर मदद करने के बहाने पार्सल भेज कर पुलिस में फंस जाने की धमकी दी। इस दौरान बदमाशों ने साइबर फ्रॉड कर युवती से 31 हजार रुपये ऐंठ लिए। मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाना अंतर्गत ग्राम सोनवर्षा में रहने वाली युवती निशा विश्वकर्मा को इंस्टाग्राम में एक युवक से पहचान हुई जहां अपने आप को अनाथ बताकर युवक ने युवती को अपनी बहन बना लिया। जिसके बाद ठग युवक ने युवती का नंबर लेकर व्हाट्सएप कॉलिंग में बात करने लगा। पहले ठगो ने मदद करने के बहाने पार्सल भेजने की बात कह कर युवती के माता-पिता का आधार कार्ड ले लिया जिसके बाद युवती का पार्सल फंस जाने की बात कह कर पूरे घर को जेल जाने धमकी देने लगे। डरा धमका कर ठगो ने युवती से पहले 15 हजार रुपए ऑनलाइन स्कैनर देकर ले लिए और बाद में कुछ समय बीत जाने के बाद ही डिजिटल अरेस्ट की धमकी देते हुए 15 हजार रुपए ऐंठ लिए और हालांकि कुछ समय बीत जाने के बाद युवती के पास ठगों ने पुलिस बनकर पूरे घर को गिरफ्तार करने की धमकी देने लगे। इस बार भी युवती ने डर कर 13 हजार रुपए ठगों के बताए अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए।

दिल्ली चुनाव में छात्रों को लुभाने के लिए आप का दांव, डीटीसी में किराया माफ, मेट्रो में हाफ !

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दल हर तबके को साधने की कोशिश कर रही है। ऐसे में नए वोटर खासकर छात्रों को साधने के लिए आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने दो बड़े ऐलान किए हैं। पहला- दोबारा सरकार बनने पर छात्रों को डीटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा और दूसरा- मेट्रो में छात्रों को किराए में 50 फीसदी की रियायत देने की केंद्र सरकार से मांग की है इतना ही नहीं अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के संकल्प पत्र पर तंज कसा और भाजपा को पूर्वांचली विरोधी बताया। शुक्रवार को अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि जैसा कि आप जानते हैं कि आम आदमी पार्टी और हमारी सरकार शिक्षा को सबसे ज्यादा तवज्जो देती है। बहुत से गरीब बच्चों की शिक्षा इसलिए छूट जाती है कि उनके पास आने जाने के लिए पैसा नहीं होता। तो हमारी सरकार बनने के बाद सभी छात्रों को डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा मिलेगी। हालांकि, छात्राओं को मुफ्त यात्रा का फायदा अभी भी मिल रहा है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि ज्यादातर छात्र मेट्रो से जाते हैं। दिल्ली मेट्रो में दिल्ली सरकार और केंद्र 50/50 फीसदी की हिस्सेदारी रखती है। अगर फायदा होता है तो वो भी आधा-आधा होता है और नुकसान होता है तो वो भी आधा-आधा, तो मैंने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है कि छात्रों को मेट्रों के किराए में 50% की छूट दी जाए। मैं उम्मीद करता हूं कि इसे लागू किया जाएगा। इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र पर तंज कसते हुए कहा कि मुझे पता चला है कि एक ही लाइन का उनका संकल्प पत्र है कि जो जो काम केजरीवाल कर रहा है वो हम भी करेंगे। उनके पास न सीएम चेहरा है, न कोई एजेंडा। जब सरकार ही नहीं बन रही तो कुछ भी बोल सकते हैं, 2500 क्यों 10 हजार ही बोल दो, अपना विजन तो बड़ा रखो। वहीं अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूर्वांचल समाज के लोगों के लिए आम आदमी पार्टी के मन में बहुत इज्जत है। पूर्वांचल के लोग पढ़ने और नौकरी के लिए दिल्ली आते हैं। फिर यहीं अपना घर बना लेते हैं। लेकिन मुझे दुख है कि भाजपा उन्हें तिरस्कार की निगाह से देखती है। मेरा सवाल है कि दिल्ली में आधी सरकार उनकी है। बीजेपी बता दें कि पूर्वांचली समाज के लिए पिछले 10 सालों में क्या काम किए? आयुष्मान योजना को लागू करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सरकार को मिली राहत पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट ने भी मान लिया। आप सर्च करोगे तो पता चलेगा कि आयुष्मान योजना कितना बड़ा स्कैम है। दिल्ली चुनाव में बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब ये झारखंड में नहीं चला तो यहां भी नहीं चलेगा। वहीं, आम आदमी पार्टी से सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने अपने सभी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, केवल 5 पूर्वांचली लोगों को टिकट दिया है। वे पूर्वांचल के लोगों को गाली देते हैं। इसका जवाब पूर्वांचल समाज के लोग वोट से देंगे। एक तरफ बीजेपी ने सिर्फ 5 पूर्वांचलियों को टिकट दिया है। दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी ने 12 पूर्वांचल वालों को टिकट दिया है। केजरीवाल ने पूर्वांचल के गोपाल राय को मंत्री और प्रदेश संयोजक बनाया। मुझे दो बार राज्यसभा भेजा।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने अपने कर्मचारियों के लिए लागू किया नया नियम

पुरी, 17 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रशासन ने अपने कर्मचारियों के लिए नए नियम लागू किए हैं। इनका उद्देश्य मंदिर के कामकाज को बेहतर बनाना और पारंपरिक मूल्यों को बनाए रखना है। मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी ने हाल ही में इन नियमों की घोषणा की और बताया कि यह कदम मंदिर की पवित्रता और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। नए नियमों के अनुसार, सभी कर्मचारियों को 31 जनवरी 2025 तक अपनी संपत्ति की जानकारी देनी होगी। जो इस नियम का पालन नहीं करेंगे, उनकी वेतन बढ़ोतरी, पदोन्नति और अन्य पुरस्कार रोक दिए जाएंगे। इस योजना में कुछ मुख्य बातें शामिल हैं। काम के दौरान पान, गुटखा या कोई नशा करना पूरी तरह से मना है। वरिष्ठ अधिकारियों की हर तीन महीने में समीक्षा होगी ताकि उनके काम का जायजा लिया जा सके। मंदिर की संस्कृति को बनाए रखने के लिए, सभी कर्मचारियों को हर शुक्रवार पारंपरिक कपड़े पहनने होंगे। केवल विशेष वर्दी पहनने वाले कर्मचारियों को इससे छूट दी गई है।

मंदिर में काम के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल बंद कर दिया गया है ताकि ध्यान भटकने से बचा जा सके और अनुशासन बना रहे। मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी ने कहा कि ये नियम कर्मचारियों को अधिक जिम्मेदार और अनुशासित बनाने के लिए हैं। इससे मंदिर की पवित्र परंपराएं बनी रहेंगी और श्रद्धालुओं को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। नए नियमों से मंदिर प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि मंदिर के कर्मचारी मंदिर की परंपराओं और अनुशासन के साथ काम करें।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 18 जनवरी - 2025

बढ़ता बंदरगाहों का जाल प्रगति का द्योतक

अशोक भाटिया

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बंदरगाहों की भूमिका महत्वपूर्ण है, और भारत के पास वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकरण के लिए अपने बंदरगाहों और लंबी तटरेखा की शक्ति का उपयोग करने का एक लंबा इतिहास है। हमारा देश वैश्विक रसद और सुरक्षा दोनों के लिए बंदरगाहों और जलमार्गों पर तेजी से निर्भर हो गया है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने स्थानीय और विदेशी बंदरगाहों से मिलने वाली सैन्य सहायता पर भी ध्यान केंद्रित किया है। पिछले साल हमारे देश के अमृत काल में प्रवेश के क्रम में, मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद बंदरगाह क्षेत्र पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें भारतीय बंदरगाहों पर ध्यान केंद्रित करने वाली दो प्रमुख पहल-मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030 (एमआईवी), 2021 में लॉन्च की गईं। और सागरमाला परियोजना, 2017 में लॉन्च की गई। जहाजरानी मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत का 95% विदेशी व्यापार बंदरगाहों के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है। एमआईवी मुख्य रूप से अंतर्देशीय जल परिवहन पर ध्यान केंद्रित करता है और 2030 तक अपनी हिस्सेदारी को 5% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। इसमें बंदरगाह बुनियादी ढांचे, रसद दक्षता, प्रौद्योगिकी, नीति ढांचे, जहाज निर्माण, तटीय शिपिंग, अंतर्देशीय जलमार्ग, क्रूज पर्यटन सहित 10 क्षेत्रों में 150 पहल शामिल हैं। , समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, और समुद्री सुरक्षा। सागरमाला परियोजना, जिसका अर्थ है 'सागर की माला', भारत में एक सरकारी पहल है जो देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। प्राथमिक लक्ष्य जलमार्गों और विस्तृत समुद्र तट की क्षमता का दोहन करना है, जिससे निर्दिष्ट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए व्यापक बुनियादी ढांचे के निवेश की आवश्यकता को कम किया जा सके। इसके उद्देश्यों में नए मेगा बंदरगाहों की स्थापना, मौजूदा बंदरगाहों को उन्नत करना, 14 तटीय आर्थिक क्षेत्र (सीईजेड) और तटीय आर्थिक इकाइयों का विकास करना, सड़क, रेल, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, पाइपलाइन और जलमार्ग के माध्यम से बंदरगाह कनेक्टिविटी में सुधार करना शामिल है। यह निर्यात और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के माध्यम से तटीय समुदायों के विकास को भी प्राथमिकता देता है। हालाँकि, बंदरगाहों के लिए मोदी सरकार के दबाव में जो बात वास्तव में सामने आती है, वह विदेशी बंदरगाहों पर ध्यान केंद्रित करने और भारत को अंतरराष्ट्रीय समुद्री नेटवर्क में केंद्रीय स्थान पर रखने के लिए उनकी सरकार का दबाव है। स्थानीय बंदरगाहों पर ध्यान केंद्रित करने और वैश्विक व्यापार के लिए उनकी क्षमता का उपयोग करने के अलावा, जिससे भारत को भारी आर्थिक लाभ हुआ है, सरकार ने भारत की समुद्री जागरूकता और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर इसके नियंत्रण को भी बढ़ाया है। बंदरगाहों की छमता के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन अत्याधुनिक और प्रमुख प्लेटफार्म का एक ही दिन नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाना मजबूत तथा आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण तथा नौसेना को 21 वीं सदी के अनुरूप सशक्त बनाने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है। मोदी ने बुधवार को यहां नौसेना डॉकयार्ड में तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों - आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर को नौसेना के बेड़े में शामिल किये जाने के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि 21 वीं सदी की नौसेना को सशक्त बनाने की तरफ हम एक बड़ा कदम उठा रहे हैं और आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है। नरेन्द्र मोदी के अनुसार यह पहली बार हो रहा है जब एक डिस्ट्रायर, एक फ्रिगेट और एक सबमरीन को एक साथ कमीशन किया जा रहा है और सबसे गर्व की बात है कि ये तीनों ही प्रमुख प्लेटफार्म मेड इन इंडिया हैं। आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है। उनके कहे के अनुसार आज भारत पूरे विश्व और विशेषकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है। भारत ने हमेशा खुले, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिन्द प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया है। भारत पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में पहले मदद का हाथ बढ़ाने वाले देश के रूप में उभरा है। जल हो, थल हो , नभ हो या गहरा समुद्र या असीम अंतरिक्ष हर जगह भारत अपने हितों को सुरक्षित कर रहा है। गौरतलब है कि भारत की तटरेखा 7,517 किलोमीटर है। देश के विशाल तट पर 13 प्रमुख और 212 छोटे बंदरगाह हैं। पूर्वी तट पर प्रमुख बंदरगाह हल्दिया, पारादीप, विशाखापत्तनम, कामराज, चेन्नई, तूतीकोरिन और पोर्ट ब्लेयर हैं। पश्चिमी तट पर कोचीन, न्यू मैंगलोर, मुरमुगाओ। जवाहरलाल नेहरू, कांडला और मुंबई बंदरगाह हैं। भारतीय बंदरगाह सदियों से अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं और वैश्विक व्यापार के माध्यम से विदेशी व्यापार और बंदरगाहों का विकास जारी है। वर्तमान में, भारत का 95 प्रतिशत व्यापार महाद्वीपों के माध्यम से और 70 प्रतिशत व्यापार बंदरगाहों के माध्यम से होता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार होने के नाते, भारतीय बंदरगाहों ने तटीय राज्यों को देश में औद्योगिक विकास के लिए पसंदीदा गंतव्य बना दिया है। बंदरगाहों से सटे क्षेत्र औद्योगिक विकास को चलाने वाले प्रमुख कारकों में से एक है। भारत रणनीतिक रूप से अपने बंदरगाहों को समुद्री व्यापार का केंद्र बिंदु बनाने के लिए आगे बढ़ रहा है। निजी बंदरगाहों को प्रोत्साहित किया गया है। भारत कार्गो और जहाजों को संभालने में दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से अपने बंदरगाहों का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है। अरब सागर तट पर स्थित, महाराष्ट्र भारत में बंदरगाह व्यापार के लिए एक प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र में लगभग 48 छोटे बंदरगाह और दो प्रमुख बंदरगाह, मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह हैं। बंदरगाह समुद्री क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और राज्य के व्यापार और उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महाराष्ट्र के बड़े और छोटे बंदरगाह राज्य के लिए महत्वपूर्ण हैं और देश के समग्र कल्याण और व्यापार को बढ़ावा देते हैं। बंदरगाहों को जहाज के क्षेत्र, गहराई, कार्य और आकार की श्रेणी के अनुसार विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है। अंतर्देशीय बंदरगाह, मछली पकड़ने के बंदरगाह, गर्म पानी के बंदरगाह, शुष्क बंदरगाह और समुद्री बंदरगाह उनकी भौगोलिक विशेषताओं और संचालन की प्रकृति के अनुसार सबसे आम प्रकार के बंदरगाह हैं। बंदरगाह समुद्री और भूमि परिवहन के बीच वितरण श्रृंखला में महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। मुंबई शहर में स्थित बंदरगाह रेल और सड़क मार्ग से देश के अन्य हिस्सों से जुड़े हुए हैं। इन बंदरगाहों का उपयोग देश के अधिकांश माल ढुलाई, खरीद और ट्रांस-शिपमेंट के लिए किया जाता है। मुंबई के बंदरगाहों से व्यापार सालों पहले शुरू हुआ था। मुंबई के पूर्वी तट पर विभिन्न झटके कपास आयात और निर्यात के प्रमुख केंद्र थे। इसी से स्वतंत्रता पूर्व काल में बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट की स्थापना हुई थी। बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट, जिसे अब मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के रूप में जाना जाता है, के मुंबई के पूर्वी तट पर कुल 63 जहाज स्थापना बेस और सात झटके हैं। ये सभी सात झटके सालाना लगभग 70 मिलियन टन कार्गो संभालते हैं। जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) को न्हावाशेवा में शुरू किया गया था। बंदरगाह को अब जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) के रूप में जाना जाता है। बंदरगाह का धीरे-धीरे विस्तार किया गया। आज, इसमें चार बड़े कंटेनर डिपो, तीन बड़े जेट्टी हैं जो भारी जहाजों को समायोजित कर सकते हैं और 100 से अधिक जहाजों को समायोजित करने के लिए एक आधार है। इसमें एक विशेष आर्थिक क्षेत्र भी शामिल है। यह JNPA को देश में कार्गो हैंडलिंग में अग्रणी बनाता है। बंदरगाह विभिन्न भारतीय बंदरगाहों के बीच कंटेनर यातायात का 55 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा, दहानू महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड के तहत संचालित छोटे बंदरगाहों में से एक है। तारापुर, धर्मतार, उल्वा-बेलापुर, ट्रॉम्बे, रेवदांडा, दिघी, दाभोल, बनकोट, केल्शी, रत्नागिरी, विजगड, जयगढ़ कुछ बंदरगाह हैं। पालघर जिले के दहानू तालुका में 76,200 करोड़ रुपये की कुल लागत से बधावन बंदरगाह बन रहा है। इस बंदरगाह के लिए, 'न्यू पालघर' स्टेशन अब वनगांव के पास आएगा।

बजट से राहत की उम्मीद

बढ़ती महंगाई ने आम जनता को निचोड कर रख दिया है। जाहिर है इससे मिडल क्लास में जबर्दस्त नाराजगी है, मिडिल क्लास जहां महंगाई से त्रस्त है वहीं टैक्स के बोझ से भी परेशान है। इसलिए इस तबके को खुश करने के लिए बीजेपी की अगुआई वाली सरकार भी प्रयास में जुट गई है। आगामी बजट के जरिए वह इस वर्ग को कई रियायते देने पर विचार कर रही है तो वहीं विपक्ष इस मौके पर राजनीति करने से बाज नहीं आ रहा है। बहरहाल, आगामी बजट से इनकम टैक्स में राहत की उम्मीद की जाने लगी है। पेश होने जा रहा आम बजट नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली एनडीए सरकार के तीसरे टर्म का पहला बजट होगा। बजट ऐसे समय में पेश हो रहा है, जब मध्य वर्ग केंद्र सरकार से राहत की मांग कर रहा है। कुछ सालों में आर्थिक स्तर पर इस तबके को कई चुनौतियों ने घेर रखा है। देखा जाए तो यही वह तबका है जो बीजेपी का प्रतिबद्ध वोटर रहा है। बहुत दिनों बाद इस वर्ग ने नाराजगी सार्वजनिक मंचों से जताना शुरू किया है। ऐसे में सरकार को भी इनकी मांगों को अनदेखा करना आसान नहीं होगा। इन दिनों सोशल मीडिया पर सबसे अधिक चर्चा टैक्स को लेकर हो रही है। मध्य वर्ग ने कहना शुरू कर दिया है कि सरकार उसके हितों की अनदेखी कर रही है। इस वर्ग का कहना है कि सरकार समर्थन तो ले लेती है, लेकिन बदले में जब कुछ देने की बात होती है तो उन्हें इग्नोर कर दिया जाता है। कोविड के दौर में इसी तबके ने हालात को पटरी पर लाने का मौका दिया। अब जब हालात सामान्य हो गए हैं, तो इसने फिर अपनी मांगों को लेकर आवाज उठानी शुरू कर दी है। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने फैसला किया कि जीएसटी कलेक्शन का हर महीने का डेटा जारी नहीं किया जाएगा। यह भी तय किया गया कि बाकी टैक्स कलेक्शन से जुड़े डेटा को बड़े पैमाने पर प्रचारित नहीं किया जाएगा। इस कदम के पीछे सरकार को सूचना मिली कि हर महीने बढ़ते टैक्स का गलत संदेश जा रहा था और लोगों को लग रहा था कि सरकार सिर्फ टैक्स वसूल रही है। पिछले कुछ सालों से चाहे जीएसटी टैक्स कलेक्शन का मामला हो, या इनकम टैक्स कलेक्शन का, इसमें वृद्धि को सरकार ने अपनी बड़ी सफलता के रूप में पेश किया। लेकिन अब वह इससे परहेज करने लगी है। खासकर मध्य वर्ग में इस बात को लेकर नाराजगी है कि सरकार टैक्स कलेक्शन पर पूरा फोकस करती है, लेकिन उन्हें इसका कोई लाभ नहीं मिलता है। बढ़ती महंगाई ने हालात को और कठिन बना दिया है। हाल के समय में आई तमाम रिपोर्टों ने इस बात का संकेत दिया है कि मध्य वर्ग की खर्च करने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है। वजह महंगाई के मुकाबले कमाई बिल्कुल नहीं बढ़ी है। इस तबके के लोग अब यूपीए समय के टैक्स से तुलना करने लगे हैं। इसलिए इस बार के बजट में इनकम टैक्स में बड़ी राहत देने की उम्मीद लगाई जा रही है। संख्या के स्तर पर भले ही मिडिल क्लास देश की सबसे बड़ी आबादी न हो, लेकिन नैरेटिव गढ़ने की ताकत सबसे अधिक इसी तबके के पास है। पूरे देश में लोकसभा की ऐसी लगभग 350 सीटें हैं, जहां मध्य वर्गीय आबादी फैसले को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। नरेंद्र मोदी की अगुआई में बीजेपी इस मिथक को तोडने में सफल रही है कि वह शहरी पार्टी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पार्टी का तेजी से विस्तार हुआ है। इसका लाभ भी ग्रामीण आबादी को मिला है। किसान सम्मान निधि और मुफ्त राशन ने गरीबों के बीच सरकार और बीजेपी की साख मजबूत की। साथ ही बीजेपी को मिडिल क्लास का भी सपोर्ट मिलता रहा है। ऐसे में इसकी अपेक्षाओं को नजरअंदाज करने का जोखिम सरकार के लिए आने वाले दिनों में मुश्किल खड़ी कर सकता है। यूपीए- 2 के समय अन्ना आंदोलन या निर्भया आंदोलन सरकार के पतन का बड़ा कारण बना था। दोनों आंदोलनों की अगुआई मिडिल क्लास ने ही की थी। सरकार के सामने जो आर्थिक हालात हैं, वहां राहत की गुंजाइश नहीं दिखती है। इकॉनामी कहीं न कहीं स्लोडाउन की शिकार है। सरकार के पास कमाई के सीमित साधन हैं। तमाम तरह की कल्याणकारी योजनाओं को रोकने का साहस नहीं किया जा सकता।

भारत अंतिरक्ष में सैटेलाइट जोड़ने वाला विश्व का चौथा देश

रामस्वरूप रावतसरे

भारत ने वर्ष 2025 की शुरुआत के साथ ही अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो ने अंतरिक्ष में ही स्पेडेक्स मिशन के दो सैटेलाइट मॉड्यूल आपस में जोड़ लिए हैं। इस मिशन में 'डॉकिंग' की प्रक्रिया पूरी हो गई है। यह क्षमता हासिल करने वाला भारत विश्व का चौथा देश बन गया है। इस मिशन के लिए 30 दिसम्बर, 2024 को सैटेलाइट छोड़े गए थे और बाद में धीमे-धीमे इन सैटेलाइट को पास में लाकर जोड़ दिया गया। इसरो अब इसी मिशन के बाकी लक्ष्य पूरा करने के लिए कदम बढ़ाएगा। इसरो ने 16 जनवरी, 2025) को यह जानकारी देते हुए अपने ट्विटर पर लिखा, "स्पेस क्राफ्ट डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई। यह एक ऐतिहासिक क्षण था। पहले 15 मीटर से 3 मीटर होल्ड पॉइंट तक पास लाया गया। डॉकिंग की शुरुआत सटीकता के साथ हुई, इसके बाद अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक कैप्चर किया गया. डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई। भारत अंतरिक्ष डॉकिंग को सफल बनाने वाला चौथा देश बन गया। पूरी टीम को बधाई! भारत को बधाई!'इसरो की इस सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बधाई दी है। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, "सैटेलाइट की अंतरिक्ष डॉकिंग में सफलता के लिए सफल प्रदर्शन के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और पूरे समुदाय को बधाई। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।"इस मिशन की सफलता भारत को अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन बनाने, अपने अंतरिक्ष यात्री को भेजने और बाकी स्पेस मिशन पूरे करने में मदद करेगी। इसरो ने जो प्रक्रिया पूरी की है उसे डॉकिंग कहा जाता है। डॉकिंग से पहले दोनों सैटेलाइट मॉड्यूल अलग थे। इसरो द्वारा लॉन्च किए गए मिशन में से एसडीएक्स-01 चेसर सैटेलाइट है जबकि एसडीएक्स -02 टार्गेट सैटेलाइट है। इसका मतलब है कि एसडीएक्स -01 कक्षा में स्थापित किए जाने के बाद एसडीएक्स - 02 की तरफ बढ़ा और अंत में दोनों जुड़ गए। पीएसएलवी सी - 60 रॉकेट ने इन्हें आपस में लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर छोड़ा था। इसके बाद इन्हें जोड़ने की प्रक्रिया चालू की गई। दोनों सैटेलाइट को जोड़ने की प्रक्रिया यानि डॉकिंग 7 जनवरी, 2025 को चालू की गई। इसके लिए सबसे पहले दोनों को 20 किलोमीटर की दूरी पर रोका गया था। इसके बाद टार्गेट सैटेलाइट एसडीएक्स-01 को स्टार्ट किया गया। 10 जनवरी, 2025 को यह दोनों 1.5 किलोमीटर पास लाए गए। 11 जनवरी को 225 मीटर पर लाए गए। 12 जनवरी को यह 100 मीटर पर आए। इस बाद इसरो ने इन्हें 15 मीटर और फिर 3 मीटर करीब लाया। दोनों को फिर वापस 15 मीटर पर ले जाया गया। इसके बाद 16 जनवरी, 2025 की सुबह दोनों मॉड्यूल आपस में जोड़ दिए गए। अब इन पर आगे और भी प्रयोग भी किए जाएँगे। अब सारे प्रयोग पूरे होने के बाद दोनों सैटेलाइट को अनडॉक यानी एक-दूसरे से अलग भी किया जाएगा।

राहुल की हताशा-निराशा कांग्रेस को डुबो रही है

राजेश कुमार पासी

राहुल गांधी जब बोलते हैं तो लगता है कि बहुत विचार करने के बाद गंभीरता से बोल रहे हैं लेकिन उनके बयान कांग्रेस को ही नुकसान पहुंचाते हैं। आजकल बोलते समय उनके चेहरे से उनकी हताशा-निराशा की झलक देखने को मिल रही है क्योंकि उनके चेहरे पर बेवजह का गुस्सा नजर आता है। अकसर देखा गया है कि उनके बयान कांग्रेस को ही भारी पड़ते हैं लेकिन कांग्रेसी उनके बयान का विरोध नहीं कर पाते। वास्तव में कांग्रेस के नेताओं के लिए समस्या यह है कि राहुल गांधी जो बोलते हैं वो पार्टी की सोच और विचारधारा मानी जाती है । यही कारण है कि कांग्रेस के नेता राहुल के बयानों को दूसरा रूप देने की कोशिश करते हैं और उनके शब्दों की नई-नई परिभाषा निकालते हैं । 15 जनवरी को कांग्रेस को नया मुख्यालय मिला है और उसके उद्घाटन पर राहुल गांधी बयान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और संघ से नहीं है बल्कि उनकी लड़ाई भारतीय स्टेट से है । उन्होंने यह बयान बहुत गंभीरता से दिया है इसलिये इसे भूलवश मुंह से निकली हुई बात नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा धीरे-धीरे पूरी व्यवस्था पर कब्जा कर रही है इसलिए उनकी लड़ाई भारतीय स्टेट से है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले कई बार वो विदेशी धरती पर इससे मिलता-जुलता बयान दे चुके हैं। उन्होंने कई बार कहा है कि भारत में हालात बहुत खराब हैं । उन्होंने कहा था कि भाजपा ने पूरे देश में केरोसिन डाला हुआ है. एक छोटी सी चिंगारी से आग भड़क सकती है। वास्तव में जब आदमी निराश हो जाता है तो वो नकारात्मकता से भर जाता है और उसे सब तरफ सिवाये बर्बादी के कुछ नजर नहीं आता । उसे लगता है कि अब कुछ अच्छा होने वाला नहीं है क्योंकि उसके साथ कुछ अच्छा नहीं हो रहा होता है। राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे बुरे दौर के नेता हैं लेकिन इस दौर को लाने के लिए वो पूरी तरह जिम्मेदार नहीं हैं। यूपीए सरकार के कारनामों के कारण 2014 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस सिर्फ 44 सीटों तक सीमित हो गई थी। इसकी सबसे बड़ी वजह कांग्रेस के सहयोगी दलों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार था जिस पर गठबंधन सरकार होने के कारण सरकार काबू नहीं कर पाई थी । दूसरी बदकिस्मती राहुल गांधी की यह रही कि उनका सामना राजनीति के दो धुरंधर खिलाड़ी मोदी-शाह की जोड़ी से हो रहा है । मोदी जी का कुशल नेतृत्व और शाह का राजनीतिक प्रबंधन कांग्रेस को बहुत भारी पड़ रहा है। कांग्रेस की कमजोरी के लिए सिर्फ कांग्रेस का नेतृत्व ही जिम्मेदार नहीं है बल्कि भाजपा के वर्तमान नेतृत्व का रणनीतिक कौशल भी है। भारतीय राजनीति के इतिहास में कांग्रेस को ऐसी चुनौती का सामना कभी नहीं करना पड़ा है। भारतीय जनता में राजनीतिक जागरूकता बढ़ती जा रही है जिसके कारण उसकी उम्मीदों पर खरा उतरना राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए बहुत मुश्किल होता जा रहा है। राहुल गांधी की समस्या सिर्फ भाजपा नहीं है बल्कि दूसरे विपक्षी दल भी उनके लिए बड़ी समस्या बन गए हैं। कहने को तो गठबंधन के सहयोगी दल कांग्रेस के साथ हैं लेकिन वो सिर्फ भाजपा के खिलाफ कांग्रेस के साथ खड़े हैं। वास्तव में विपक्षी दल कांग्रेस के उतने ही बड़े विरोधी हैं जितने वो भाजपा के हैं बल्कि कहना चाहिए कि वो भाजपा से ज्यादा कांग्रेस के विरोधी हैं। विपक्षी दल चाहते हैं कि कांग्रेस अपने प्रभाव क्षेत्र में उन्हें जगह बनाने का मौका दे लेकिन वो उनके प्रभाव क्षेत्र से दूर रहे । राहुल गांधी के सामने ऐसी समस्या है जिसका सामना कांग्रेस को पहली बार करना पड़ रहा है। उन्हें यह फैसला करना है कि वो पहले भाजपा से लड़े या अपने ही सहयोगी दलों से लड़े । ऐसा लगता है कि राहुल गांधी ने यह फैसला कर लिया है कि उन्हें विपक्षी दलों से अपना वोटबैंक वापिस पाना है । 2024 के लोकसभा चुनाव से कांग्रेस को यह संकेत मिला है कि उसका मुस्लिम और दलित वोट बैंक उसके पास वापिस लौट रहा है । कांग्रेस मुस्लिम वोटबैंक पाने के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण से आगे बढ़कर हिन्दू विरोध की राजनीति की ओर चल पड़ी है। वास्तव में मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर पूरा विपक्ष चल रहा है इसलिये सिर्फ इस नीति पर चलकर मुस्लिमों को कांग्रेस से जोड़ना आसान नहीं लग रहा है । राहुल गांधी को लगता है कि वो अगर हिन्दू विरोध की राजनीति करेंगे तो मुस्लिम उनके साथ जुड़ सकते हैं। राहुल गांधी को लगता है कि मुस्लिमों को लुभाने के लिए देश का विरोध भी किया जाए तो बेहतर परिणाम हासिल हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी लड़ाई इंडियन स्टेट के साथ है । कांग्रेस समर्थक इस बयान का बचाव यह कहकर कर रहे हैं कि इंडियन स्टेट से उनका मतलब भारत सरकार है और भारत सरकार का मतलब मोदी सरकार है। राजनीति शास्त्र के अनुसार लोकतंत्र में स्टेट का मतलब सिर्फ सरकार नहीं होता है बल्कि पूरी सरकारी व्यवस्था होती है। इस सरकारी व्यवस्था में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका शामिल हैं। इंडियन स्टेट में भारत का संविधान भी शामिल है जिसे राहुल गांधी खतरे में बताते हैं। उन्हें बताना चाहिए कि क्या वो खुद ही संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस देश की पूरी व्यवस्था संविधान के अनुसार ही चल रही है, जो व्यक्ति व्यवस्था से लड़ने का दावा करता है, इसका मतलब है कि वो संविधान को खत्म करना चाहता है। माओवादी, नक्सलवादी, आतंकवादी और अलगाववादी इंडियन स्टेट से लड़ने का दावा करते हैं और वो लोग संविधान को नहीं मानते हैं। अपने बयान से राहुल गांधी उनके साथ खड़े हो गए हैं। इंडियन स्टेट में भारतीय सेना, पुलिस और पूरी नौकरशाही आती है जिसमें हमारे देश के युवा काम कर रहे हैं। इंडियन स्टेट में सारे राज्य और उनकी पूरी व्यवस्था आती है, जिसमें कांग्रेस और विपक्षी दलों की सरकारें भी शामिल हैं। कांग्रेस के नेता और समर्थक इतनी सी बात नहीं समझ रहे हैं कि राहुल गांधी देश विरोधी बनते जा रहे हैं। मुस्लिमों को कांग्रेस के साथ लाने के चक्कर में राहुल गांधी धर्म विरोधी होने के बाद देश विरोधी बनते जा रहे हैं। राहुल गांधी सोचते हैं कि भाजपा सत्ता में होने के कारण पूरी व्यवस्था पर काबिज होती जा रही है तो व्यवस्था को ही खत्म कर दिया जाए । वो भूल गए हैं कि कांग्रेस ने 55 साल देश पर राज किया है और पूरी व्यवस्था उसके कब्जे में थी, इसके बावजूद भाजपा से उसे सत्ता से हटाने में कामयाब रही । इस देश की जनता संवैधानिक तरीके से अपने हक हासिल करती है और व्यवस्था से भी लड़ती है लेकिन व्यवस्था परिवर्तन की बात नहीं करती है।

महाकुम्भ : दक्षिण एशिया में भारतीय सॉफ्ट पावर का प्रतीक

गजेंद्र सिंह

दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक सभा, महाकुंभ मेला, 13 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में शुरू हो गया है। कुंभ मेला दक्षिण एशिया में भारतीय सॉफ्ट पावर का अद्वितीय उदाहरण है। यह विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक सभा होने के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और आर्थिक शक्ति का प्रतीक है। कुंभ मेला भारत की सॉफ्ट पावर को दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच प्रभावी रूप से बढ़ाने का माध्यम बनता है जहां धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूती मिलती है। 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाले इस महाकुंभ में 45 करोड़ (450 मिलियन) लोगों के भाग लेने की उम्मीद है जो 41 देशों की संयुक्त जनसंख्या से अधिक है।

कुंभ मेला भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवंत करता है। यह आयोजन केवल भारतीय नागरिकों तक सीमित नहीं है बल्कि दक्षिण एशिया के अन्य देशों जैसे नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश और भूटान से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को भी आकर्षित करता है। इसके माध्यम से भारतीय सभ्यता की गहराई और सार्वभौमिकता प्रदर्शित होती है। इसके अतिरिक्त यह साझा धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित एकता को मजबूत करता है जिससे क्षेत्रीय सौहार्द और सहयोग को बढ़ावा मिलता है।

यह भव्य आयोजन 4,000 हेक्टेयर में फैला हुआ है और इसकी प्राचीन परंपराएं 1,400 साल पहले सम्राट हर्षवर्धन (590-647 ईस्वी) के युग तक जाती हैं। सम्राट हर्षवर्धन द्वारा कुंभ के दौरान संपत्ति, गहने और कपड़े दान करने की पौराणिक उदारता ने निस्वार्थता की एक अनूठी मिसाल पेश की जो आज भी इस त्योहार का सार है।

कुंभ मेला भारत के आर्थिक परिदृश्य में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसका विशाल पैमाने पर आयोजन स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान करता है। अनुमानित 10 अरब डॉलर (90,000 करोड़ रुपये) का आर्थिक प्रभाव भारत की आर्थिक जीवंतता और संगठनात्मक क्षमता को दर्शाता है। यमुना नदी के पास विकसित आधुनिक 'डोम सिटी' प्रति दिन $1,200 (लगभग 1 लाख) में विलासिता आवास प्रदान करती है। आयोजन में पानी के नीचे ड्रोन और जल निगरानी के लिए सोनार प्रणाली जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया गया है। सुरक्षा के लिए 40,000 पुलिस कर्मी, 3,800 जल पुलिस अधिकारी, 56 पुलिस स्टेशन और 144 चौकियां तैनात की गई हैं जिन्हें एआई-सक्षम निगरानी कैमरों द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं में 100 बिस्तरों वाला ऑन-साइट अस्पताल और 5 लाख लोगों के लिए मुफ्त नेत्र परीक्षण की सुविधा, जिसमें चश्मे भी शामिल हैं, प्रदान की जाएगी। तीर्थयात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए परिवहन नेटवर्क में 13,000 विशेष ट्रेनें और रंगीन रेलवे स्टेशन तैयार किए गए हैं। यह आयोजन धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक ऐतिहासिक अवसर प्रदान करेगा।

वैश्विक दक्षिण के साथ भारत का बढ़ता आर्थिक जुड़ाव इसे पड़ोसी देशों, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों में मजबूत साझेदार बनाता है, जिससे यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति का अभिन्न अंग बन गया है। यह आर्थिक विविधीकरण भारत को बाहरी झटकों के खिलाफ लचीलापन प्रदान करता है और समावेशी व टिकाऊ आर्थिक नीतियों को बढ़ावा देता है। भारत का आर्थिक प्रक्षेपवक्र और अन्य देशों के साथ का अंतर स्पष्ट है। जहां पड़ोसी देश अपने 7 बिलियन डॉलर के ऋण को पूरा करने के लिए आईएमएफ से सहायता मांग रहे हैं, भारत कुंभ मेला जैसे बड़े और जटिल आयोजनों का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रहा है। कई देश उच्च ऋण, मुद्रास्फीति और नौकरी की असुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं, वहीं भारत ने बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है।

कुंभ मेला भारत को दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक नेतृत्व के रूप में स्थापित करता है। यह आयोजन भारत की धर्मनिरपेक्षता और विविधता में एकता की अवधारणा को बल देता है। साथ ही, यह दक्षिण एशियाई देशों के साथ सांस्कृतिक राजनयिक संबंधों को मजबूत करता है। धार्मिक पर्यटन के माध्यम से भारत इन देशों के साथ आर्थिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक पुल बनाता है। कुंभ मेला भारत की सॉफ्ट पावर का एक प्रतीकात्मक आयोजन है, जो सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक क्षमता का बेहतरीन संगम प्रस्तुत करता है। यह न केवल दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के साथ संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत के नेतृत्व और प्रभाव को भी रेखांकित करता है।

नेताजी की शोक सभा के खटके

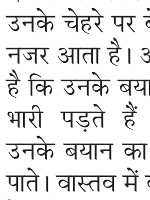

रामविलास जांगिड़

आजकल शोक सभा किसे प्यारी नहीं होती है? हर कोई बंदा शोक सभा को बहुत प्रभावी और आकर्षक बनाना चाहता है। आइए देखते हैं नेताजी की शोक सभा के खटके- शोक सभा का न्योता एक शानदार गिल्ट-एज वाले कार्ड पर भेजा। जिसमें लिखा- आपकी अनुपस्थिति से स्वर्गीय को दुख होगा। कृपया समय पर पधारें। डिजिटल जमाने में व्हाट्सएप ग्रुप और ईमेल का उपयोग किया। कार्ड में क्यूआर कोड के साथ लाइव स्ट्रीमिंग लिंक भी दी, इससे दूर बैठे रिश्तेदार भी इस 'महान' आयोजन का हिस्सा बने। इवेंट मैनेजर को हायर किया गया। शोक सभा की थीम, रंगों का संयोजन, फूलों की सजावट और हर व्यक्ति के बैठने की व्यवस्था तक, सब कुछ इस मैनेजर ने सजाया। मंदार, गुलाब और ऑर्किड के फूलों की ऐसी सजावट की गई कि देखने वाले के मुंह से वाह-वाह का फव्वारा फूट पड़ा। फूलों की पंखुड़ियां लाल कालीन की तरह बिछाई, इससे प्रवेश करते वक्त शोक कर्ताओं को अपनी प्रेमिकाएं ही याद आने लगी। शोक सभा में शामिल होने वालों के लिए चारों दिशाओं में एक खास चाय कॉफी के स्टॉल लगाए। कॉर्नर पर कॉफी के साथ-साथ हर्बल चाय और ग्रीन टी का विकल्प भी रखा। समोसे, बर्गर, पेटीज, पिज्जा, मोमोज और मसाला डोसा शामिल रहे। इन पर स्वर्गीय के पसंदीदा टैग भी लगाए। हर व्यक्ति को मिनरल वाटर की बोतल दी गई, जिस पर स्वर्गीय का नाम और फोटो प्रिंट था। 'यादों का अमृत' टैगलाइन से इसे प्रमोट किया जा गया। शोक सभा में धीमा और मार्मिक संगीत बजाया गया। मांग के आधार पर कुछ नए फिल्मी गाने बजाए गए। दो प्रशिक्षित महिला शोक प्रस्ताव रीडर की सेवाएं ली गई, जो पूरे विश्वास के साथ स्वर्गीय के गुणगान करने में मस्त रही। स्वर्गीय के जीवन को दर्शाने वाले स्लाइड शो और वीडियो क्लिप्स दिखाने के लिए चार बड़े डिजिटल प्रोजेक्टर लगाए गए। तीन फोटो बूथ के साथ-साथ पांच सेल्फी प्वाइंट भी लिए बनाए। यहां लोग स्वर्गीय की तस्वीर के साथ सेल्फी लेते रहे। कैप्शन में लिखा- आप हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे। शोक सभा में उपस्थित लोगों के लिए एक निश्चित ड्रेस कोड रखा गया। ड्रेसें यहीं से उपलब्ध कराई गई। जो लोग किसी कारणवश शोक सभा में नहीं आ सके, उनके लिए लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था की गई। हर आगंतुक को स्वर्गीय की याद में एक बड़ा सा स्मृति चिन्ह दिया गया। शोक सभा समाप्त होने पर लोगों को एक फीडबैक फॉर्म दिया गया, जिसमें उन्होंने शानदार शोक सभा के संबंध में अपनी राय प्रकट की। शोक सभा की तस्वीरें और रीलें सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई, ताकि स्मृति सम्मान ट्रेंड में आ सके। दो वॉल ऑफ मेमोरीज़ बनाई गई, जहां लोग स्वर्गीय के बारे में अपने अनुभव और भावनाएं लिखते रहे। सभा के अंत में मोबाइल की लाइट जलाकर स्वर्गीय को श्रद्धांजलि देते हुए सभी को उनके नाम के मोबाइल बांटे गए। आखिर में, एक खूबसूरत एंकर लड़की के द्वारा धन्यवाद नोट दिया गया।

महाभारत: क्यों इस ऋषि ने मछुआरे की बेटी से मिलन के लिए दिन में ही कर दी रात?

महाभारत में कई ऐसी कहानियां हैं, जिन्हें आज के समय में समझना या उसके पीछे के विज्ञान को समझना आसान नहीं है। ऐसी ही एक कथा है ऋषि पाराशर से जुड़ी, जो एक मछुआरे की बेटी की सुंदरता पर कुछ ऐसे मोहित हुए कि इससे मिलन करने के लिए उन्होंने दिन में ही रात कर दी। इतना ही नहीं, इस कन्या के सौंदर्य पर वह कुछ ऐसे मोहित हुए कि उससे संसर्ग करने के बाद उसे फिर से 'कुंवारी' होने का वरदान दे डाला। यही कथा 'महाभारत' के जन्म की भी कहानी है। आइए आपको बताते हैं इस कथा के बारे में।

मत्स्यगंधा के सौंदर्यवान चेहरे पर मोहित हुए ऋषि

तेजस्वी ऋषि पराशर तीर्थयात्रा पर निकले थे। घूमते हुए वे यमुना के पावन तट पर आए और एक मछुआरे से नदी के उस पार पहुंचाने के लिए कहा। वह मछुआरा उस समय खाना खा रहा था, तो उसने अपनी पुत्री मत्स्यगंधा से मुनि को नदी पार कराने को कहा। मत्स्यगंधा मुनि को नौका से नदी पार कराने लगी। जैसे ही मुनि पराशर की नजर मत्स्यगंधा के सौंदर्यवान चेहरे पर पड़ी तो उनके मन में काम जाग उठा और उन्होंने अपनी कामना मत्स्यगंधा के सामने रखी। मत्सगंधा ने सोचा, 'मैंने मुनि की इच्छा के विरुद्ध कुछ कार्य किया तो ये मुझे शाप दे सकते हैं।' इसलिए उसने चतुराई से कहा– हे मुनि! मेरे शरीर से तो मछली की दुर्गन्ध निकला करती है। मुझे देखकर आपके मन में यह काम-भाव कैसे उत्पन्न हो गया?" मुनि चुप रहे, तब मत्स्यगंधा ने कहा, 'मुनिवर! मैं दुर्गन्धा हूं। दोनों समान रूप वाले हों, तभी संयोग होने पर सुख मिलता है।'

'अभी दिन है' सुनते ही यमुना तट पर हुई रात

पराशर ऋषि ने अपने तपोबल से मत्स्यगंधा को कस्तूरी की सुगंधवाली बना दिया और उसका नाम सत्यवती रख दिया। ऐसे में सत्यवती ने उन्हें याद दलिाया कि 'अभी दिन है' तो उनका मिलन संभव नहीं है। पर तभी पाराशर मुनि ने अपने पुण्य के प्रभाव से कोहरा उत्पन्न कर दिया, जिससे तट पर अंधेरा छा गया। लगा मानो दिन में ही रात हो गई है। लेकिन सत्यवती एक कन्या था और वो जानती थी कि ये सही नहीं है। उसने कोमल वाणी में प्रार्थना की–"प्रियवर! मैं कुंवारी कन्या हूं। यदि आपके सम्पर्क से मां बन गई तो मेरा जीवन नष्ट हो जाएगा।' ये सुनते ही पराशर मुनि ने कहा, 'प्रिय! मेरा यह कार्य करने पर भी तुम कन्या ही बनी रहोगी। तुम्हारा कोमार्य भंग नहीं होगा।' सत्यवती के साथ अपनी इच्छा पूरी कर पाराशर ऋषि चले गए।

महर्षी वेद व्यास और 'महाभारत' का जन्म

दूसरी तरफ सत्यवती ने यमुना में विकसित हुए एक छोटे-से द्वीप पर अपने पुत्र को जन्म दिया। ये जो बच्चा पैदा हुआ, यह जन्म से काला था इसलिए उसका नाम 'कृष्ण' रखा गया और द्वीप पर जन्म लेने के कारण उन्हें कृष्ण द्वैपायन कहा जाने लगा। सत्यवति और पाराशर ऋषि का यही प्रतापी पुत्र महर्षी वेद व्यास हैं। आगे चलकर कृष्ण द्वैपायन तपस्या में लग गए और द्वापर युग के अंतिम चरण में वेदों का सम्पादन करने में जुट गए। वेदों का विस्तार करने से उनका एक प्रसिद्ध नाम 'वेद व्यास' पड़ गया। महर्षि वेद व्यास ने ही एक महान महाकाव्य की रचना की, जो आगे चलकर 'महाभारत' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। वहीं दूसरी तरफ बेटे को द्वीप पर छोड़ने के बाद सत्यवती फिर से कन्याओं की तरह रहने लगी और इसी सत्यवती की सुगंध पर राजा शांतनु मोहित हो गए थे। सत्यवती और शांतनु के चले ही, राजा शांतनु के बड़े पुत्र भीष्म ने 'भीष्म प्रतिज्ञा' ली थी।

इन 5 राशियों को 2025 में करियर में मिलेगी ग्रोथ

साल 2025 की शुरूआत हो चुकी है। नया वर्ष इन 5 राशियों के करियर के लिए शानदार साबित हो सकता है। जानते हैं कौन-सी हैं वो लकी राशियां जिनको इस वर्ष मिलेगी करियर में ग्रोथ।

करियर राशिफल 2025

हर कोई अपने भविष्य के बारे में जनाना चाहता है। साल 2025 में किन राशियों का करियर में भाग्य चमक सकता है और ग्रोथ मिल सकती है। जानते हैं साल 2025 की करियर के लिहाज से लकी राशियां।

हर कोई अपने भविष्य के बारे में जनाना चाहता है। साल 2025 में किन राशियों का करियर में भाग्य चमक सकता है और ग्रोथ मिल सकती है। जानते हैं साल 2025 की करियर के लिहाज से लकी राशियां।

मेष राशि – मेष राशि वालों को साल 2025 में नए चैलेंज का समाना करना पड़ सकता है और इस राशि के लोग खुशी-खुशी नए साल में इन चुनौतियों का सामना करेंगे और आगे बढ़ेंगे। आपको मेहनत का फल जरुर मिलेगा। आप आगे बढ़ेंगे और सफलता की सीढ़ी चढ़ेंगे।

वृषभ राशि – वृषभ राशि वाले बहुत मेहनती लोग होते हैं। साल 2025 में आपका धैर्य और मेहनत रंग लाएगा। आपको जॉब में प्रमोशन मिल सकता है। साथ ही नई नौकरी भी आपको मिल सकती है। अपना फोकस अपने काम पर बनाएं रखें।

सिंह राशि – सिंह राशि वालों के लिए साल 2025 शानदार रहेगा। इस साल आप सूर्य की तरह अपनी चमक बिखेर सकते हैं। आपकी काबिलियत पर बॉस की नजर रहेगी। आपको जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती है। आपका कॉन्फिडेंस आपको आगे तक लेकर जाएगा।

कन्या राशि – कन्या राशि वाले नए साल 2025 में करियर में शानदार प्रदर्शन करेंगे। आपका टैलेंट आपको करियर में आगे लेकर जाएगा। आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। आप हर तरह की मुश्किल का सामना करने के लिए अपने आप को सक्षम समझेंगे।

मकर राशि – मकर राशि वालों के लिए साल 2025 बेहतरीन साबित होगा। इस वर्ष आप अपने करियर को लेकर सीरियस रहेंगे। आप अपने शानदार काम के जरिए अपने सपनों को पूरा करने में सफल हो सकते हैं।

चंद्रमा को पत्नी रोहिणी से प्यार करने की मिली थी सजा, ससुर ने दे दिया था कुरूप होने का श्राप

पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंद्रमा का विवाह प्रजापति दक्ष की 27 पुत्रियों के साथ हुआ था। चंद्रमा अपनी सुंदरता और तेज के लिए जाने जाते थे। लेकिन, उनका हृदय केवल रोहिणी के प्रति आसक्त था। वे अपना सारा समय रोहिणी के साथ बिताते थे और अपनी अन्य पत्नियों की उपेक्षा करते थे। यह देखकर दक्ष की अन्य पुत्रियां बहुत दुखी हुईं और उन्होंने अपने पिता से इसकी शिकायत की। प्रजापति दक्ष अपनी पुत्रियों का दुख देखकर क्रोधित हो गए।

प्रजापति ने चंद्रमा को दिया था श्राप

प्रजापति ने चंद्रमा को समझाने की कोशिश की, लेकिन चंद्रमा पर इसका कोई असर नहीं हुआ। आखिरकार, क्रोधित दक्ष ने चंद्रमा को श्राप दे दिया कि वे अपनी सारी सुंदरता और तेज खो देंगे और क्षय रोग से पीड़ित हो जाएंगे। श्राप के कारण चंद्रमा का तेज फीका पड़ गया और वे धीरे-धीरे क्षीण होने लगे।

चंद्रमा ने की थी भगवान शिव की तपस्या

चंद्रमा अपनी इस दशा से बहुत दुखी हुए। उन्होंने ब्रह्मा जी से प्रार्थना की, जिन्होंने उन्हें भगवान शिव की आराधना करने की सलाह दी। चंद्रमा ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें श्राप से मुक्त कर दिया, लेकिन आंशिक रूप से। भगवान शिव ने कहा कि चंद्रमा का तेज पूरी तरह से वापस नहीं आएगा, लेकिन वे कृष्ण पक्ष में घटेंगे और शुक्ल पक्ष में बढ़ेंगे। इस प्रकार, चंद्रमा की कलाएं घटने और बढ़ने लगीं।

कुछ कथाओं में यह भी वर्णन है कि चंद्रमा को श्राप इसलिए मिला था क्योंकि उन्होंने देवताओं के गुरु बृहस्पति की पत्नी तारा का अपहरण कर लिया था।

चंद्रमा को 'चंद्र', 'सोम', 'निशाचर', 'शशि' आदि नामों से भी जाना जाता है।

अघोरी और नागा साधु में क्या है अंतर?

उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन शुरु हो चुका है और यहां बड़ी संख्या में देश-विदेश हर जगह से श्रृद्धालु पहुंचे हुए हैं। आस्था के इस संगम में पवित्र स्नान व अमृत्तव का आनंद लेने के लिए आम जनता सहित साधु-संतों का भी जमावड़ा है। लेकिन महाकुंभ में जो आकर्षण का केंद्र है वह नागा साधु और अघोरी साधुओं पर बनी रहती है। क्योंकि इनकी जीवनशैली सबको आश्चर्य में कर देने वाली होती है, जिसके बारे में हर व्यक्ति जानना चाहता है और अघोरी साधु व नागा साधुओं के बीच क्या अंतर होता है, इसके बात के बारे में भी जानना चाहते हैं।

किसे पूजते हैं अघोरी और नागा साधु?

शिव की आराधना नागा साधुओं और अघोरी बाबाओं को अत्यंत कठिन परीक्षाओं का सामना करना पड़ता है। साधु बनने के लिए इन्हें लगभग 12 वर्षों की कठोर तपस्या करनी होती है। दोनों ही शिव को पूजते हैं, लेकिन दोनों के आराधना व तपस्या करने का तरीका बेहद अलग-अलग है।

नागा साधुओं के पूजा करने का तरीका: नागा साधु शिव के परम उपासक होते हैं और ये शैव परंपरा के अनुसार पूजा करते हैं। नागा साधु शिवलिंग पर बेलपत्र, भस्म, जल आदि चीजें चढ़ाते हैं। इनकी पूजा में अग्नि और भस्म का बहुत अधिक महत्व होता है। इसके अलावा नागा साधु भगवान शिव को ध्यान और योग के माध्यम से भक्ति में लीन होने की कोशिश करते हैं।

अघोरी साधुओं के पूजा करने का तरीका: अघोरी साधु का शिव की पूजा करने का तरीका बिलकुल अलग होता है। अघोरी साधु तीन प्रकार की साधना करते हैं, जिसमें शिव, शव और श्मशान साधना शामिल होती है। शव साधना में शिव को मांस, मदिरा का भोग लगाया जाता है और वहीं शिव साधना में शव पर एक पैर पर खड़े होकर साधना की जाती है। शमशान साधना में हवन करना शामिल होता है। अघोरी गुरु भगवान दत्तात्रेय माने जाते हैं। अघोरी साधु शिव को मोक्ष का रास्ता मानते हैं।

नागा साधुओं का जीवन:

नागा परंपरा का गुरु आदिशंकराचार्य को माना जाता है। नागा साधु हमेशा नग्न रहते हैं। इनका कार्य इंसानों और धर्म की रक्षा करना है। बता दें कि नागा साधु बनने की प्रक्रिया 12 सालों की होती है और इनमें से 6 सालों को बहुत अहम माना जाता है। नागा साधु बनने के लिए सबसे पहले ब्रह्मचर्य की शिक्षा दी जाती है, इसके बाद यज्ञोपवीत संस्कार किया जाता है और फिर उससे उसके परिवार और स्वयं का पिंडदान करवाया जाता है।

अघोरी साधुओं का जीवन

वैसे तो अघोरी साधु भी नागा साधु की तरह ही शिव की आराधना करते हैं। लेकिन अघोरी शिव के साथ-साथ मां काली की भी साधना करते हैं। ये लोग कपालिका परंपरा का पालन करते हैं। अघोरी मांस, मदिरा का सेवन और तंत्र-मंत्र करते हैं। अघोरियों के शरीर पर राख लिपटी रहती है और साथ ही रुद्राक्ष की माला और नरमुंड इनके पहनावे का एक हिस्सा होता है। इन्हें सार्वजनिक रुप से महाकुंभ जैसे आयोजनों में ही देखा जा सकता है, क्योंकि ये अधिकतर एकांत में ही रहते हैं। खासतौर पर शमशाम में रहते हैं अघोरी।

क्या खाते हैं नागा साधु और अघोरी बाबा

नागा साधु दिन में सिर्फ एक समय भोजन करते हैं। वह भी भिक्षा मांगकर, इन्हें एक दिन में सिर्फ 7 घरों से भिक्षा मांगने का नियम है। यदि यहां से इन्हें भोजन नहीं मिला तो ये भूखे रहते हैं।

वहीं दूसरी तरफ अघोरी साधु मांस सेवन करते हैं। इतना ही नहीं, जानवरों का कच्चा मांस तक खाते हैं अघोरी। आमतौर अघोरी काले वस्त्र पहनते हैं या कई निर्वस्त्र भी रहते हैं।

सही समय पर मिली सही सलाह जरूर मानें

रामायण में श्रीराम पूरी वानर सेना के साथ लंका पहुंच गए थे। उस समय विभीषण ने रावण को सलाह दी थी कि वह सीता को सकुशल लौटा दे और राम से संधि कर ले। रावण अहंकारी था, उसने विभीषण की सलाह को नजरअंदाज कर दिया और विभीषण को अपमानित किया।

विभीषण ने रावण को सही समय पर सही सलाह दी थी, लेकिन रावण ने अहंकार के कारण विभीषण की सलाह नहीं मानी। इसका नतीजा ये हुआ कि रावण के पूरे वंश का ही नाश हो गया।

अगर सही समय पर हमें सही सलाह मिल रही है तो उस पर तुरंत अमल करना चाहिए, वर्ना बने-बनाए काम बिगड़ जाते हैं और जीवन में परेशानियां बढ़ जाती हैं।

1 दिन में करना है महाकुंभ का पुण्य प्राप्त तो यहां जानें, किस तरह मैनेज करें अपना दिन

प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत के बाद दिन ब दिन भक्तों की भीड़ में इजाफा देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार अब तक 7 करोड़ लोग संगम में स्नान कर चुके हैं। देश ही नहीं बल्कि विदेश से लोग महाकुम्भ में हिस्सा लेने आ रहे हैं। ऐसे में प्रयागराज का नजारा देखने में बहुत अद्भुत है। यूपी की सरकार ने भक्तों की सुविधा के लिए बहुत से पुख्ता इंतजाम किए हैं। दूर-दूर से लोग यहां लोग आ रहे हैं लेकिन इस बात को लेकर काफी कन्फ्यूजन है कि कम समय में किस तरह घूमा जाए।

सबसे पहले तो इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप किसी दूर जगह से आ रहे हैं तो कम से कम सामान ले कर आएं क्योंकि आगे जाकर वाहन की सुविधा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप ज्यादा सामान ले कर आ रहे हैं तो पूरा सामान लेकर लंबा चलना पड़ेगा। कोशिश करें रात को ही अपने शहर से निकल जाएं और सुबह-सुबह प्रयागराज पहुंचने के बाद सारा दिन मेले में घूमें और आपके शहर के लिए वापस चले जाएं

सुबह जल्दी उठें और स्नान करें

महाकुंभ में शामिल होने का पहला कदम है सुबह जल्दी उठना और पवित्र नदी में स्नान करना। यह समय बहुत ही पवित्र और महत्वपूर्ण होता है और इस दौरान तीर्थयात्री अपनी आत्मा को शुद्ध करने के लिए गंगा या अन्य पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं।

पवित्र घाटों की सैर करें

स्नान के बाद आप और आपके दोस्त पवित्र घाटों की सैर कर सकते हैं। महाकुंभ में हर घाट की अपनी एक विशेषता होती है। घाटों पर भक्तों की बड़ी भीड़, साधुओं और संतों की मौजूदगी और वहां की विशेष धार्मिक गतिविधियां आपको एक गहरी आध्यात्मिकता का अहसास कराती हैं। आप यहां साधु संतों से आशीर्वाद ले सकते हैं और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग भी ले सकते हैं। घाटों पर बैठकर आप महाकुंभ की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को महसूस कर सकते हैं।

साधु संतों की झांकी देखें

महाकुंभ में एक और आकर्षक पहलू होता है साधु संतों की झांकी। ये झांकियां महाकुंभ के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। हर संप्रदाय के साधु अपने-अपने तरीके से व्रत और अनुष्ठान करते हैं,और इनकी भव्यता और धार्मिक उल्लास को देखना एक अद्भुत अनुभव है। आप और आपके दोस्त इस दृश्य का हिस्सा बन सकते हैं, जिसे देखकर आपको भारतीय धर्म और संस्कृति के विविध पहलुओं का गहरा अनुभव होगा।

श्री कृष्ण का अनोखा मंदिर, जहां भक्त फर्श पर खाते हैं प्रसाद

दक्षिण भारत के कर्नाटका राज्य के उडुपी नगर में उडुपी श्री कृष्ण मंदिर स्थित है। यह एक प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थल और धार्मिक केंद्र है। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण को समर्पित है और इसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है। उडुपी श्री कृष्ण मंदिर का धार्मिक, ऐतिहासिक, और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से विशेष स्थान है और यह दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्रसिद्धि मुख्य रूप से इसकी अद्भुत वास्तुकला और समृद्ध इतिहास से है।

मंदिर का इतिहास

उडुपी श्री कृष्ण मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है। इसे 13वीं शताब्दी में द्रविड़ियन शैली में बनाया गया था। किंवदंती के अनुसार यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण की पूजा करने के लिए रचनात्मक रूप से प्रतिष्ठित किया गया था। इस मंदिर का निर्माण एक महान संत और धार्मिक गुरू श्री माधवाचार्य ने किया था। इस मंदिर को लेकर एक कहानी है कि श्री कृष्ण के एक भक्त को मंदिर में अंदर आने की मनाही थी। भक्त कनकदास इस बात से दुःखी हो गए और मंदिर में पीछे बैठ कर भगवान की तपस्या करने लगे। भक्ति के पूजा-पाठ को देख कर भगवान खुश हो गए और दर्शन देने के लिए मठ में स्थित मंदिर के पीछे एक छोटी सी खिड़की बना दी। आज भी भक्त इस खिड़की से भगवान के दर्शन करते हैं।

मंदिर का निर्माण और वास्तुकला

उडुपी श्री कृष्ण मंदिर का निर्माण कर्नाटकी शैली में किया गया है, जो दक्षिण भारतीय मंदिर वास्तुकला का एक विशिष्ट रूप है। मंदिर का मुख्य गर्भगृह काफी विशाल है और यहां भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति का आकार छोटा और मनोहक है। यह मूर्ति भगवान श्री कृष्ण के बालरूप को दर्शाती है, जिसमें भगवान की एक छोटी और आकर्षक छवि है। यह मूर्ति भक्तों के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाती है।

मंदिर के गर्भगृह के आसपास सुंदर और महीन शिल्पकारी के साथ संगमरमर और पत्थरों से बनी हुई दीवारें हैं। मंदिर के शिखर में एक चमकदार स्वर्णकुंडल है, जो मंदिर की भव्यता को और बढ़ाता है। मंदिर के आसपास की दीवारों पर हिन्दू धार्मिक चित्रकला और शिल्प का अद्भुत मिश्रण देखा जा सकता है।

भक्त फर्श पर खाते है खाना

इस मंदिर को लेकर एक मान्यता है कि भक्त फर्श पर खाना खाते हैं। ऐसा कोई व्यक्ति जब करता है जब उसकी मन्नत पूरी हो जाती है। भगवान के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए व्यक्ति ऐसा करता है।

यह प्रथा भक्त के ऊपर निर्भर करती है। इस प्रथा को लेकर यहां किसी भी भक्त को जबरदस्ती नहीं की जाती यह पूरी तरह स्वेच्छा से की जाने वाली प्रथा है।

बड़े पर्दे पर पहले भी 'सिकंदर' बन चुके हैं सलमान खान

बॉक्स ऑफिस पर चमका था किरदार या हो गया था फेल?

फिल्म इंडस्ट्री में चुनिंदा स्टार्स ऐसे हैं, जिनकी एंट्री पर सिनेमाघरों में सीटियां बजती हैं। उनमें से एक सलमान खान भी है। एक्शन से लेकर रोमांटिक सीन्स को बखूबी से निभाने के लिए सलमान जाने जाते हैं। इन दिनों अभिनेता की सिकंदर फिल्म की खूब चर्चा चल रही है। हाल ही में मेकर्स ने मूवी से उनका दमदार टीजर जारी किया, जिससे फैंस की एक्साइटमेंट दोगुना हो गई। हालांकि, आज बात उनकी एक ऐसी फिल्म की कर रहे हैं, जिसमें उनके किरदार का नाम अपकमिंग मूवी के सिकंदर से मेल खाता है। सलमान खान ने साल 1988 में आई फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' से बॉलीवुड में कदम रखा था। वहीं, 1989 की मूवी 'मैंने प्यार किया' में उनके साथ भाग्यश्री की जोड़ी को पसंद किया गया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी सिनेमा को एक के बाद एक बड़ी हिट फिल्में दी।

फैंस प्यार से उन्हें भाईजान के नाम से भी पुकारते हैं। सलमान की कई फिल्में ईद के मौके पर रिलीज हो चुकी है। इस साल ईद के मौके पर उनकी सिकंदर फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉलीवुड एक्टर सलमान के फैंस सिकंदर मूवी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अगर आप भाईजान की हर फिल्म को फॉलो करते हैं, तो आपको पता होगा कि वह इससे पहले भी पर्दे पर सिकंदर नाम के किरदार की भूमिका अदा कर चुके हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई थी और इसमें उनके अलावा फिल्मी दुनिया के कई पॉपुलर चेहरे देखने को मिले थे। फिल्म का नाम रेस 3 है।

बाहुबली के डायरेक्टर संग

काम करने हैदराबाद पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड में काम कर रही हैं, लेकिन अब वह भारतीय फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं। प्रियंका काफी सालों से किसी भी बॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आई हैं, लेकिन बीते दिनों ही खबर आई थी कि प्रियंका चोपड़ा ने बाहुबली के डायरेक्टर एसएस राजामौली से हाथ मिलाया है। वह राजामौली की एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। इन सब खबरों के बीच प्रियंका चोपड़ा इंडिया लौट आई हैं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देख फैंस भी खुश हो गए हैं।

कैजुअल लुक में नजर आई प्रियंका चोपड़ा

दरअसल, प्रियंका चोपड़ा को हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है। एक्ट्रेस के इस मौके से एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में प्रियंका कैजुअल लुक में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने ब्राउन कलर की हुडी और लॉअर पहना है। साथ में उन्होंने अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए एक टॉपी भी पहनी है। प्रियंका एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए नीचे देखकर चल रही हैं। प्रियंका वीडियो में पैपराजी को देखकर स्माइल को करती दिख रही हैं, लेकिन एक्ट्रेस ने एयरपोर्ट पर रुककर एक भी पोज नहीं दिया। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो वायरल हो रहा है। फैंस अब प्रियंका के हैदराबाद आने की वजह पूछ रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि वह राजामौली की फिल्म में काम करने ही यहां पर आई हैं।

जनवरी की सर्दी में

अनुष्का सेन ने रात में की तैराकी पूल से वायरल हुआ वीडियो!

टीवी में चाइल्ड एक्ट्रेस बनकर धमाका करने वाली अनुष्का सेन इस वक्त काफी चर्चा में रहती हैं। उन्होने टीवी से फिल्मों तक का सफर तय किया है। इस वक्त वो किसी पहचान की मोहताज नहीं है। उनकी फैन फॉलोविंग शानदार है और इंस्टाग्राम पर लोग उनको फ़ॉलो करते हैं। 22 साल की उम्र में उन्होने अब पूल से कुछ तस्वीरें साझा की हैं जिनमें वो रात में हॉटनेस दिखाती नजर आ रही हैं। अनुष्का सेन ने एक के बाद एक कई तस्वीरें साझा की हैं। आसमान में चांद देखा जा सकता है। जनवरी के मौसम में रात होके ही बोल्ड हुईं अनुष्का सेन ने खुद इन तस्वीरों साझा किया है। उन्होने तस्वीरे के साथ कैप्शन लिखा, 'रात्रि तैराकी' इसके बाद उनको लोग काफी पसंद कर रहे हैं। कुछ ही समय में अनुष्का सेन की इन तस्वीरों ने लाखों लाइक्स कर दिए हैं। किसी तस्वीर में वो पूल में नजर आ रही हैं तो किसी में वो झूले पर लेटी हुईं हैं। किसी तस्वीर में वो काफी खुश नजर आ रही हैं तो किसी में शांत हैं। ये अंदाज काफी पसंद किए जा रहे हैं।

बढ़ती ठंड में निक्की तंबोली ने अपने बोल्ड लुक से इंटरनेट पर लगाई आग, डीप बैक ड्रेस पहन दिखाईं कातिलाना अदाएं

बिग बॉस 14 के बाद कई रियलिटी शो का हिस्सा रहीं निक्की तंबोली अपनी बोल्डनेस से हर किसी को हिला देती हैं। निक्की आए दिन अपने कातिलाना फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं, जिस पर उन्हें भर भरकर प्यार मिलता है। कुछ लोग निक्की को ट्रोल भी करते हैं, लेकिन एक्ट्रेस ट्रोलर्स को नजरअंदाज करना बखूबी जानती हैं। अब निक्की की नई फोटोज ने इंटरनेट पर आग लगा दी हैं। इनमें वह अपने डीप नेक ड्रेस से बवाल पोज दे रही हैं। आइए आपको एक-एक फोटो दिखाते हैं। निक्की तंबोली ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर ढेर सारी फोटोज शेयर की हैं।

इन फोटोज में निक्की सनबाथ में कमाल की लग रही हैं। निक्की ने ब्लैक कलर की ड्रेस पहनी है और हमेशा की तरह मिनिमिल मेकअप कैरी किया है। एक्ट्रेस ने अपने बालों को खुला रखा है। निक्की की ये ड्रेस डीप नेक कट वाली है, जिस वजह से उनका ये लुक काफी अट्रैक्टिव लग रहा है। एक्ट्रेस इस तस्वीर में अपने दोनों हाथों को ऊपर करके पोज दे रही हैं।

उर्वशी रौतेला की तरह हर पार्टी की शान बनना हुआ आसान

स्टाइलिश ब्लाउज में छिपा है राज

बॉलीवुड अदाकारा उर्वशी रौतेला इंडस्ट्री की उन हसीनाओं में से एक हैं जो कि अक्सर अपने लुक्स की वजह से छाई रहती हैं। कई बार उर्वशी रौतेला ऐसे कपड़ों में नजर आती हैं कि हंगामा मच जाता है। उर्वशी रौतेला जहां भी जाती हैं महफिल की जान बन जाती हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि उर्वशी रौतेला ऐसा क्या करती हैं जिसकी वजह से लोगों की नजरें उनसे हट ही नहीं पाती हैं। दरअसल उर्वशी रौतेला अपने हर लुक को कैरी करने से पहले उसका ब्लाउज जरूर चैक करती हैं। उर्वशी रौतेला के ब्लाउज ही उनकी सादी सी साड़ी को खास बना देते हैं। अपनी इस रिपोर्ट में हम आपको उर्वशी रौतेला ऐसे ही कुछ लुक्स दिखाने वाले हैं। अगर आपको कुछ समझ नहीं आ रहा है कि आप रेशम के ब्लाउज को भी अपना ऑप्शन बना सकती हैं। उर्वशी रौतेला का ब्लैक ब्लाउज लगभग हर साड़ी पर मैच कर जाएगा। उर्वशी रौतेला ने इस साड़ी के साथ फुल स्लीव ब्लाउज कैरी किया है। इस ब्लाउज पर इतनी हैवी इंब्रॉयडरी है कि इसके आगे साड़ी का लुक ही छिप जा रहा है। आप भी अपनी साड़ी के साथ ऐसा ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इस साड़ी का ब्लाउज उर्वशी रौतेला ने काफी फुर्सत से बनवाया है। इस ब्लाउज पर गुलाब के फूलों का डिजाइन बनाया गया है जो कि इस साड़ी को और भी ज्यादा शानदार बना रहा है।

अनवर में दीप्ति के छोटे रोल से कैसे बनीं मिर्जापुर की बीना त्रिपाठी

रसिका के दिलचस्प किरदार

रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। मिर्जापुर में रसिका ने बिना त्रिपाठी का किरदार निभाया, जो मिर्जापुर सीरीज के हर एक प्रशंसक का पसंदीदा किरदार बन चुका है। रसिका ने बिना से पहले भी कई फिल्मों और सीरीज में बेहतरीन किरदार निभाए हैं, जिनमें उनके जबर्दस्त अभिनय ने दर्शकों का दिल जीता है। आज रसिका के जन्मदिन पर जानिए उनके द्वारा निभाए गए कई दिलचस्प किरदार। मिर्जापुर क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज में रसिका दुग्गल ने कालीन भैया की दूसरी पत्नी का किरदार निभाया था। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इसके बाद इसका दूरसा भाग मिर्जापुर 2 और अब जल्द ही मिर्जापुर 2 आने वाली है। इस सीरीज में

बिना त्रिपाठी के किरदार से रसिका ने सभी का दिल जीत लिया है।

सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

इस बार सोनाक्षी सिन्हा से नहीं बल्कि मृणाल ठाकुर संग फरमाएंगे इश्क

अजय देवगन और मृणाल ठाकुर फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में एक साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। पिछले साल फिल्म की शूटिंग स्कॉटलैंड में शुरू हुई थी। अब फिल्म किस दिन रिलीज होगी, इसपर अपडेट आया है। मेकर्स ने रिवील कर दिया है कि फिल्म 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सन ऑफ सरदार 2, सन ऑफ सरदार का सीक्वल है, जो साल 2012 में रिलीज हुई थी। इसमें अजय के अपोजिट सोनाक्षी सिन्हा थीं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने इंस्टाग्राम पर सन ऑफ सरदार 2 को लेकर लिखा, अजय देवगन की फिल्म 25 जुलाई 2025 में रिलीज हो रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में संजय दत्त सीक्वल में एक बार फिर से अपनी भूमिका को दोहराते दिखेंगे। उनके साथ मुकुल देव और विंदू दारा सिंह भी फिल्म में होंगे। इसके अलावा कुबरा सैत, नीरू बाजवा, दीपक डोबरियाल,

शरत सक्सेना, रोशनी वालिया, अश्विनी

कालसेकर भी फिल्म का हिस्सा होंगे।

मृणाल ठाकुर ने पोस्ट किया था ये वीडियो

पिछले साल अगस्त 2024 में मृणाल ठाकुर ने सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग को लेकर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें चंकी पांडे और दीपाक डोबरियाल नजर आए थे। वीडियो की शुरुआत अजय देवगन के सिर पर रुमाल बांधकर गुरुद्वारे में प्रार्थना करने और जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल का नारा लगाने से होती है। इसके बाद एक्ट्रेस नजर आती है, जो पिंक और येलो सलवार सूट पहने दिखती है। वह ढोल बजाते और भांगड़ा करते दिखती है। वीडियो शेयर कर मृणाल ने लिखा था, शूटिंग आरंभ हो गई है जी। अजय देवगन के पास फिलहाल कई सारे प्रोजेक्ट्स हैं। इसके अलावा एक्टर रेड 2 में भी दिखेंगी, जो 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मूवी लवयापा का रोमांटिक गाना 'रहना कोल' हुआ रिलीज

दिखी जुनैद खान और खुशी कपूर की जबरदस्त केमिस्ट्री

बॉलीवुड स्टार किड्स जुनैद खान और खुशी कपूर की आने वाली मूवी लवयापा चर्चा में है। ये दोनों की थिएट्रिकल डेब्यू है, जिसमें वो एक मॉडर्न रोमांस ड्रामा लेकर आ रहे हैं। लोग इसे देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। ये एक रोमांटिक कॉमेडी मूवी है। फिल्म का पहला गाना "लवयापा हो गया" पहले ही धमाल मचा चुका है। अब इसका लेटेस्ट रोमांटिक गाना भी रिलीज हो गया है। गाने का नाम है "रहना कोल"। इस गाने में फ्रेशनेस और प्यार का ऐसा तड़का है, जो हर किसी को वैलेंटाइन मूड में ला देगा। जुनैद खान और खुशी कपूर की केमिस्ट्री और परफॉर्मेंस गाने में दिल छू लेने वाली है, जो प्यार की फीलिंग को बहुत अच्छे से बयां करती है। ये गाना अपने चार्म और फील के साथ साल का लव एंथम बनने वाला है।

इस गाने को जुबिन नौटियाल और जहरा एस खान ने बेहद खूबसूरती से गाया है और इसके बोल गुरप्रीत सैनी ने लिखे हैं। तनिष्क बागची की कंपोजीशन गाने के रोमांटिक और आकर्षक माहौल को और बढ़ा देती है। फराह खान द्वारा कोरियोग्राफ किया गया ये गाना हर चीज में खास है। प्यार के हर रंग को सेलिब्रेट करती लवयापा हर उम्र के दर्शकों के दिलों को छूने के लिए तैयार है। ये फिल्म 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

अवनीत कौर ने शर्ट के 2 बटन लगाकर दिखाया कातिलाना लुक

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। अवनीत कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं, लेकिन एक्टिंग से ज्यादा वह सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। अवनीत की एक फोटो इंटरनेट पर आग लगाने के लिए काफी है। वह आए दिन अपनी कातिलाना अदाएं फैंस को दिखाती रहती हैं और हर बार फैंस का एक्ट्रेस को भर-भरकर प्यार मिलता है। अब अवनीत की लेटेस्ट फोटोज सामने आई हैं।

बॉलीवुड का टॉप सिंगर, मड आइलैंड में खरीदा सपनों का आशियाना कीमत जानकर खुला रह जाएगा मुंह

अक्सर बॉलीवुड सेलेब्स के घर खरीदने की खबरें आती रहती हैं। हाल ही में ऐसे ही एक फेमस बॉलीवुड सिंगर ने भी मुंबई के मुंबई के मड आइलैंड में अपने सपनों का आशियाना खरीद लिया है, जिसकी कीमत सुनने के बाद आपका भी मुंह खुला रह जाएगा। इस सिंगर ने अपने करियर में कई हिट गाने गाए हैं, जिनको फैंस बेहद पसंद करते हैं। चलिए बताते हैं आखिर कौन है ये सिंगर जो 35 की उम्र में अब करोड़ों के घर के मालिक बन चुके हैं। जी हां, आपने एक दम सही समझा हम यहां 'तुम ही आना', 'हमनवा मेरे', 'तुमसे प्यार करके', 'दिल गलती कर बैठा है' जैसे शानदार गानों को अपनी आवाज से सजाने वाले जुबिन नौटियाल की बात कर रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में मड आइलैंड में अपने सपनों का आशियाना खरीदा है।

उन्होंने एक शानदार 4बीएचके अपार्टमेंट खरीदा है। ये अपार्टमेंट 'रहेजा एक्सोटिका' प्रोजेक्ट का हिस्सा है। उनका फ्लैट 34वीं मंजिल पर है, जिसका टोटल एरिया 1,933 वर्ग फीट है। साथ ही इसमें 200 वर्ग फीट का एक खूबसूरत डेक एरिया भी है। जानकारी के मुताबिक, मड आइलैंड, रहेजा एक्सोटिका में स्थित है। इसका साइज 1,933 वर्ग फुट है और डेक एरिया 200+ वर्ग फुट है। अगर प्रति वर्ग फुट की कीमत की बात करें तो ये 25,578 है। स्टांप ड्यूटी 29 लाख से ज्यादा है और रजिस्ट्रेशन फीस 30,000 है। यहां पर तीन कारों की पार्किंग की सुविधा भी दी गई है।

याद है ना 'बजरंगी भाईजान' की मुन्नी?

15 की उम्र में हो गई इतनी बोल्ड, देखकर खा जाएंगे गच्चा; अनन्या-सुहाना को भी कर दिया फेल

2015 में रिलीज हुई सलमान खान और करीना कपूर की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की थी। इस फिल्म में सलमान के किरदार से ज्यादा लाइमलाइट छोटी सी मुन्नी ने चुरा ली थी। आज भी उनके फैंस उनको मुन्नी के नाम से जानते हैं। हालांकि, उनका असली नाम हर्षाली मल्होत्रा है, जिन्होंने 10वीं की परीक्षा में 83% अंक हासिल किए थे, जिससे उनकी खूब तारीफ हुई थी। हर्षाली 15 साल की हो चुकी हैं। साथ ही वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हर्षाली हमेशा अपने फैंस के साथ अपनी खूबसूरत और प्यारी-प्यारी फोटो-वीडियो शेयर करती रहती हैं और अपने फैंस को चौंकाती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने लिफ्ट में पोज देते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर लोग उन्हें पहचान नहीं पा रहे हैं।

हर्षाली ने ब्लैक मिनी ड्रेस में अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में हर्षाली बेहद खूबसूरत लगने के साथ-साथ काफी बोल्ड भी लग रही हैं। उनकी तस्वीरों पर लोगों ने मजेदार कमेंट्स भी कर रहे हैं। ब्लैक ड्रेस के साथ हर्षाली ने पोनीटेल बनाई हुई है और कैमरे की तरफ पोज देते हुए बेहद प्यारी लग रही हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'इमरजेंसी में

कृपया ऐसा न करें'। उनके इस पोस्ट पर फैंस तरह-तरह की कमेंट्स आ रहे हैं। किसी ने पूछा, 'मुन्नी इतनी बड़ी कब हो गई?' तो किसी ने लिखा, 'हम इस मुन्नी को नहीं जानते'।

पहले हर्षाली को सोशल मीडिया पर निगेटिव कमेंट्स का सामना करना पड़ा था। ट्रोल्स सवाल करते थे कि वो पढ़ाई और कथक दोनों को कैसे संभालेंगी? इस पर हर्षाली ने जवाब देते हुए कहा था, 'मेरे

रिजल्ट इन सभी सवालों का जवाब हैं। मेरी मां मेरा इंस्टाग्राम संभालती हैं और ट्रोल्स के कमेंट्स बताती थीं। मैंने ठान लिया था कि उन्हें गलत साबित करूंगी और ऐसा कर दिखाया'। हर्षाली सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने के साथ अपनी पढ़ाई पर भी पूरा ध्यान देती हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार से शुक्रवार तक वे पढ़ाई पर फोकस करती थीं। शनिवार और रविवार को शूटिंग और कथक की प्रैक्टिस करती थीं।

सावधान ! दवा की शीशी में मौत का कारोबार

तेलंगाना से उत्तराखंड तक फैला नकली दवाओं का नेटवर्क

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अगर आप डॉक्टर की बताई मात्रा और सही समय पर दवाइयां ले रहे हैं और आपकी तबीयत में सुधार नहीं हो रहा है तो फिर आप जो दवा ले रहे हैं वो नकली हो सकती है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में हर चौथी दवा नकली है। बुखार, शुगर, ब्लड प्रेशर, पेन किलर से लेकर कैंसर तक की घटिया या नकली दवाएं मार्केट में हैं। कई नामी देसी-विदेशी कंपनियों के नाम की ये दवाइयां बिक रही हैं।

नकली दवाएं जीवन के लिए खतरा

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) का दावा है कि दुनिया में नकली दवाओं का कारोबार 200 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,60,000 करोड़ रुपये का है। नकली दवाएं 67% जीवन के लिए खतरा होती हैं। बची हुई दवाएं खतरनाक भले ही ना हों, लेकिन उनमें बीमारी ठीक करने वाला साल्ट नहीं होता है, जिस वजह से मरीज की तबीयत ठीक नहीं होती है। आखिरकार मर्ज बिगड़ता चला जाता है, जिससे वह मौत के मुंह तक चला जाता है। नकली या घटिया दवाओं के एक्सपोर्ट और इंपोर्ट का भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार है। एसोचैम की एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 25% दवाएं नकली या घटिया हैं। भारतीय मार्केट में इनका कारोबार 352 करोड़ रुपये का है।

तेलंगाना में पकड़ी गई नकली दवाएं

तेलंगाना में पिछले साल करोड़ों की नकली या घटियां दवाइयां पकड़ी गईं। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन की जांच में खुलासा हुआ कि नामी कंपनियों के नाम से बनी इन दवाइयों में चाक पाउडर या स्टार्च था। इसी तरह अगर कैप्सूल एमोक्सिलिन का है तो उसमें सस्ती दवा पेरासिटामोल भरी हुई थी। इसी तरह 500 ग्राम एमोक्सिलिन साल्ट की मात्रा सिर्फ 50 ग्राम ही थी। कैंसर तक की नकली दवाएं पकड़ी गईं। ये सभी दवाएं उत्तराखंड के काशीपुर और यूपी के गाजियाबाद से कूरियर के जरिए तेलंगाना पहुंची थी। इन दवाओं की पैकिंग इस तरह की गई थी, जो बिल्कुल असली लग रही थीं। इनकी पहचान करना मुश्किल था।

उत्तराखंड में सैंपल जांच में खरे नहीं उतरे

उत्तराखंड में पिछले साल कई दवा कंपनियों के सैंपल जांच में खरे नहीं उतरे तो उनका लाइसेंस कैंसल किया गया। यह सभी दवाइयां उत्तराखंड में बन रही थीं। इसी तरह आगरा के मोहम्मदपुर में 2024 में नकली दवा बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई। पुलिस ने 80 करोड़ रुपये की नकली दवाएं पकड़ी थीं। इसमें कैंसर, डायबिटीज, एलर्जी, स्लीपिंग पिल्स और एंटीबायोटिक्स दवाएं शामिल थीं। इसी तरह देश के कई राज्यों में छापेमारी कर नकली दवाओं की खेप पकड़ी गई। इससे पहले कोविड-19 के समय भी देश भर में नकली रेमडिसीवर के इंजेक्शन सप्लाई करने के मामले तक सामने आए थे।

दिल्ली पुलिस ने किया था सिंडिकेट का भंडाफोड़

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने भी कई ऑपरेशन में पिछले सालों में दिल्ली-एनसीआर में चल रहे कई सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। गाजियाबाद के लोनी स्थित ट्रोनिका सिटी में नकली दवाओं का गोदाम पकड़ा, जिसका मास्टरमाइंड एक डॉक्टर निकला। ये सोनीपत के गन्नौर स्थित फैक्ट्री में भारत, अमेरिका, इंग्लैंड, बांग्लादेश और श्रीलंका की 7 बड़ी कंपनियों के 20 से ज्यादा ब्रैंड की नकली दवा तैयार कर रहे थे। इंडिया मार्ट और भागीरथ प्लेस तक में इनकी सप्लाई थी। भारत के अलावा चीन, बांग्लादेश और नेपाल में एक्सपोर्ट करते थे। इस गिरोह से 8 करोड़ की नकली दवाएं और करीब 9 करोड़ रुपये के दो प्लॉट के दस्तावेज मिले।

कीमोथेरेपी के नकली इंजेक्शन वाला गैंग भी पकड़ा

कैंसर के इलाज के दौरान कीमोथेरेपी के नकली इंजेक्शन बनाने वाला गैंग भी पकड़ा गया। इनसे दो भारतीय और सात विदेशी कंपनियों की नकली दवाइयां बरामद हुईं। इस मात्रा की असली दवाई की कीमत 4 करोड़ रुपये थी। ये ब्रैंडेड इंजेक्शन की खाली शीशी 5000 रुपये में खरीदते थे, जिसमें 100 रुपये की एंटी फंगल दवा 'फ्लुकोनाजोल' भरते और मार्केट में ब्रैंड के हिसाब से एक से तीन लाख रुपये में बेच देते थे।

नामी अस्पताल भी काले कारोबार में शामिल

पुलिस अफसर बताते हैं कि दिल्ली के कुछ नामी अस्पताल भी इस काले कारोबार में शामिल हैं। पिछले साल क्राइम ब्रांच कैंसर, डायबिटीज और किडनी की नकली और अवैध दवाइयों पर सेंट्रल और ईस्ट जिले के दो नामी प्राइवेट हॉस्पिटल में छापेमारी की। इनके जरिए देहरादून में तीन फैक्ट्रियों का खुलासा हुआ। दो फैक्ट्रियों में करीब 8 करोड़ रुपये की दवाइयां जब्त की।

'जेनेरिक दवाइयां हैं बेहतर विकल्प'

एक्सपर्ट बताते हैं कि नामी ब्रैंडेड कंपनियों के नाम से ही नकली या घटिया दवाइयां बनती हैं, क्योंकि इसके जरिए जालसाज मोटा मुनाफा कमाते हैं। दूसरी तरफ, जेनेरिक दवाइयों के नकली होने के मामले अभी तक सामने नहीं आए हैं, क्योंकि इन्हें नकली बनाने पर कोई ज्यादा फायदा नहीं होने वाला है। जेनेरिक दवाइयां सस्ती होती हैं, जो उसी तरह का फायदा करती हैं, जिस तरह का लाभ ब्रैंडेड दवाइयों से मिलता है। सरकार जेनेरिक दवाइयों को बढ़ावा दे रही है, जो काफी सस्ती होती हैं। इन्हें आप मेडिकल स्टोर और जन औषधि केंद्र से खरीद सकते हैं।

'एक्सपर्ट टीम बनाने की जरूरत'

एक्सपर्ट के अनुसार, देश के सभी राज्यों में ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट और पुलिस की एक एक्सपर्ट टीम बननी चाहिए, जो लगातार नकली या घटिया दवाओं पर नजर रखे। सभी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के अलावा डिस्पेंसरियों और दवा के थोक बाजारों की भी लगातार निगरानी हो। किसी भी केस के सामने आने पर पुलिस और ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट अपने-अपने मुकदमे दर्ज करें। हर मामले की तह तक जांच हो और सभी अपराधियों को सजा मिले। जान से खिलवाड़ करने वाला यह खेल इसी तरह से बंद किया जा सकता है।

नशे के कारोबार में बढ़ता दवाइयों का काला धंधा

कुछ ऐसी दवाएं हैं, जिन्हें ज्यादा मात्रा में लेने पर नशा होने लगता है। शराब और ड्रग्स से इन दवाओं का नशा काफी सस्ता होने से नशेड़ी इसका इस्तेमाल करते हैं। इस वजह से कफ सिरप, पेन किलर्स, डिप्रेशन पिल्स और मनोरोगियों को दिए जाने इंजेक्शन की खपत बढ़ रही है। इसका फायदा दवा बनाने वाली कंपनियां भी उठा रही हैं, जो एक लाइसेंस पर कई फैक्ट्रियां चलाकर इन्हें धड़ल्ले से बना रही हैं।

उत्तराखंड में एक लाइसेंस पर दो फैक्ट्री

दिल्ली पुलिस के एक अफसर बताते हैं कि एक केस के सिलसिले में उत्तराखंड के देहरादून गए तो वहां एक लाइसेंस पर दो फैक्ट्री चलती मिलीं। दर्द की दवा 'ट्रामाडोल' समेत कई सिरप और कैप्सूल अवैध रूप से बन रहे थे। जांच में खुलासा हुआ था कि इनको नशा करने के लिए बेचा जा रहा था। उत्तराखंड के ड्रग डिपार्टमेंट के साथ आठ करोड़ रुपये की ट्रामाडोल समेत कई दवाइयां जब्त की। ड्रग डिपार्टमेंट ने सैंपल लिए तो दवाई में तय मात्रा से कम साल्ट मिला। इसकी वजह ये थी कि इन्हें नशे के तस्कर खरीदते थे, जिनको नशेड़ियों को बेचा जा रहा था। उन्हें ये कारोबार कम खतरे और ज्यादा मुनाफे वाला लग रहा है। इसमें फैक्ट्री मालिक, दवा डिस्ट्रीब्यूटर, कैमिस्ट तक शामिल हैं।

रेव पार्टियों में इस्तेमाल हो रही गोली

डिप्रेशन के इलाज के लिए दी जाने वाली गोली का आजकल रेव पार्टियों में काफी इस्तेमाल हो रहा है। युवा इस गोली को ज्यादा मात्रा में नशे के लिए लेते हैं। इसे लेकर वह खुशनुमा माहौल का अहसास करते हैं। सेवन करने वाले को थकान नहीं होती है और काफी खुश दिखाई देता है। वह स्लो म्यूजिक में भी नाचने लगता है। इसका असर खत्म होते ही थकान होने लगती है, जिससे वह इसे दोबारा लेता है। धीरे-धीरे इसकी आदत लग जाती है। रेव पार्टियों में इन्हें 5000 रुपये तक में बेचा जाता है। इसी तरह कुछ दवाइयां मनोरोगियों के लिए हैं, लेकिन उन्हें भी नशे के लिए लिया जाता है। एलर्जी होने पर लगाए जाने वाले एविल इंजेक्शन का भी चलन है।

क्यूआर कोड से करें असली दवा की पहचान

यह सही है कि असली की आड़ में नकली दवा का कारोबार पनप रहा है। आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है। देखने में यह नकली दवा ब्रैंडेड दवा की तरह ही होती हैं लेकिन यह अलग-अलग मेटिरियल से तैयार होती हैं। हाल ही में क्राइम ब्रांच ने नकली दवाओं के एक इंटरस्टेट सिंडीकेट को पकड़ा था जो आरा मशीन पर निकलने वाले लकड़ी के बुरादे और घरेलू नुस्खा के हिसाब से मेथी, अजवाइन, हल्दी और अन्य चीजों का इस्तेमाल करते थे।

ऐसे में अगर आपको किसी दवा के बारे में संदेह है, तो अपने डॉक्टर या फार्मासिस्ट से सलाह लें। ब्रैंडेड कंपनियों के नाम का मिसयूज करके बेची जाने वाली दवाएं नकली हो सकती हैं। हाल ही में नामी दवा कंपनियों ने नया सिस्टम लागू किया है। इसमें कंपनियों ने अपने सिरप के लेबल, टैबलेट कैप्सूल के स्ट्रिप पर कोड और कंपनी का हेल्पलाइन नंबर छापना शुरू कर दिया है। इस हेल्पलाइन से रैपर या शीशी पर दर्ज हेल्पलाइन नंबर पर लोग मेसेज कर संबंधित दवा की असलियत जान सकेंगे।

क्यों नहीं पकड़ में आ पातीं नकली दवाएं?

एक अधिकारी ने बताया कि नकली दवाओं की बिक्री बेहद गंभीर मामला है, लेकिन अगर आप जागरूक नहीं हैं तो ये आसानी से पकड़ में नहीं आ पातीं। दूसरी सबसे बड़ी वजह है कमजोर निगरानी सिस्टम। कायदे से ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट की ये जिम्मेदारी है कि वह नकली दवाओं की खरीद फरोख्त करने वालों को पकड़ें। लेकिन अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है। अगर नियमित तौर पर ये डिपार्टमेंट जांच पड़ताल करे तो नकली दवाएं बेचने वालों की लगाम कसी जा सकती है। नकली दवाएं मरीजों के लिए जानलेवा साबित होती हैं। ऐसे में जरूरी है निगरानी सिस्टम को दुरुस्त किया जाए।

असली और नकली दवाओं की पहचान कैसे करें?

पैकेजिंग: गौर से दवा की पैकेजिंग देखें। उस पर प्रिंट जानकारी स्पेलिंग एरर, मिस प्रिंट या हल्की पैकिंग। इसके अलावा पैकेजिंग सील सही लगी है या नहीं।

कीमत: अगर कोई दवा बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत पर मिल रही है, तो संभव है कि वह नकली हो।

क्यूआर कोड: अगस्त 2023 के बाद बनी 300 ब्रैंडेड दवाओं की पैकेजिंग पर क्यूआर कोड अनिवार्य हो गया है। इसे स्कैन करने पर दवा से जुड़ी पूरी जानकारी मिलती है। अगर दवा पर ये कोड नहीं है, तो वह नकली हो सकती है।

कलर: दवा की गोली या कैप्सूल का रंग, आकार और बनावट एक ही तरह की हो। कोई दाग या धब्बा नहीं होना चाहिए।

मेडिकल स्टोर: दवा हमेशा किसी भरोसेमंद मेडिकल स्टोर से ही खरीदें।

फार्मासिस्ट: अगर आपको दवाइयों के असली या नकली होने को लेकर शंका में हैं, तो आप अपने स्थानीय फार्मासिस्ट से परामर्श ले सकते हैं। वे आपको सही दिशा में मार्गदर्शन कर सकते हैं।

आईआईटी वाले बाबा ने महाकुंभ छोड़ा

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ से चर्चा में आए आईआईटी वाले बाबा अभय सिंह ने आश्रम छोड़ दिया है। कहां गए? यह किसी को नहीं पता। गुरुवार रात उन्हें तलाशते हुए उनके माता-पिता भी जूना अखाड़े के 16 मड़ी आश्रम पहुंचे, लेकिन तब तक वो जा चुके थे। आश्रम के साधुओं ने बताया- अभय लगातार मीडिया को इंटरव्यू दे रहे थे, जिससे उनका मानसिक तनाव बढ़ रहा था। उन्होंने मीडिया में कुछ ऐसी बातें भी कहीं, जो विवाद का कारण बन गईं। इसके चलते ही उन्होंने आश्रम को छोड़ने का फैसला लिया। अभय हरियाणा के झज्जर जिले के रहने वाले हैं। उनके पिता कर्ण सिंह एडवोकेट हैं। झज्जर बार एसोसिएशन के प्रधान भी रह चुके हैं। अभय ने आईआईटी बॉम्बे से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की।

इसके बाद कनाडा जाकर एरोप्लेन बनाने वाली कंपनी में काम किया। हालांकि, अचानक वह देश लौटे और कुछ समय बाद घर से गायब हो गए। महाकुंभ से जब उनकी वीडियो वायरल हुई तो परिवार को पता चला। हालांकि, अब वे इस बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहते। अभय सिंह का जन्म झज्जर के गांव सासरौली में हुआ। वह ग्रेवाल गोत्र के जाट परिवार में जन्मे। उन्होंने शुरुआती पढ़ाई भी झज्जर जिले से की। पढ़ाई में वह बहुत होनहार थे। इसके बाद परिवार उन्हें आईआईटी की कोचिंग के लिए कोटा भेजना चाहता था। मगर अभय ने दिल्ली में कोचिंग लेने की बात कही। कोचिंग के बाद अभय ने आईआईटी का एग्जाम क्रैक कर लिया। उन्हें आईआईटी बॉम्बे में एडमिशन मिल गया। अभय ने वहां से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री ली, फिर डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री की।अभय की छोटी बहन कनाडा में रहती है। पढ़ाई पूरी करने के बाद परिवार ने उन्हें अच्छे फ्यूचर के लिए कनाडा भेज दिया।

हर्षा रिछारिया महाकुंभ छोड़ेंगी

वायरल संत हर्ष रिछारिया के आरोप पर स्वामी आनंद स्वरूप की सफाई

प्रयागराज, 17 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मैं न कोई मॉडल हूं और न ही कोई संत...मैं सिर्फ एक एंकर और एक्ट्रेस थी। संतों ने महिला होने के बावजूद मेरा अपमान किया। आनंद स्वरूप को पाप लगेगा।' यह कहकर हर्षा रिछारिया रो पड़ती हैं। प्रयागराज के महाकुंभ नगर में पेशवाई के रथ पर बैठने के बाद चर्चा में आईं हर्षा रिछारिया ने खुद को 10 बाई 10 के टेंट में कैद कर लिया है। 24 घंटे से वह इसी टेंट में हैं। हर्षा मध्य प्रदेश के भोपाल की रहने वाली हैं।

हर्षा ने कहा- अब मुझे डर लग रहा है। मेरे ऊपर लग रहे आरोपों से मैं त्रस्त हूं, परेशान हूं। अब मैं महाकुंभ मेला छोड़कर चली जाऊंगी। मैं पूरे महाकुंभ में रहने के लिए यहां आई थी। मैं सिर्फ महाराज जी की भक्त हूं। कैलाश आनंद के विचारों से प्रभावित होकर उनके साथ आई थी। उन्होंने कहा मैं संत नहीं हूं। संत अपने आप में बहुत बड़ी पदवी होती है, इसका टैग मुझे नहीं दिया जाए। मैं कभी भी मॉडल नहीं रही हूं। इसलिए मैं यह टैग भी एक्सेप्ट नहीं कर सकती। मैं सिर्फ एक साधारण सी शिष्या हूं, जो अपने गुरुदेव के सानिध्य में महाकुंभ को जानने, महसूस करने और समझने के लिए तीर्थराज प्रयागराज में आई है। मुझे जो पर्सनली फील होता है, वो यह है कि अगर कोई भी इंसान वेस्टर्न कल्चर को छोड़कर, सनातन धर्म की संस्कृति से जुड़ना चाहता है, समझना चाहता है, उसमें समाना चाहता है, उसमें रम जाना चाहता है। तो मुझे लगता है कि हिंदू होने के नाते, सनातनी होने के नाते हमें खुशी से उसे परिवार में, धर्म में शामिल करना चाहिए, न कि उसका विरोध करना चाहिए। उसे बच्चे की तरह ट्रीट करना चाहिए। उसका विरोध करना बहुत गलत बात है।

उन्होने कहा परम पूज्य गुरुदेव की बात है, तो मैंने उनसे कुछ समय पहले ही शिक्षा-दीक्षा ली। मंत्र दीक्षा ली है। उनके जो लाखों शिष्य हैं, बच्चे हैं। उन बच्चों में से मैं उनकी एक बेटी हूं, शिष्या हूं। मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनका सानिध्य मिला। वह सिद्ध पुरुष हैं। विश्व में उनकी ख्याति है। पूरी दुनिया के लोग उनसे जुड़ना चाहते हैं। हर कोई संगम या अमृत स्नान के लिए तड़पता है। हर कोई चाहता है कि साधु-संतों के सानिध्य में, उनकी छत्र-छाया में हमको यह अमृत स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त हो। रही बात मेरी शाही सवारी में बैठने की, जिसके लिए विवाद हो रहा है, तो बता दूं- वो विवाद का मुद्दा नहीं था। उसमें सिर्फ मैं नहीं बैठी थी। सिर्फ मैंने भगवा शॉल नहीं ओढ़ा था। सबसे बड़ी बात अगर हिंदू होने के नाते, सनातनी होने के नाते अगर मैंने भगवा शॉल ओढ़ा तो यह गर्व की बात होनी चाहिए थी। लोगों को गर्व होना चाहिए था कि आज युवा सनातन धर्म में रम रहा है। यह तो पूरे सनातन धर्म के लिए गर्व की बात है। मैं प्रयासरत हूं कि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा प्रेरित कर सकूं, लेकिन अगर मैं ही ऐसा नहीं कर पाऊंगी, तो दूसरों को क्या जागरूक कर पाऊंगी।

शाही सवारी में उस वक्त मेरे अलावा बहुत से गृहस्थ लोग भी बैठे हुए थे। जिनका अपना परिवार है, बच्चे हैं, मां-बाप हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मीडिया ने मुझे टारगेट किया हुआ था। सिर्फ हमारे निरंजनी अखाड़े में गृहस्थ लोग नहीं थे। अलग-अलग अखाड़ों की शाही सवारी में गृहस्थ लोग बैठे थे। ये कोई विवाद का मुद्दा नहीं था। अगर किसी बच्चे से गलती होती है, तो उसे समझाना चाहिए। लेकिन उसे विवादों में घेरना, नाम खराब करना गलत है। उसे पहले साध्वी का टाइटल देना, फिर मॉडल का टाइटल दे देना। यह बहुत गलत बात है।

रिछारिया ने कहा मुझे अब बहुत कष्ट हो रहा है। मैंने सोचा था कि 144 साल बाद ये पूर्ण महाकुंभ आया है। मैं बहुत-सी उम्मीदें लेकर आई थी। शायद यह जिंदगी का पहला और आखिरी पूर्ण महाकुंभ है। मैंने सोचा था कि पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में धर्म-संस्कृति और कुंभ के बारे में जानूंगी। युवा होने के नाते मैंने सोचा था कि ऐसे संतों से मिलूंगी, जो आम लाइफ से बहुत दूर रहते हैं। हमारे यहां विदेशी आ रहे हैं, हम वाहवाही कर रहे हैं।

महाभारत का इंद्रप्रस्थ कैसे बना दिल्ली

पांडवों ने नागों को भगाकर बसाया यहीं के महल में बेइज्जत हुए थे दुर्योधन

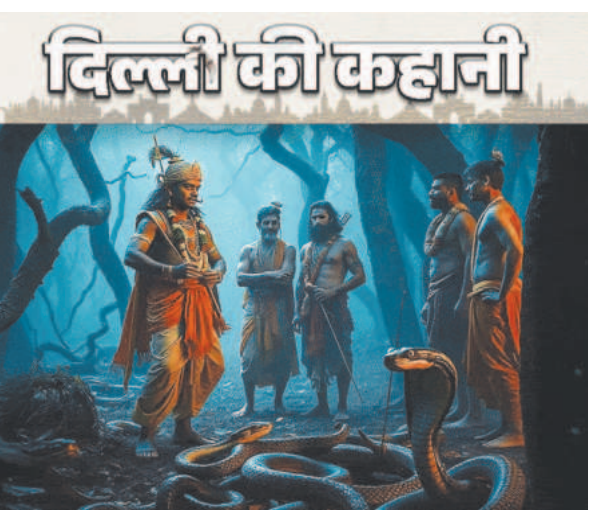

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। यूं तो दिल्ली का शुरुआती ऐतिहासिक दस्तावेज पहली शताब्दी ईसा पूर्व में मिलता है। जब राजा ढिल्लू ने अपने नाम पर ये शहर बसाया, लेकिन दिल्ली दुनिया के सबसे पुराने निरंतर बसे हुए शहरों में से एक है।

दिल्ली का इतिहास भारत की माइथोलॉजी यानी पौराणिक कथाओं जितना पुराना है। महाभारत के युद्ध में दिल्ली की बड़ी भूमिका थी। हालांकि तब इसे इंद्रप्रस्थ कहा जाता था। गीता प्रेस गोरखपुर से प्रकाशित महाभारत के पहले खंड के अध्याय 206 'विदुर आगमन राज्यलंभ पर्व' के अनुसार, धृतराष्ट्र जानते थे कि कौरवों और पांडवों में नहीं बनेगी। उन्होंने दोनों को संतुष्ट रखने के लिए राज्य का बंटवारा करने का सोचा। भीष्म और द्रोणाचार्य भी इससे सहमत थे। बंटवारे की बात मामा शकुनी को रास नहीं आई। उसने धृतराष्ट्र से कहा- अगर आधा राज्य ही देना है तो हस्तिनापुर क्यों दे रहे हैं, पांडवों को खांडवप्रस्थ दे दीजिए। हस्तिनापुर राजधानी, जबकि खांडवप्रस्थ भयानक जंगल था। इतना घना कि सूर्य की रोशनी भी नहीं आती थी। शकुनी की बात मान धृतराष्ट्र ने पांडवों को खांडवप्रस्थ दे दिया। हस्तिनापुर आज के मेरठ का इलाका और खांडवप्रस्थ दिल्ली है।

लेखक आदित्य अवस्थी अपनी किताब 'दास्तान ए दिल्ली' में लिखते हैं कि जो आज की दिल्ली है यहां पहले नाग रहते थे। पांडवों ने अपनी राजधानी स्थापित करने के लिए अपने मामा के बेटे कृष्ण से सहायता मांगी।

महाभारत के 'आदिपर्व' के अनुसार एक किस्सा है कि महाराज श्वैतकि ने लगातार 12 साल तक एक यज्ञ किया था। उसमें लगातार घी की आहुति दी। जब अग्नि ने ये घी की आहुति ली तो उनका पेट खराब हो गया। परेशान होकर वे ब्रह्माजी के पास पहुंचे और समस्या का निदान मांगा।

ब्रह्मा ने कहा कि अगर आप खांडवप्रस्थ के वनों को जला देंगे तो पेट ठीक हो जाएगा। अग्नि देव ने कई बार खांडव वन को जलाने की कोशिश की, लेकिन इंद्र के कारण नहीं जला पाए। महाभारत के अध्याय 'खांडववदाह पर्व' में लिखा है कि अग्नि ने ब्राह्मण का रूप बनाया और अर्जुन-कृष्ण के पास आए और कहा कि क्या आप मेरा पेट भर सकते हैं। कृष्ण-अर्जुन ने वचन दिया तो ब्राह्मण असली रूप में आए और कहा- मैं अग्नि हूं, इस खांडव वन को जलाकर मेरा पेट भर जाएगा, लेकिन इंद्र ऐसा नहीं होने दे रहे। अर्जुन ने पूछा- वो ऐसा क्यों करते हैं? तब अग्नि ने बताया कि यहां इंद्र के मित्र नागराज तक्षक परिवार सहित रहते हैं। उनकी रक्षा के लिए वे ऐसा करते हैं।

महाभारत के अनुसार खांडव वन जलाने के लिए अर्जुन और इंद्र में युद्ध हुआ। इस बीच तक्षक परिवार समेत भाग गया, तो इंद्र ने युद्ध रोक दिया। उधर अग्नि ने खांडव वन को खाकर अपनी भूख और पेट दोनों ठीक कर लिए। इस बीच इंद्र अर्जुन के पराक्रम से प्रभावित हुए। इंद्र ने देवों के शिल्पकार विश्वकर्मा से खांडवप्रस्थ में एक दिव्य और रमणीय नगर बनाने को कहा। दिल्ली यूनिवर्सिटी में इतिहास विभाग की प्रोफेसर डॉ उपिंदर कौर अपनी किताब 'दिल्लीः प्राचीन इतिहास' में महाभारत की घटनाओं का जिक्र करते हुए लिखती हैं कि मायासुर ने विश्वकर्मा के साथ इंद्रप्रस्थ नगर बसाया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल अलेक्जेंडर कनिंघम के एक लेख के अनुसार इंद्रप्रस्थ वर्तमान दिल्ली में हुमायूं के मकबरे से लेकर फिरोजशाह कोटला के बीच वाले क्षेत्र में फैला शहर था। हालांकि इसे साबित करने वाले कोई पुख्ता दस्तावेज नहीं मिलते।

पुराणों और महाभारत से जुड़ी किताबों के अनुसार इंद्रप्रस्थ में सफेद पत्थर से अनेक महल बनाए गए थे। इंद्रप्रस्थ की तुलना इंद्र के नगर अमरावती से की गई है। इंद्रप्रस्थ में एक किला बनाया गया था। इसके चारों ओर एक खाई थी। बताया जाता है कि पानी से भरी ये खाई 32 फुट गहरी और 6 एकड़ में फैली थी। इस खाई में हंस, कमल और कई जानवर रहते थे। किले के दरवाजे बेहद बड़े थे। यहां की प्लांड सड़कें एक दूसरे को 90 डिग्री के कोण पर काटती थी। यानी हर सड़क एक-दूसरे से जुड़ी हुई थी। सड़कों के दोनों और बड़े-बड़े छायादार वृक्ष लगे हुए थे। शहर में कई बाग-बगीचे, तालाब और झीलें थीं। बाग-बगीचों में मोर और कई पक्षी, हिरण आदि रहते थे। सुरक्षा के लिए शहर के चारों ओर दीवार थी, जिसमें 64 दरवाजे थे।

किस्सा है कि महाराज युधिष्ठिर ने इंद्रप्रस्थ में राजसूय यज्ञ किया। इसमें उनके चचेरे भाई दुर्योधन भी पहुंचे। महाभारत के सभापर्व के अनुसार जब दुर्योधन महल देखने पहुंचा तो उसे कई अजूबे दिखे। जब दुर्योधन भवन में घूम रहे थे, तो उन्हें लगा सामने पानी है। दुर्योधन ने वस्त्र ऊपर कर लिए, लेकिन वहां पानी नहीं था। आगे जाने पर सामान्य फर्श दिखा, लेकिन वह एक बावड़ी थी, जिसमें दुर्योधन गिर पड़े। ये देखकर भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव जोर-जोर से हंसने लगे। वहां मौजूद सेवक भी हंसने लगे। दुर्योधन ने खुद को अपमानित महसूस किया। इसके बाद उसने शकुनी के साथ मिलकर साजिश रची और युधिष्ठिर को चौसर के खेल में उलझाकर देश निकाला दिया। यहीं से महाभारत युद्ध की नींव पड़ी। पुराणों के अनुसार महाराज निचक्षु पांडवों की सातवीं पीढ़ी के राजा थे। ऐसा लिखा गया है कि उस समय गंगा में बाढ़ आई जिससे हस्तिनापुर और इंद्रप्रस्थ सब डूब गए। इसके बाद महाराज निचक्षु ने कौशांबी को नई राजधानी बनाया और वहां रहने लगे।

शोभित यूनिवर्सिटी मेरठ के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियंक भारती ने इसे लेकर रिसर्च की है। उन्होंने महाभारत काल के प्रमाण खोजने का दावा किया है। एक रिसर्च पेपर में उन्होंने एआई की मदद से इन शहरों के डूबने के चित्र भी बनाए हैं। वे बताते हैं कि महाभारत युद्ध में कौरवों के मारे जाने के बाद पांडव इंद्रप्रस्थ छोड़कर मुख्य राजधानी हस्तिनापुर में रहने लगे थे। उनके पौत्र यहां राज्य कर रहे थे। दोनों शहर कैसे उजड़े इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है।

पांडवों के बाद दिल्ली के राजाओं में जिनका नाम आता है वो तोमर वंश था। इस वंश ने 676 से 1081 ईसवी तक शासन किया। एक बार तोमर राजा अनंगपाल द्वितीय के दरबार में एक ब्राह्मण आया। ब्राह्मण ने राजा को बताया कि लौह स्तंभ पृथ्वी को धारण करने वाले वासुकी शेषनाग के फन पर रखा हुआ है। ये उसी लौह स्तंभ की बात हो रही है जो कुतुब मीनार परिसर में है। जब तक यह स्तंभ स्थिर रहेगा तब तक तुम्हारा शासन और राज्य अचल रहेगा। तोमर राजा को ब्राह्मण की बात पर विश्वास नहीं हुआ। उसने अपने कर्मचारियों को इस लौह स्तंभ को उखाड़ने का आदेश दिया ताकि ये पता चल सके कि ब्राह्मण सच बोल रहा है या नहीं। स्तंभ उखाड़ा गया तो देखा गया कि उसके अंदर के हिस्से में कोई लाल रंग की चीज लगी हुई है। हो सकता है कि जमीन में गड़ा होने के कारण जंग लग गया हो। राजा ने ये देखने के बाद तुरंत फिर से लौह स्तंभी को उसी जगह गाड़ने के आदेश दिए। तब से दिल्ली में एक कहावत प्रचलित हो गई कि 'किल्ली तो ढिल्ली भई तोमर भए मतिहीन!' चंदबरदाई रचित काव्य 'पृथ्वीराज रासो" में इस कहानी का उल्लेख है। इतिहासकार ब्रजकिशन चांदीवाला 'दिल्ली की खोज' में लिखते हैं कि दिल्ली के पुराने नक्शे में पूर्व दिशा में यमुना नदी बहती है।

पश्चिम में अरावली पर्वत का सिलसिला है, जो घूमता हुआ दक्षिण में जा पहुंचा है। उत्तर में फिर यमुना नदी आ जाती है। उस समय पूर्व में तो यमुना बहती ही होगी। उस समय यमुना की कई धाराएं और भी थीं जो शहर की कई जगहों पर बहती थी एक धारा यमुना से बारहपुला, निजामुद्दीन के पास से होती हुई जन्तर-मन्तर के पास से निकलकर तुर्कमान दरवाजे तक पहुंचती थी। एक धारा सीधी चांदनी चौक से दरीबे के पास से होती हुई निगमबोघ घाट के पास यमुना में मिल जाती थी। ये भी बताया जाता है कि निजामुद्दीन औलिया की दरगाह भी यमुना किनारे बनाई गई थी।चांदनी चौक में जहां कोतवाली है, यमुना का बहाव इस कदर तेज था कि भंवर में नाव डूब जाया करती थीं। मोहल्ला बल्लीमारान में किश्ती चलाने वाले रहते थे।

2014 और 2017 में एएसआई को पुराने किले में खुदाई के दौरान पेंटेड ग्रे वेयर कल्चर के टुकड़े मिले हैं। यह एक अच्छी, चिकनी, ग्रे रंग की मिट्टी के बर्तन होते हैं। इन्हें 1100 ईसा पूर्व या 500 से 400 ईसा पूर्व का माना जाता है। जानकार मानते हैं कि महाभारत भी इसी समय के बीच लिखी गई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि ये बर्तन उसी समय के हो सकते हैं। वहीं, एएसआई इन बर्तनों को 2500 साल पुराना मानता है। 2023 में भी एएसआई ने दिल्ली के पुराने किले सहित कई जगह पर खुदाई की थी। उसमें मुगल काल, सल्तनत काल, राजपूत काल, गुप्त काल, कुषाण काल और मौर्य काल के सबूत मिले थे।

दिल्ली का पुराना किला 300 एकड़ में फैला है। अनुमान लगाया जाता है कि इस किले के नीचे 3000 साल पुरानी सभ्यता के सबूत हैं। किले के बाहर लगी शिला में महाभारत काल का उल्लेख है। माना जाता है कि किला जिस टीले पर है वो महाभारत काल में इंद्रप्रस्थ रहा होगा। इस कारण यहां खुदाई की जा रही है।

ट्रंप ने चीन में बनी चीजों पर टैरिफ बढ़ाया तो भारत पर क्या असर पड़ेगा? क्रिसिल ने रिपोर्ट में बताया

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से व्यापार प्रतिबंधों के कारण भारत सहित अन्य एशियाई बाजारों में चीन अपने निर्यात को और आक्रामक कर सकता है। क्रिसिल ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। क्रिसिल के अनुसार, क्षेत्रीय और वैश्विक दोनों बाजारों में भारतीय निर्यातकों के लिए प्रतिस्पर्धा कड़ी हो सकती है। इससे भारत के निर्यात को बढ़ाने की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है।

अमेरिका और चीन के बीच तनाव के कारण भू-राजनीतिक जोखिम का खतरा

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति की ओर से चीनी वस्तुओं पर प्रस्तावित भारी टैरिफ अमल में आने से चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी आ सकती है। अगर ऐसा होता है तो इससे ड्रैगन भारत सहित अन्य एशियाई बाजारों में अपने निर्यात का रुख आक्रामक करेगा। अमेरिका और चीन के बीच का व्यापारिक तनाव वैश्विक व्यापार के लिए भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं का जोखिम पैदा करती रहती हैं। इस बीच, चालू वित्तीय वर्ष में भारत का व्यापार घाटा बढ़ गया है क्योंकि आयात लगातार निर्यात से आगे निकल रहा है।

चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत का निर्यात प्रदर्शन अस्थिर

रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत का निर्यात प्रदर्शन अस्थिर रहा है। पहली तिमाही में जहां व्यापारिक निर्यात में स्थिर वृद्धि देखी गई, वहीं दूसरी तिमाही में इसमें गिरावट आई। अक्तूबर 2024 में थोड़ी रिकवरी हुई, लेकिन नवंबर और दिसंबर में निर्यात में फिर गिरावट आई। दिसंबर 2024 में, भारत का व्यापारिक निर्यात 4.8 प्रतिशत की गिरावट के बाद साल-दर-साल आधार पर 1 प्रतिशत घटकर 38.01 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट रत्न और आभूषण निर्यात (-26.5 प्रतिशत) और तेल निर्यात (-28.6 प्रतिशत) में महत्वपूर्ण कमी के कारण आई। हालांकि, कोर क्षेत्र में निर्यात का आंकड़ा 8.3 प्रतिशत बढ़ने से गिरावट को पाटने में मदद मिली। हालांकि इसमें भी नवंबर के 11.8 प्रतिशत से कम की वृद्धि दिखी। कोर सेक्टर के प्रमुख क्षेत्रों रेडीमेड गारमेंट्स, अयस्क और खनिज, हस्तशिल्प और कॉफी के निर्यात में मजबूत वृद्धि दिखी।

भारत का बढ़ता हुआ व्यापार घाटा चिंता का कारण

क्रिसिल ने भारत के निर्यात से जुड़ा सकारात्मक पक्ष बताते हुए कहा कि भारत के सेवा व्यापार में अधिशेष और धन प्रेषण के मजबूत प्रवाह से थोड़ी राहत मिली है।

उम्मीद है कि देश का चालू खाता सुरक्षित क्षेत्र में रहेगा। हालांकि, बढ़ता हुआ व्यापार घाटा चिंता का कारण बना हुआ है जिस पर कड़ी निगरानी की जरूरत है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले महीनों में व्यापार की गतिशीलता इस बात पर निर्भर करेगी कि चीन अपने निर्यात क्षेत्र को कौन सी नई दिशा देता है और भारत उसके परिणामस्वरूप आने वाली चुनौतियों से कैसे निपटता है।

धोखाधड़ी वाले कॉल पर लगेगी लगाम, संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कर दी पक्की व्यवस्था

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। फ्रॉड या धोखाधड़ी वाले कॉल आपके मोबाइल फोन पर कभी आया होगा। इससे हर आम और खास लोग परेशान है। इस परेशानी से निजात लगाने के लिए सरकार ने पुख्ता व्यवस्था की है। केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग ने शुक्रवार को 'संचार साथी' का मोबाइल ऐप पेश कर दिया। इससे पहले इसका वेबसाइट वर्जन लॉन्च किया गया था।संचार साथी के मोबाइल ऐप आ जाने से लोगों को अपने मोबाइल फोन 'कॉल लॉग' से धोखाधड़ी की किसी भी संदिग्ध सूचना की सीधे रिपोर्ट करना आसान हो जाएगा। सरकार का दावा है कि इस ऐप की सहायता से फ्रॉड वाले कॉल की रिपोर्टिंग आसान होगी, साथ ही यह आम जनता को सीधे अपने मोबाइल फोन के कॉल लॉग से ऐसे नंबर को चिन्हित करने और उसकी रिपोर्टिंग करने की भी सुविधा देगा।संचार साथी मोबाइल ऐप को आज केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुरू किया। इसी के साथ उन्होंने दूरसंचार विभाग की दो अन्य पहलों राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन 2.0 के लिए दृष्टिकोण तथा 'डिजिटल भारत निधि' से वित्तपोषित 4जी मोबाइल साइट पर 'इंट्रा सर्किल रोमिंग' की भी शुरुआत की। दूरसंचार विभाग ने साल 2023 में संचार साथी का वेबसाइट पेश किया था। यह मंच धोखाधड़ी वाली फोन कॉल के खिलाफ कार्रवाई में एक प्रभावी तंत्र साबित हुआ है। नया ऐप ग्राहकों के लिए सुरक्षित परिवेश सुनिश्चित कर इन प्रयासों को दोगुना कर देगा।नए ऐप पेश करते हुए सिंधिया ने कहा कि 'संचार साथी' पहल '' एक सुरक्षित परिवेश प्रदान करती है जहां प्रत्येक ग्राहक की गोपनीयता तथा सुरक्षा सुरक्षित रहती है। 'इस एप के माध्यम से मोबाइल यूजर यह जान सकता है कि उसके नाम पर धोखाधड़ी से और कनेक्शन लिए गए हैं या नहीं और उसे ब्लॉक भी किया जा सकता है।

मुकेश अंबानी की रिलायंस ने दिखाया दाम

शेयर बाजार खुलते ही कर डाली 76,425 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन जहां एक तरफ शेयर बाजार में गिरावट जारी है वहीं, दूसरी तरफ मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तूफानी तेजी जारी है।मुकेश अंबानी कि कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज में 6 महीने बाद ऐसी तेजी देखने को मिल रही है।दरअसल, बीते दिन मुकेश अंबानी ने आरआईएल का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के नतीजे पेश किए हैं, जिसका असर शेयर पर देखने को मिल रहा है।तिमाही नतीजों में ईशा आकाश और अनंत तीनों की कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया है।जिस कारण मुकेश अंबानी ने एक ही दिन में 76425 करोड़ की कमाई कर डाली है.

मुकेश अंबानी की झोली में आए 76 हजार करोड़

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को कमजोर शुरुआत के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्टॉक्स में मजबूत शुरुआत हुई।आरआईएल में शुरुआती कारोबार में 4.5 फीसदी का उछाल देखने को मिला।मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बीते दिन 1,266.45 के लेवल पर बंद हुए थे।उस समय रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 17,19,158.86 था।वहीं आज बीएसई पर स्टॉक करीब 4.5 फीसदी की तेजी के साथ 1325.10 पर खुला।बीते 1 हफ्ते में शेयर में मूवमेंट आया है और करीब 4.5 फीसदी

उछला है।आज बाजार खुलते ही मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस का मार्केट कैप 17,95,583.99 पर पहुंच गया।यानी शेयर बाजार खुलते ही मुकेश अंबानी की झोली में 76 हजार करोड़ रुपए आ गए.रिलायंस के अच्छे तिमाही नतीजों का असर स्टॉक मूवमेंट पर देखने को मिल रहा है।अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 7.4 फीसदी और रेवेन्यू 7 फीसदी बढ़ा है।अक्टूबर-दिसंबर 2024 के बीच कंपनी की कमाई और प्रॉफिट बढ़ाने में उसकी डिजिटल यूनिट जियो इंफोकॉम का बड़ा हाथ रहा है।जियो इंफोकॉम का प्रॉफिट 24 प्रतिशत बढ़ा है.इसके अलावा रिलायंस रिटेल वेंचर्स ने भी अक्टूबर-दिसंबर की तीसरी तिमाही में 3,458 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है।कंपनी को बीते वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 3,145 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। ऐसे में रिलायंस रिटेल वेंचर्स का वाईओवाई (साल दर साल) 10 प्रतिशत का मुनाफा बढ़ा है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-53 सूर्यास्त. -17-59
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	मे	मकर...	06-37 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	कुंभ...	08-28 बजे
मंगल	कर्क	मे	मीन...	10-06 बजे
बुध-	धनु	मे	मेष...	11-42 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृष...	13-27 बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	मिथुन	15-28 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कर्क..	17-39 बजे
राहु-	मीन	मे	सिंह...	19-52 बजे
केतु-	कन्या	मे	कन्या...	22-00 बजे
			तुला....	00-04 बजे
			वृश्चिक...	02-13 बजे
			धनु......	04-27 बजे

दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी . 07-30 पूर्ण है दिन रात
मास - माघ कृष्ण , शनिवार 18 January
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 14-51 तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - शोभन 01-15 तक उप. अतिगण्ड
करण- कौलव 18-26 तक उप तैतिल
विशेष:- व्रत -त्योहार - लुम्भक योग

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:39 से 11:03 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल .	06:53 - 08:15	अशुभ	लाभ	17:59 - 19:39	शुभ
शुभ.	08:15 - 09:39	शुभ	उत्पात	19:39 - 21:15	अशुभ
रोग.	09:39 - 11:03	अशुभ	शुभ	21:15 - 22:51	शुभ
उत्पात	11:03 - 12:27	अशुभ	अमृत.	22:51 - 00:27	शुभ
चंचल.	12:27 - 13:51	शुभ	चंचल	00:27 - 02:03	शुभ
लाभ.	13:51 - 15:15	शुभ	रोग	02:03 - 03:39	अशुभ
अमृत	15:15 - 16:39	शुभ	काल	03:39 - 05:15	अशुभ
काल	16:39 - 17:59	अशुभ	लाभ	05:15 - 06:53	शुभ

नए टैक्स रिजीम में बचत-निवेश पर टैक्स छूट की मांग, बैंक डिपॉजिट पर बीमा कवर की बढ़े लिमिट

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश होने में केवल 15 दिन रह गए हैं।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट को अंतिम रूप देने में जुटी हैं।अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स वित्त मंत्री को बजट में अपनी मांगों की फेहरिस्त सौंप रहे हैं।अब बैंक डिपॉजिटर्स की गाढ़ी कमाई को सुरक्षा कवच देने के लिए 5 लाख रुपये से ज्यादा के डिपॉजिट्स पर भी बीमा कवर देने की मांग की गई है।फिलहाल बैंक कस्टमर्स के जितने भी पैसे बैंक में जमा हों उनके 5 लाख रुपये तक के जमा पर ही बीमा कवर मिलता है।

5 लाख से ज्यादा जमा राशि के लिये भी डिपाजिट बीमा की मिले सुविधा

वॉयस ऑफ बैंकिंग के फाउंडर और पूर्व बैंकर अशवनी राणा ने नित्त मंत्री को वित्त वर्ष 2025-26 के बजट के लिए बैंकों ग्राहकों और बैंक कर्मचारियों के हितों से जुड़े सुझाव सौंपे हैं।जिसमें बैंक डिपॉजिट्स पर मिलने वाले बीमा कवर की लिमिट को 5 लाख रुपये से बढ़ाने की मांग की गई है।बैंक कस्टमर्स के सेविंग अकाउंट, रेकरिंग डिपॉजिट या फिक्स्ड डिपॉजिट को मिलाकर भले ही 5 लाख रुपये से ज्यादा बैंक में जमा हो लेकिन बैंक के डूबने पर केवल 5 लाख रुपये तक के डिपॉजिट पर बी बीमा कवर मिलता है।पहले ये केवल 1 लाख रुपये था जिसे कुछ साल पहले बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया गया था।अशवनी राणा ने वित्त मंत्री को सुझाव दिया, 98.3% बैंक ग्राहक इस सुरक्षा कवच में आ जाते हैं, लेकिन जिन ग्राहकों की जमा राशि 5 लाख से अधिक है और उनको लगता है कि उनकी बैंकों

में जमा राशि सुरक्षित नहीं है उनके लिए एक विशेष डिपाजिट बीमा की शुरुआत करनी चाहिए जिसके द्वारा ग्राहक 5 लाख से अधिक की अपनी जमा राशि को कुछ प्रीमियम देकर सुरक्षित रख सकते हैं।सरकार के इस कदम से ग्राहकों को राहत महसूस होगी वहीं ग्राहक अपनी जमापूंजी दूसरी जगह जेसे चिटफंड, क्रिप्टो करेंसी, शेयर मार्किट या ऐसे अन्य जगहों पर इन्वेस्ट करने की जगह बैंकों में पैसे रखने को तरजीह देंगे।

बैंक जमा पर ब्याज दर में हो बढ़ोतरी

वॉयस ऑफ बैंकिंग ने एकीकृत शिकायत पोर्टल बनाने की मांग की है।यदि बैंकों के लिए भी एकीकृत शिकायत पोर्टल की शुरुआत होती है तो ग्राहक किसी भी बैंक की शिकायत एक पोर्टल पर करेगा और उस पोर्टल से शिकायत को सम्बंधित बैंक को भेज दिया जायेगा और ग्राहकों को शिकायत के लिय अलग अलग अधिकारियों और कार्यालयों को भेजना नहीं पड़ेगा।इस एकीकृत शिकायत पोर्टल में शिकायत दर्ज होने के बाद यदि एक निश्चित समय में शिकायत का समाधान किया जा सकेगा।सरकार से बजट में आकर्षक ब्याज दरों की डिपाजिट स्कीम को चालू करने की मांग की गई है और ब्याज पर लगने वाले टीडीएस को कम करने की गुजारिश की गई है।

नई कर व्यवस्था में निवेश और बचत आयकर पर छूट

नई टैक्स रिजीम में भी निवेश और बचत पर इनकम टैक्स छूट की मांग की गई है जो अभी नहीं मिलता है जो अभी नहीं मिलता है।जिससे निवेश और बचत की संस्कृति कम हो रही है।इसलिए सरकार को नई टैक्स व्यवस्था में निवेश और बचत पर भी छूट देने का सुझाव दिया है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी । आपकी सफल बातचीत भी काफी हद तक आपके करियर को आगे बढ़ा सकती है ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है । कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है । नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है । यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा और आगे जाकर आपकी कार्य क्षेत्र संबंधित समस्याओं का निराकरण करने में मदद करेगा जो की आपके स्वास्थय पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है। इन स्थितियों की वजह से उच्च भुगतान नौकरियों में अवसर बढ़ेंगे ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप कुछ समय से अपनी विलम्ब परियोजनाओं के लिए धन संचित कर रहे थे और अब अपनी योजनाओ के क्रियान्वयन का ये सही समय है । जब आप कुछ वस्तु खरीदने जायेंगे तो हो सकता है की आप कुछ बड़ी एवं सुव्यस्थित चीज को देखकर उसे खरीदने की सोचे परन्तु आपको अपने बजट के भीतर रहकर ही काम करना है। व्यय आज अपरिहार्य हैं, लेकिन आज अनाव्यशक चीजों पर खर्च करने से बचे ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा । आप से कम प्रतिभाशाली व्यक्ति आपके समक्ष आ सकता है।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्ययवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है । आपका लंबित कार्य जमा होता रहेगा जो की आपकी कार्य प्रणाली की दिनचर्या पर एक दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत इस साल भी सबसे तेजी से बढ़ेगा

वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती; डब्ल्यूईएफ बोला- द. एशिया में भारत ताकतवर

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था इस साल भी दुनिया में सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ती रहेगी। हालांकि, वैश्विक आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, कुछ सुस्ती के संकेतों के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि के मजबूत स्थिति बने रहने की उम्मीद है। इसके विपरीत, वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2025 में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

दुनियाभर के मुख्य अर्थशास्त्रियों का आकलन

दुनियाभर के मुख्य अर्थशास्त्रियों के आकलन के आधार पर तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि वृद्धि के लिहाज से दक्षिण एशिया लगातार आगे बना हुआ है। 61 फीसदी मुख्य अर्थशास्त्रियों का मानना है कि दक्षिण एशियाई जीडीपी इस साल मजबूत या बहुत मजबूत बनी रहेगी। इस क्षेत्र में यह प्रदर्शन काफी हद तक भारत में मजबूत वृद्धि का नतीजा है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। साथ ही राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मुताबिक, भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घटकर करीब दो साल के निचले स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई। यह आरबीआई के अनुमान से भी कम है। विश्व आर्थिक मंच ने कहा, उपभोक्ता मांग में कमी और कमजोर उत्पादकता के बीच चीन के लिए दृष्टिकोण बेहतर नहीं है। आने वाले वर्षों में चीन की वृद्धि दर धीरे-धीरे धीमी होती जाएगी।

फिक्की ने वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी किया

उद्योग मंडल फिक्की ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि दर अनुमान को 7 फीसदी से घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (फिक्की) का ताजा अनुमान 2023-24 में दर्ज वृद्धि दर की तुलना में काफी कम है। बीते वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी।

फिक्की ने कहा, अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर अल्पकालिक असर पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 56 फीसदी मुख्य अर्थशास्त्रियों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर रहने की आशंका जताई है।

सोना 115 रुपए बढ़कर 79,299 रुपए पर पहुंचा चांदी 90,755 रुपए प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 17 जनवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 115 रुपए बढ़कर 79,299 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का दाम 79,184 रुपए प्रति दस ग्राम था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 1,029 रुपए कम होकर 90,755 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले ये 91,784 रुपए प्रति किलो पर थी। सोने ने पिछले साल 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, चांदी 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

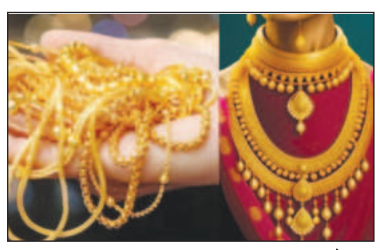

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 74,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,420 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 74,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,270 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 74,500 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 81,270 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 74,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,270 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 74,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,320 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 81,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 74,500 रुपये है। बीते साल सोने का भाव 20.22% बढ़ा। वहीं, चांदी की कीमत में 17.19% की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 63,352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,162 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया।

तीन दिनों की बढ़त के बाद बाजार का मूड फिर बिगड़ा, सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान पर हुए बंद

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन तीन दिनों की बढ़त गंवाकर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 423.49 (0.54%) अंक गिरकर 76,619.33 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 108.60 (0.47%) अंकों की गिरावट के साथ 23,203.20 के स्तर पर बंद हुआ। रिलायंस के शेयरों में तीसरी तिमाही के नतीजों के बाद 2.79% की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, विप्रो ने भी शुक्रवार को अपने नतीजे जारी कर दिए।प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी तीन दिन की तेजी के बाद शुक्रवार को नकारात्मक क्षेत्र में फिसल गए। इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में बिकवाली चलते ये गिरावट आई। विदेशी पूंजी के लगातार बाहर जाने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से भी बाजार पर दबाव बढ़ा। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 423.49 अंक या 0.55 प्रतिशत गिरकर 76,619.33 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 779.53 अंक या 1 प्रतिशत गिरकर 76,263.29 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 108.60 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 23,203.20 पर आ गया। 30 शेयरों वाली ब्लू-चिप कंपनी में से इंफोसिस में इस वित्तीय वर्ष में तीसरी बार वार्षिक बिक्री पूर्वानुमान बढ़ाने के बावजूद लगभग छह प्रतिशत की गिरावट आई। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी इंफोसिस लिमिटेड ने गुरुवार को मांग में वृद्धि के कारण तीसरी तिमाही के शुद्ध लाभ में 11.46 प्रतिशत की वृद्धि की सूचना दी, जिसके कारण कंपनी को इस वित्त वर्ष में तीसरी बार अपने वार्षिक बिक्री पूर्वानुमान को बढ़ाना पड़ा। एक्सिस बैंक के शेयर में भी तिमाही परिणामों के बाद 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। कोटक महिन्द्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिन्द्रा, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और बजाज फिनसर्व अन्य बड़े पिछड़े हुए बैंक रहे। इसके विपरीत, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2.50 प्रतिशत की बढ़त आई, क्योंकि कंपनी ने दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दिखी। इसका कारण खुदरा कारोबार में सुधार, उच्च टैरिफ के कारण दूरसंचार आय में वृद्धि और तेल व पेट्रोकेमिकल कारोबार का लगातार अच्छा प्रदर्शन है। जोमैटो सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला शेयर रहा, उसके बाद रिलायंस, नेस्ले, एशियन पेंट्स और पावर ग्रिड का स्थान रहा। एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो में गिरावट रही, जबकि शंघाई और हांगकांग में तेजी रही। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। गुरुवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 4,341.95 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत बढ़कर 81.43 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। 30 शेयरों वाला बीएसई इंडेक्स गुरुवार को 318.74 अंक या 0.42 प्रतिशत चढ़कर 77,042.82 पर पहुंच गया था। इसी तरह निफ्टी भी 98.60 अंक या 0.42 प्रतिशत चढ़कर 23,311.80 पर पहुंच गया था।

किरणदेव सिंह फिर चुने गए छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष

राष्ट्रीय महामंत्री तावड़े ने किया ऐलान, चुनाव अधिकारी बोले– 3 सेट के नामांकन में एक ही नाम

रायपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। किरणदेव सिंह छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष फिर से चुने गए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने इसका ऐलान कर दिया है। देर रात वो रायपुर पहुंचे। खुद किरणदेव ने ही एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। साथ में प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन भी मौजूद थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद के इस चुनाव को नौटंकी बता रही है।

गुरुवार रात पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके लिए चुनाव अधिकारी बनाए गए खूबचंद पारख ने बताया कि 3 सेट में नामांकन आए हैं। तीनों में किरणदेव सिंह का ही नाम था।

चुनाव अधिकारी खूबचंद पारख ने प्रक्रिया के बारे में बताया कि किसी व्यक्ति को अध्यक्ष बनने के लिए 3 बार का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है। 30 प्रस्तावक थे, केवल किरणदेव सिंह के नाम पर नामांकन जमा हुआ था।

धरमलाल कौशिक, नारायण चंदेल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के दावेदार माने जा रहे थे। दावेदारी की खबरों से ये नेता इनकार भी नहीं कर रहे थे और खुले तौर पर कुछ स्वीकार भी नहीं कर रहे थे। जब नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई तो दोनों ही नेता मंच पर किरणदेव से हाथ मिलाते दिखे, दोनों ने अपने नाम आगे नहीं किए। अध्यक्ष चुने जाने के बाद किरणदेव सिंह ने निकाय चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से अपील कर कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बीजेपी को जनता ने अपना पूरा सहयोग दिया है, अब कार्यकर्ताओं का चुनाव है, नीचे स्तर के चुनाव में जब हम जाते हैं तो कठिनाइयां आती है, मगर आप सभी के साथ से हम एक बार फिर से पंचायत से पार्लियामेंट तक भगवा लहराएंगे। कांग्रेस की ओर से सुशील आनंद शुक्ला ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया को लेकर कहा- ये है भाजपा का आंतरिक लोकतंत्र है, जहां पर चुनाव के नाम पर नौटंकी होती है। किरणदेव भारतीय जनता पार्टी के अकेले उम्मीदवार हैं, जिन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के लिए नामांकन किया। बड़े-बड़े लोगों के नामांकन फॉर्म लेने की चर्चा रही, लेकिन किसी को भी नामांकन नहीं भरने दिया गया।

अकेले किरणदेव की पर्ची ऊपर से आई उनका नामांकन किया गया। मतलब चुनाव की नौटंकी भारतीय जनता पार्टी ने की। राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी जब चयन किया गया तो जेपी नड्डा ने कब नामांकन भरा? कौन चुनाव अधिकारी था? किसके सामने नामांकन भरा? किस दिन नामांकन भरा? किसी को नहीं पता और जेपी नड्डा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दोबारा निर्वाचित हुए थे।

कंस्ट्रक्शन कारोबारियों के घर आईटी की रेड

तड़के 3 गाड़ियों से पहुंची टीम करोड़ों के टैक्स चोरी का इनपुट दस्तावेजों की चल रही जांच

रायपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में श्री श्याम इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिकों के घर पर आयकर विभाग ने छापा मारा है। दो से तीन कार में सवार होकर पहुंची अफसरों की टीम ने आज (शुक्रवार) सुबह अवंति विहार स्थित कारोबारियों के दफ्तर और घर में छापेमारी की है। कारोबारी कंस्ट्रक्शन से जुड़े कई बड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स के ठेके लेते हैं। इनका प्राइवेट डेवलपर्स का भी काम है।

आयकर विभाग को इनपुट मिला है कि कारोबारियों ने करोड़ों की टैक्स चोरी की हैं। इनके दफ्तर और घर पर दस्तावेजों की जांच चल रही है। जहां कार्रवाई चल रही है वहां मेन गेट पर पर राधेश्याम अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल और विशाल अग्रवाल ये नाम लिखे मिले हैं।

अस्पताल में घायल जवानों से मिले गृहमंत्री

आईईडी की चपेट में आए थे जवान, मुठभेड़ पर बोले– हार्डकोर एरिया में ऑपरेशन, सर्चिंग जारी

रायपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आईईडी की चपेट में घायल जवानों से गृह मंत्री रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित निजी अस्पताल में मिलने पहुंचे। उन्होंने जवानों से मिलकर हाल-चाल जाना। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही डॉक्टरों से चर्चा कर जवानों की स्थिति को समझा। फिलहाल कोबरा बटालियन के दोनों जवान खतरे से बाहर हैं।

दरअसल, गुरुवार दोपहर बीजापुर जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र में कोबरा बटालियन के 2 जवान आईईडी की चपेट में आ गए। साथी जवानों ने गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां से इन्हें रेफर कर रायपुर लाया गया। बताया जा रहा है कि पुतकेल कैंप से जवान सर्च ऑपरेशन पर निकले थे।

नक्सलियों ने इलाके में पहले से ही आईईडी लगा रखी थी। इसी

दौरान जवानों का पैर आईईडी पर पड़ा, जिससे जोरदार धमाका हुआ। दोनों जवानों के हाथ और पैर में चोटें आई थी। जिसके बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन भी चलाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए हैं। इसे लेकर गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बीजापुर के जिन इलाकों में मुठभेड़ हुई है। वह हार्डकोर एरिया है, सुरक्षा बलों को इन जगहों पर चलाए गए ऑपरेशन में बड़ी सफलता मिली है। जवानों ने दर्जनभर नक्सलियों को मार गिराया है। ऑपरेशन के बाद सर्चिंग जारी है उसके बाद स्पष्ट होगा कि नक्सलियों को कितना नुकसान हुआ है। फिलहाल बीजापुर में आईईडी से घायल हुए दोनों जवान खतरे से बाहर हैं।

डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी कर रही हैं। विजय शर्मा ने आगे कहा कि नक्सलियों को हथियार छोड़कर मुख्य धारा में वापस लौटना चाहिए। उनके 3 साल तक रहने खाने की व्यवस्था की जाएगी।

महाकुंभ में सिर्फ आधार कार्ड दिखाने पर मिलेगा बेड

छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को पवेलियन में फ्री रहना–खाना

रायपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 मेले में जाने वाले छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। महाकुंभ मेला स्थल में फ्री रहने खाने की व्यवस्था की गई है। पवेलियन में सिर्फ आधार कार्ड दिखाने से बेड की सुविधा मिलेगी। जहां आप आराम से रह सकते हैं। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रयागराज के सेक्टर 6 में लक्ष्मी द्वार के पास पवेलियन बनाया है, जो प्रयागराज रेलवे स्टेशन के पास ही है। यहां पास में ही गंगा घाट है, जहां पवित्र डुबकी लगाकर महाकुंभ की यात्रा को पूरा कर सकते हैं। कैसे फ्री में ये सभी सुविधाएं मिलेगी।

ट्रेन नंबर 08761/ 08762 और 08793/ 08794 छत्तीसगढ़ के लोगों को प्रयागराज लेकर जाएगी और वापस जाएगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों की शुरुआत हुई है। दुर्ग- कटनी कुंभ मेला स्पेशल व्हाया रायपुर, उसलापुर, पेंड्रा रोड अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, न्यू कटनी जंक्शन, कटनी मार्ग से चलाई जा रही है। इस गाड़ी में 4 सामान्य (जनरल) कोच, 14 स्लीपर कोच, 1 एसी थ्री, 1 एसी टू और 2 एसएलआर कोच सहित 22 कोच की सुविधा रहेगी।

रायपुर से जो फ्लाइट टिकट आमतौर पर 5 हजार रुपए प्रति व्यक्ति मिलता है, वह अब 15 हजार रुपए है। बिलासपुर से जो फ्लाइट का टिकट 3 हजार रुपए में मिलता है, वह 12 हजार रुपए तक पहुंच गया है।

वहीं ट्रेन में कन्फर्म सीटें नहीं मिल रही हैं। लोग तत्काल कोटे से या अलग-अलग जंक्शन से व्यवस्था करके प्रयागराज के लिए बमुश्किल टिकट ले पा रहे हैं।

रांची की लापता बहनें प्रेम प्रसंग का शिकार या फिल्म 'केरल स्टोरी' जैसा षड्यंत्र?

रांची, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र से दो सगी बहनों के लापता मामले का खुलासा तो पुलिस ने कर लिया है। पूछताछ में प्रेम प्रसंग का मामला भी सामने आया है। लेकिन कुछ पुलिस अधिकारी इस मामले को केरल डायरी फिल्म से भी जोड़ा कर देख रहे हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस मसले पर कोई नहीं बोल रहा है। लेकिन आशंका व्यक्त की जा रही है कि दोनों बहनों को बहला फुसला कर किसी आतंकी संगठन में शामिल कराया जा सकता था।

वहीं आरोपी मोहम्मद इस्माइल ने यह माना है कि वह बड़ी बहन से शादी करना चाहता था। सोशल मीडिया के जरिए उनकी दोस्ती हुई थी। इस मसले पर फिलहाल युवतियों से पूछताछ नहीं की गई है। दोनों पुलिस के संरक्षण में है। फिलहाल उनकी काउंसलिंग हो रही है। अभी दोनों बहने सदमे में है। ऐसे में जब वह सामान्य होगी। तब उनसे मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराया जाएगा और पूरी जानकारी ली जाएगी।

पूरे प्रकरण में आरोपी युवक और सगी बहनों की ओर से पुलिस को चकमा देने की कोशिश की गई। इस मामले में फिल्मी अंदाज में ऑडियो वायरल कर अपहरण की आशंका जताए जाने पर परिवार और पुलिस को मजबूर कर दिया गया। यह कहीं ना कहीं एक शातिर दिमाग वाले की करतूत है। यही वजह है कि इस पूरे मसले को केरल डायरी फिल्म से जोड़कर देखा जा रहा है। हैरत की बात यह है कि युवतियों का लोकेशन ट्रेस ना हो इसको लेकर भी पूरी तरह से आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

मुख्य आरोपी मोहम्मद इस्माइल ने फोन और सिम तोड़कर फेंक दिया था।फिर दोनों बहने बिना सिम वाले नए मोबाइल लेकर निकाली और रेलवे स्टेशन समेत आरोपी के सहयोगियों की मदद से वाई-फाई नेटवर्क इस्तेमाल करती रही। जिस तरह से वाई-फाई के जरिए कांटेक्ट का इस्तेमाल किया गया। यह भी सामान्य लोगों के बस की बात नहीं है। पूरी जानकारी रखने वाला ही।

इस तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। जिस तरह से पुलिस को चकमा देने के लिए वाईफाई तकनीक का इस्तेमाल किया गया। यह आम लोगों के प्लान का हिस्सा नहीं हो सकता। कहीं ना कहीं इन दोनों बहनों को भगा कर ले जाने की पीछे बड़ी प्लानिंग भी हो सकती है। हालांकि इस पूरे मसले पर अभी पूछताछ होनी बाकी है। जिसमें यह खुलासा हो जाएगा कि सिर्फ प्रेम प्रसंग की वजह से यह घटना घटी या फिल्म केरल डायरी जैसा हश्र भी हो सकता था।

कोल्हान के जंगलों में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

नक्सलियों का कैंप ध्वस्त, वॉकी–टॉकी सेट और 180 मीटर तार बरामद

चाईबासा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम सिंहभूम में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नक्सलियों के एक पुराने डंप कैंप को नष्ट कर दिया। गोईलकेरा थाना क्षेत्र के बोंगासिउ के पास जंगली पहाड़ी इलाके में की गई इस कार्रवाई में सुरक्षा बलों को महत्वपूर्ण सामग्री हाथ लगी है। बरामद सामग्री में तीन वॉकी-टॉकी सेट, दो चार्जर, एक रस्सी, 180 मीटर लंबा इलेक्ट्रिक तार, एक जोड़ी स्पोर्ट्स शूज और 500 लीटर का पानी का टैंक शामिल है। इसके अलावा कुछ अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी मिली हैं। यह अभियान गोईलकेरा और टोन्टो थाना क्षेत्र के कई गांवों में चलाया जा रहा है। इसमें कुईड़ा, छोटा कुईड़ा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र शामिल हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की तबीयत बिगड़ी

टाटा मेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया

रांची, 17 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सरायकेला के बीजेपी विधायक चंपाई सोरेन की तबीयत बिगड़ गई है। चंपाई सोरेन को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर उन्हे जमशेदपुर के टाटा मेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार सुबह तबीयत बिगड़ने के बाद चंपाई सोरेन को टाटा मेन अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। डॉक्टरों ने बताया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। चंपाई सोरेन ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर अपने स्वास्थ्य को लेकर अपडेट देते हुए लिखा है- 'अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं और बहुत जल्द पूर्णतः स्वस्थ्य होकर, आप सभी के बीच आऊंगा।'

टीएमएच के डॉक्टरों ने बताया कि पेट में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इमरजेंसी वार्ड में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने उनकी हालत को खतरे से बाहर बताया है। साथ ही उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। आज चंपाई सोरेन को डॉक्टरों की निगरानी में अस्पताल में ही रखा जाएगा। इसके बाद अगले दिन यानी शनिवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है। 67 वर्षीय चंपाई सोरेन की तबीयत इससे पहले 6 अक्टूबर 2024 को भी बिगड़ गई थी दो दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद उन्हे छुट्टी दे दी गई थी।

बैज बोले- भाजपा का नहीं, अंबेडकर का आरक्षण चाहिए

ओबीसी आरक्षण पर विशेष सत्र या अध्यादेश की मांग, कितने ईवीएम और वीवीपीएटी ये बताए सरकार

रायपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी का नहीं, बल्कि बाबा साहेब अंबेडकर का आरक्षण चाहिए।

ओबीसी आरक्षण के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करने वाली है। पीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि अभी चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं हुआ है। ऐसे में सरकार वर्तमान आरक्षण को रद्द कर फिर से आरक्षण कराए और ओबीसी आरक्षण को बहाल करें।

वहीं ईवीएम से चुनाव कराए जाने के फैसले को लेकर वीवीपीएटी मशीन कितने लगेंगे ये भी स्पष्ट करने की मांग बैज ने की है। रायपुर में कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में हुई प्रेस कॉन्फ्रेस में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य सरकार की वर्तमान आरक्षण प्रक्रिया के चलते प्रदेश में

ओबीसी वर्ग को नुकसान हुआ है। जिला पंचायत में एक भी सीट ओबीसी आरक्षित नहीं है। जबकि पहले प्रदेश के सभी जिला और जनपद पंचायत में 25 फीसदी सीटें ओबीसी के लिए आरक्षित होती थी। लेकिन अब अनुसूचित इलाकों में इस वर्ग का आरक्षण लगभग खत्म हो गया है। पीसीसी अध्यक्ष जिस तरह से संविधान का माखौल उड़ाते हैं, बाबा साहेब अंबेडकर जब जीवित थे तब कांग्रेस के लोगों ने उनको अपमानित किया। जब वे चुनाव लड़ रहे थे तब तत्कालीन प्रधानमंत्री ने उनके विरोध में प्रचार किया। भारत रत्न से वंचित रखा। जब भाजपा की सरकार थी तब उन्हें भारत रत्न दिया गया।

दीपक बैज ने कहा कि हार के डर से बीजेपी घबराई हुई है। पहले डिप्टी सीएम अरुण साव बैलेट पेपर से चुनाव कराने की बात कह चुके हैं, लेकिन अब यू-टर्न लेकर ईवीएम से चुनाव कराने का फैसला लिया है।

उन्होंने कहा कि इसके पहले जिन राज्यों में ईवीएम से चुनाव हुए उसमें बीजेपी की जीत हुई और बैलेट पेपर से हुए स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी को हार मिली।

झामुमो में कल्पना सोरेन को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दिलाने का श्रेय, अप्रैल में होगा पार्टी का महाधिवेशन

रांची, 17 जनवरी (एजेंसियां)। झामुमो का महाधिवेशन अप्रैल में आयोजित होने की संभावना है। इस बार जीत के जश्न के साथ बड़े पैमाने पर अधिवेशन करने की तैयारी शुरू की गई है। हालांकि, तारीख और जगह अभी तय नहीं है। महाधिवेशन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन को पार्टी में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की संभावना है।

उन्हें लोकसभा और विधानसभा चुनाव में स्टार प्रचारक बन कर पार्टी को शानदार जीत दिलाने का श्रेय मिला है। अब पार्टी के अंदर उनकी बड़ी जिम्मेदारी तय की जा रही है।

आने वाले दिनों में वे संगठन के मोर्चे पर भी अपनी भूमिका निभाती हुई नजर आ सकती हैं। पार्टी के भीतर उनके प्रभाव को और

मजबूत किया जा सकता है।

अधिवेशन स्थल को लेकर रांची या दुमका के नाम पर पार्टी में मंथन चल रहा है। इस बार महाधिवेशन में बिहार, असम, ओडिशा, बंगाल, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु से भी प्रतिनिधि शामिल होंगे। मालूम हो कि झामुमो का पिछला महाधिवेशन वर्ष 2021 में हुआ था। कोरोना के कारण अति सामान्य तरीके से अधिवेशन का आयोजन हुआ था। इस बार जीत के जश्न के साथ दूसरे राज्यों में भी प्रभाव बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने महाअधिवेशन होगा।

धनबाद-बोकारो के दो तस्कर गिरफ्तार

11 हिरणों के सींग और 7 पेंगोलिन के स्केल बरामद, पहले भी तस्करी में रहे हैं शामिल

जामताड़ा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा पर वन्य जीवों के अंगों की तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल वन विभाग की आसनसोल टेरिटोरियल रेंज ने दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लुप्तप्राय सांभर हिरण के तीन किलोग्राम सींग और सात पेंगोलिन के स्केल बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में बोकारो जिले के तिरला थाना क्षेत्र के बारीदारी गांव का 54 वर्षीय गणेश प्रसाद और धनबाद जिले के निरसा थाना क्षेत्र के केलियाशोल कांतजानी का 45 वर्षीय सुकुमार बाउरी शामिल हैं। वन विभाग की

स्पेशल टास्क फोर्स को गुप्त सूचना मिली थी कि तस्कर नियामतपुर के पास चलबलपुर के एक मैरेज हॉल में ठहरे हुए हैं।

रेंज ऑफिसर तमालिका चंद के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि ये तस्कर पहले भी वन्य जीवों की तस्करी में संलिप्त रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई किया गया है।

जसीडीह के प्रसिद्ध पागल बाबा आश्रम में चोरी

राधा–कृष्ण की चांदी की मुकुट समेत ढाई लाख कैश ले गए चोर, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

देवघर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। देवघर के जसीडीह स्थित ऐतिहासिक पागल बाबा आश्रम में बीती रात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने मंदिर से राधा-कृष्ण का चांदी का मुकुट, दो दानपेटियां जिनमें करीब ढाई लाख रुपये थे, चांदी जड़ित खड़ाऊ, भगवान का चांदी का अरघा, सिंहासन और चांदी के बर्तन समेत कई कीमती सामान चुरा लिए।

घटना का पता शुक्रवार को तब चला, जब भगवान की प्रातः कालीन पूजा के लिए मंदिर खोला गया। चोरों ने चढ़ावे की राशि निकालकर दानपात्र को आश्रम के पास क्षतिग्रस्त कर फेंक दिया, जो बाद में खोजबीन के दौरान मिला। घटना की सूचना मिलते ही जसीडीह पुलिस मौके पर पहुंची और आश्रम व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच में जुट गई है।

1967 में लीलानंद पगला बाबा द्वारा स्थापित यह आश्रम देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

यहां 24 घंटे, सातों दिन हरे राम-हरे कृष्णा का संकीर्तन होता है। आश्रम देवघर का एक प्रमुख दर्शनीय स्थल भी है। इस चोरी की घटना से क्षेत्र के श्रद्धालुओं में आक्रोश है और पुलिस से जल्द से जल्द चोरों को पकड़ने की मांग की जा रही है।

सूदखोर से परेशान किसान ने की खुदकुशी

बिलासपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सूदखोर से परेशान एक किसान ने जहर पीकर सुसाइड कर लिया। उसके पास से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें लिखा है कि कर्ज चुकाने के बाद भी उसे ब्याज देने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। मामला सकरी थाना क्षेत्र का है। शहर से लगे ग्राम भरनी निवासी बृजभान सिंह बिंझवार (56 साल) किसान था। 15 जनवरी को दोपहर वो अपने खेत में ट्यूबवेल को बंद करने गया था। इसके बाद शाम तक घर नहीं लौटा। घबराए परिजन उसकी तलाश में खेत पहुंचे।

परिजन ने बृजभान को आवाज दी लेकिन कोई जवाब नहीं आया। परिजन ने देखा कि वह खेत के पास एक कमरे में नीचे पड़ा था। इसके बाद परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां पता चला कि उसने कीटनाशक पी लिया है। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी है।

किसान के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें उसने लिखा है कि पेंडारी निवासी ज्वाला प्रसाद खांडे से कर्ज लिया था। कर्ज की रकम चुकाने के बाद भी वो ब्याज के पैसे देने के लिए दबाव बना रहा था। ज्वाला प्रसाद आए दिन उसे धमकी देकर परेशान करता था।

मृतक किसान बृजभान के परिजनों ने बताया कि आरोपी ज्वाला प्रसाद ने 90 हजार रुपए कर्ज दिया था, जिसका वह 3 लाख रुपए मांग रहा था। पैसे वसूली के लिए वह लगातार दबाव बना रहा था। किसान की तीन एकड़ जमीन पर ड्यूबवेल है। इसमें वह खेती करता था। सूदखोर ज्वाला ने जमीन की पर्ची अपने पास रख ली थी। इसके कारण बृजभान सोसाइटी में अपना धान नहीं बेच सका। उसे मजबूरी में अपना धान बिचौलियों को देना पड़ा। उसकी आए दिन की धमकी से परिजन भी परेशान थे।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि बृजभान ने साल 2023 में ज्वाला से 90 हजार रुपए उधार लिया था, जिसे वापस भी कर दिया था। लेकिन, ज्वाला खांडे 90 हजार का ब्याज सहित 3 लाख रुपए की मांग कर रहा था। इससे परेशान होकर उसे सुसाइड करना पड़ा। बिलासपुर सीएसपी निमितेश सिंह परिहार ने बताया कि, सुसाइड नोट को जब्त किया गया है। नोट के के आधार पर पुलिस ने सूदखोर ज्वाला खांडे को हिरासत में भी ले लिया है।

बिना काउंसिल सहायक शिक्षकों को पदस्थापना देने के मामले और हाईटेंशन लाइन को लेकर हुई सुनवाई

बिलासपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर हाईकोर्ट में शिक्षा विभाग में शासन के नियमों का उल्लंघन कर बिना काउंसिल सहायक शिक्षकों को पदस्थापना देने के मामले में सुनवाई हुई है। प्राइमरी स्कूलों में पदस्थ सहायक शिक्षकों को हेडमास्टर के पद पर प्रमोशन के बाद काउंसिलिंग के जरिए पोस्टिंग देने के आदेश हैं, लेकिन बिलासपुर के डीईओ ने कुछ सहायक शिक्षकों को काउंसिलिंग के बगैर पदस्थापना दे दी। इसे लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई है। हाईकोर्ट ने 27 दिसंबर 2024 को जारी पोस्टिंग आदेश के प्रभाव और क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है। याचिकाकर्ता हलधर प्रसाद साहू ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। याचिकाकर्ताओं के वकील अश्वनी शुक्ला ने कोर्ट में बताया कि प्राइमरी स्कूलों के शिक्षकों को हेडमास्टर के पद पर पदोन्नति के बाद काउंसिलिंग के जरिए पदस्थापना के आदेश हैं।

बाइक फ्लाईओवर की रेलिंग से टकराई, दो की मौत

इकलौते बेटे की मौत से टूटे माता–पिता बाइक सवारों ने नहीं पहना था हेलमेट

जामताड़ा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के जामताड़ा में गुरुवार देर रात एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा एनएच 419 स्थित बोदमा फ्लाईओवर पर हुआ। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर फ्लाईओवर की रेलिंग से टकराई और सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। दोनों ने ही हेलमेट नहीं पहना था।

मृतकों की पहचान शहरडाल के मंगलपाड़ा गांव निवासी अंजय हेंब्रम (20) और कीनूडीह गांव का रहने वाला मस्तान टुडू (20) के रूप में की गई। अंजय हेंब्रम माता-पिता का इकलौता पुत्र था तो मस्तान टुडू के माता-पिता की बचपन में ही मौत हो चुकी थी।

इधर, इकलौती संतान अंजय की मौत से युवक के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

दोनों युवक अच्छे दोस्त थे और साथ में मजदूरी किया करते थे। मृतक मस्तान के चाचा देवेंद्र मुर्मू ने बताया कि मस्तान जब 4 साल का था तो उसकी पिता की मौत हो गई थी।

वहीं, जब वो 12 की उम्र में पहुंचा तो उसकी मां ने दम तोड़ दिया। मस्तान अपने बड़े भाई के साथ रहकर मजदूरी कर गुजारा करता था।

रात करीब 11 बजे दोनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जामताड़ा की ओर जा रहे थे। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था। हादसे के बाद काफी देर तक दोनों सड़क पर पड़े रहे। जब राहगीरों की उनपर नजर पड़ी तो उन्होंने स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है।

विदेश मंत्रालय बोला- यूक्रेन-रूस जंग में 12 भारतीयों की मौत

रूसी सेना की तरफ से लड़ रहे 16 लापता, फंसे भारतीयों को वापस लाएंगे

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। रूस की तरफ से जंग लड़ रहे अब तक 12 भारतीयों की यूक्रेन में मौत हो गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा, 'अब तक 126 भारतीय नागरिकों के रूसी सेना में शामिल होने के मामले सामने आए हैं। इनमें से 96 लोग भारत लौट आए। रूस में अभी भी 18 भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं, जिनमें से 16 की कोई जानकारी नहीं मिल रही है। हम इनकी स्वदेश वापसी के लिए काम कर रहे हैं।' रूस-यूक्रेन जंग 24 फरवरी 2022 से चल रही है। इस दौरान रूसी सेना पर आरोप लगे कि उसने जंग में भाड़े और दूसरे देशों के कई लोगों को जबरन भेज दिया है। इनमें कई भारतीय भी शामिल थे। ये नौकरी की तलाश में रूस गए थे, लेकिन वहां फंस गए। प्रवक्ता जायसवाल ने कहा

कि बिनिल बाबू की मौत बेहद दुखद है। हमने उनके परिवार से बात की है। हम रूसी अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। हम जल्द से जल्द बिनिल बाबू के शव को लाने की कोशिश कर रहे हैं। बिनिल बाबू (32 साल) केरल के त्रिशूर जिले के वडक्कनचेरी के रहने वाले थे। वे कई महीने से वापस भारत लौटने के लिए गुहार लगा रहे थे। प्रवक्ता जायसवाल ने कहा कि एक और भारतीय जैन टी कुरियन घायल हुए हैं। वे बिनिल के रिश्तेदार हैं। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। भारतीय दूतावास उनके संपर्क में हैं। उनका स्वास्थ्य बेहतर होते ही उन्हें वापस भारत लाए जाने की प्रक्रिया शुरू होगी।

प्रवक्ता जायसवाल ने कहा कि भारत ने रूस के समक्ष इस मामले को जोरदार तरीके से उठाया है और रूसी सेना से सभी भारतीयों की जल्द से जल्द छोड़ने की अपनी मांग दोहराई है।

बिनील और कुरियन नौकरी की तलाश में रूस गए थे। वे जून 2024 में इस जंग में फंस गए। उन्हें यूक्रेनी इलाके में रूसी सैनिकों को खाना पहुंचाने और गड्ढा खोदने का काम दिया गया था। बाद में रूसी सेना ने उन दोनों को जंग में फ्रंटलाइन पर भेज दिया। बिनील बाबू के साले सनीश स्कारिया ने एक महीने पहले अपने घर फोन किया था और कहा था कि वे शायद उन्हें फिर से फोन न कर पाएं, क्योंकि वे जंग लड़ने यूक्रेनी इलाके में जा रहे हैं। बिनील बाबू रूस जाने से पहले बिजली मिस्त्री और कुरियन मैकेनिक का काम कर रहे थे।

दक्षिण कोरिया में 179 लोगों की जान लेने वाले प्लेन क्रैश पर बड़ा खुलासा

सियोल, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले महीने 179 लोगों की जान लेने वाले दक्षिण कोरिया की एयरलाइंस के विमान हादसे को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक, विमान हादसा पक्षी के टकराने के चलते हुआ था। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने एक अज्ञात स्रोत के हवाले से बताया है कि जेजू एयर के दुर्घटनाग्रस्त बोइंग विमान के दोनों इंजनों में पक्षियों के पंख और खून पाया गया है। दक्षिण कोरिया के परिवहन मंत्रालय ने इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है कि जेट के इंजन में ऐसी कोई सामग्री पाई गई थी या नहीं। बीते साल के आखिर में 29 दिसम्बर की सुबह जेजू एयर का विमान दक्षिण कोरिया के मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक भयानक हादसे का शिकार हो गया था। हादसे में 179 लोग मारे गए थे और केवल चालक दल के दो सदस्य ही जिंदा बचे थे। यह बोइंग 737-800 विमान था, जो थाईलैंड से आ रहा था। विमान ने रनवे पर बेली-लैंडिंग की थी और दीवार से टकराकर लपटों का शिकार हो गया।

हमास से जंग रोकने के खिलाफ इजराइल के रक्षा मंत्री

नेतन्याहू सरकार से समर्थन वापसी की धमकी दी, आज ही सीजफायर डील पर साइन हुए

तेल अवीव/दोहा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइल के सुरक्षा मंत्री और दक्षिणपंथी नेता बेन-ग्विर इतामार ने हमास के साथ सीजफायर डील का विरोध किया है। गुरुवार शाम बेन-ग्विर ने डील को मंजूरी देने पर सरकार से समर्थन वापस लेने की धमकी दी।

ग्विर ने हमास के साथ समझौते को बड़ी लापरवाही कहा है। उन्होंने कहा कि उनकी ओत्ज़मा येहुदित पार्टी नेतन्याहू की लिकुड पार्टी से गठबंधन तोड़ देगी। साथ ही दोबारा सरकार में शामिल होने के लिए गाजा में फिर से युद्ध शुरू करने की शर्त भी रखी है।

इजराइल और हमास ने सीजफायर डील पर साइन कर दिए हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है। डील को लेकर आज सिक्योरिटी कैबिनेट की मीटिंग होगी। सरकार शनिवार को इसे मंजूरी देगी। इसके बाद 19 जनवरी से सीजफायर लागू होगा। इससे पहले गुरुवार को डील को मंजूरी देने के लिए कैबिनेट की मीटिंग होनी थी। लेकिन हमास की मांगों को लेकर पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने मीटिंग कर रद्द कर दी थी। नेतन्याहू ने

आरोप लगाया था कि हमास आखिरी समय में समझौते की शर्तों से मुकर रहा है। इजराइल टाइम्स के मुताबिक, हमास ने फिलिस्तीनी कैदियों की पहचान से जुड़ा मुद्दा उठाया था, जिसे बाद में मध्यस्थों की मदद से हल कर लिया गया। बुधवार को कतर के पीएम ने डील के फाइनल होने पुष्टि हुई थी।

ये डील 3 फेज में पूरी होगी। पहले फेज में इजराइल के 33 बंधकों को रिहा किया जाएगा। बदले में इजराइल भी 250 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इजराइली सेना भी गाजा से पीछे हटेगी। डील के मुताबिक सीजफायर का पहला फेज 42 दिन का होगा। पहले फेज में हमास 33 इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। बदले में इजराइल भी हमास के 250 कैदियों को रिहा करेगा। साथ ही इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। सीजफायर के लिए पिछले कई हफ्तों से कतर की राजधानी दोहा में बातचीत चल रही थी। इस बातचीत में मिस्र और अमेरिका भी शामिल थे। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक कतर पीएम थानी ने हमास और इजराइल के प्रतिनिधियों से बुधवार को मुलाकात की, जिसके बाद ये डील पूरी हुई। बंधकों की पहली फेज की रिहाई के 15 दिन बाद हमास बाकी बंधकों को रिहा करेगा। इस बीच दोनों पक्ष स्थायी सीजफायर पर बात करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को सीजफायर का क्रेडिट लेने का दावा किया। ट्रम्प ने इस डील में ट्रम्प के प्रतिनिधि को भी शामिल किया था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि ये ऐतिहासिक समझौता, राष्ट्रपति चुनाव में हमारी जीत की वजह से हो पाया।

ट्रम्प ने कहा कि ये डील मेरे प्रशासन की शांति स्थापित करने और अमेरिका व उसके सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास का सबूत है।

व्हाइट हाउस पर ट्रक हमला, भारतीय को 8 साल जेल

बाइडेन को मारना चाहता था, 6 महीने प्लानिंग की

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में व्हाइट हाउस पर हमले की कोशिश में भारतीय नागरिक साई वर्षित कंडुला को गुरुवार को 8 साल की सजा सुनाई गई है। कुंडला ने 22 मई 2023 को किराए के ट्रक से हमले की योजना बनाई थी। उसे 13 मई 2024 को अमेरिकी संपत्ति को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के आरोप में दोषी ठहराया था।

पूछताछ में उसने बताया था कि वो सरकार पर कंट्रोल कर राष्ट्रपति जो बाइडेन को मारना चाहता था। इसके लिए 6 महीने से प्लानिंग कर रहा था। भारत के चंदनगर में जन्मा कंडुला अमेरिका का स्थायी निवासी था और उसके पास ग्रीन कार्ड था।

न्याय विभाग के मुताबिक, इस हमले का उद्देश्य अमेरिका की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंककर नाजी विचारधारा से प्रेरित तानाशाही स्थापित करना था। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक कुंडला ने 22 मई 2023 को सेंट लुइस से फ्लाइट के जरिए वॉशिंगटन पहुंचा। शाम 5:20 बजे डलेस एयरपोर्ट पर लैंड होने के बाद उसने 6:30 बजे एक ट्रक किराए पर लिया। इसके बाद उसने डिनर किया और ट्रक में फ्यूल भरवाया। इसके बाद कुंडला वॉशिंगटन डीसी की तरफ बढ़ा। रात 9:34 बजे उसने व्हाइट हाउस और राष्ट्रपति पार्क की सुरक्षा में लगे बैरियर से ट्रक टकरा दिया।

पहली बार टक्कर मारने के बाद उसने ट्रक को पीछे लिया और दोबारा कोशिश की। दूसरी कोशिश में ट्रक खराब हो गया

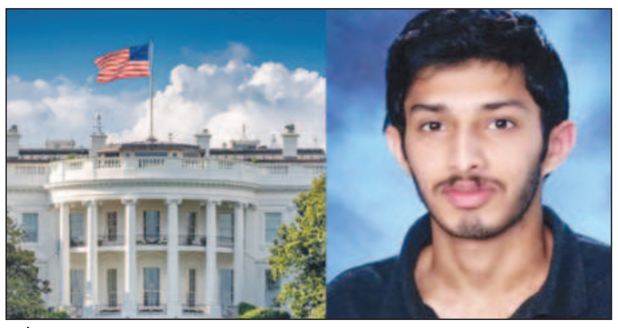

और इंजन से धुआं निकलने लगा। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने घटनास्थल पर ही कुंडला को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक इंजन खराब होने के बाद कुंडला ड्राइवर सीट से उतरकर ट्रक के पिछले हिस्से में गया। उसने एक बैग नाजी फ्लैग निकाला और उसे लहराना शुरू कर दिया था।

इस हमले के बाद व्हाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक में कैपिटल हिल के पास बैरिकेड्स से वाहनों के टकराने की घटना पहले भी हो चुकी है। 6 जनवरी 2021 को हुई कैपिटल हिंसा के करीब तीन महीने बाद, एक कार ने दो कैपिटल पुलिस अधिकारियों को टक्कर मार दी थी। इसमें एक की मौत हुई थी, दूसरा घायल हो गया था।

यौन शोषण के आरोपों को लेकर अब्बे पियरे की बढ़ी मुश्किलें

न्यायिक जांच शुरू करने की मांग

पेरिस, 17 जनवरी (एजेंसियां)। फ्रांसीसी चर्च ने औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि अभियोजक अब्बे पियरे के खिलाफ जांच शुरू करें। अब्बे पियरे एक समय के जाने-माने पादरी और मानवतावादी प्रतीक थे, जिनकी मृत्यु 2007 में हुई थी। उनके विरुद्ध यौन शोषण के नए खुलासे हुए हैं। फ्रांसीसी बिशप्स कॉन्फ्रेंस (सीईएफ) के अध्यक्ष आर्कबिशप एरिक डी मौलिंस-ब्यूफोर्ट ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया, 'हमें सच्चाई की तह तक जाने की जरूरत है। अपराध में अवतक सामने नहीं आए पीड़ितों, सहयोगियों और नाकामियों को उजागर करना चाहिए। हेनरी ग्रूएस के रूप में पैदा हुए अब्बे पियरे को गरीबों के साथ उनके अथक परिश्रम और एम्मास आंदोलन की स्थापना के लिए जाना जाता था।

पुतिन के विरोधी रहे एलेक्सेई नवलनी के तीन वकीलों को जेल

चरमपंथी गतिविधि में शामिल होने का आरोप

मॉस्को, 17 जनवरी (एजेंसियां)। रूस में पुतिन के सबसे बड़े विरोधी रहे एलेक्सेई नवलनी के तीन वकीलों को जेल में डाल दिया गया है। तीनों वकीलों को चरमपंथी समूहों के साथ शामिल होने के आरोप में सजा हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एलेक्सेई नवलनी के वकील रहे वादिम कोबजेव, इगोर सर्गुनिन और एलेक्सेई लिप्सटर को पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। तीनों को पेतुश्की शहर की अदालत ने यह सजा सुनाई है, जो रूस की राजधानी मॉस्को से 100 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है।

एलेक्सेई नवलनी की फरवरी 2024 में जेल में ही मौत हो गई थी। नवलनी को विभिन्न आपराधिक मामलों में 19 साल जेल की सजा हुई थी, जिनमें देशद्रोह का मामला भी शामिल

था। अब नवलनी के वकीलों को जेल की सजा को रूसी सरकार द्वारा विरोधियों पर शिकंजा कसने के रूप में देखा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक वकील कोबजेव ने अदालत में कहा था कि 'नवलनी के विचारों को प्रसारित करने के लिए हम पर मुकदमा चलाया गया।' रूसी सरकार ने नवलनी के संगठन फाउंडेशन फॉर फाइटिंग करप्शन एंड नेटवर्क ऑफ रीजनल ऑफिसेज को चरमपंथी समूह घोषित किया था और इस पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वकीलों पर आरोप है कि उन्होंने नवलनी से जानकारी लेकर उसे नवलनी के संगठन के लोगों को प्रसारित की। नवलनी के इस संगठन से जुड़े लोगों को निशाना बनाने की पुतिन विरोधियों ने तीखी आलोचना की है। नवलनी के दो अन्य वकील भी रूस में वांछित हैं, लेकिन वे दोनों फिलहाल रूस में नहीं रहते। उल्लेखनीय है कि नवलनी रूस में पुतिन के सबसे बड़े विरोधी माने जाते थे। नवलनी को साल 2021 में गिरफ्तार किया गया था और विभिन्न मामलों में दोषी पाते हुए उन्हें 19 साल जेल की सजा सुनाई थी। हालांकि नवलनी पर लगे आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया गया था। नवलनी की जेल में मौत के बाद भी इसका आरोप पुतिन पर लगा था।

मस्क के स्टारशिप की 7वीं टेस्टिंग पूरी तरह कामयाब नहीं

बूस्टर लॉन्चपैड पर वापस आया, लेकिन स्पेसशिप में ऑक्सीजन लीक, आसमान में ही ब्लास्ट हुआ

टेक्सास, 17 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का सातवां टेस्ट पूरी तरह कामयाब नहीं रहा। भारतीय समयानुसार 17 जनवरी को सुबह 4:00 बजे टेक्सास के बोका चिका से रॉकेट लॉन्च किया गया। लॉन्चिंग के 8 मिनट बाद बूस्टर (निचला हिस्सा) अलग होकर वापस लॉन्च पैड पर आ गया। शिप (ऊपरी हिस्सा) में ऑक्सीजन लीक होने से ब्लास्ट हो गया। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। स्टारशिप में 6 रैप्टर इंजन लगे हैं। स्टारशिप का छठा टेस्ट 20 नवंबर 2024 को सुबह 03:30 बजे टेक्सास के बोका चिका से किया गया था। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी टेस्ट देखने के लिए स्टारबेस पहुंचे थे। इस टेस्ट में बूस्टर को लॉन्च करने के बाद वापस लॉन्चपैड पर कैच किया जाना था, लेकिन सभी पैरामीटर ठीक नहीं होने के कारण इसे पानी में लैंड कराने का फैसला लिया गया। वहीं स्टारशिप के इंजन को स्पेस में फिर से चालू किया गया। इसके बाद हिंद महासागर में लैंडिंग हुई। स्टारशिप का पांचवां टेस्ट 13 अक्टूबर 2024 को किया गया था। इस टेस्ट में पृथ्वी से 96 किमी ऊपर भेजे गए सुपर हैवी बूस्टर को लॉन्चपैड पर वापस लाया गया, जिसे मैकेजिला ने पकड़ा। मैकेजिला दो मेटल आर्म हैं जो चॉपस्टिक्स की तरह दिखाई देती हैं। वहीं स्टारशिप की पृथ्वी के वायुमंडल में री-एंट्री कराकर हिंद महासागर में कंट्रोल्ड लैंडिंग कराई गई। स्टारशिप ने जब पृथ्वी के वातावरण में एंट्री की तब उसकी रफ्तार 26,000 किलोमीटर प्रति घंटे थी और तापमान 1,430°C तक पहुंच गया था। स्टारशिप का चौथा टेस्ट 6 जून 2024 को हुआ था, जो सक्सेसफुल रहा था। 1.05 घंटे के इस मिशन को बोका चिका से शाम 6.20 बजे लॉन्च किया गया था। इसमें स्टारशिप को स्पेस में ले जाया गया, फिर पृथ्वी पर वापस लाकर पानी पर लैंड कराया गया। टेस्ट का मेन गोल यह देखना था कि स्टारशिप पृथ्वी के वातावरण में एंट्री के दौरान सर्वाइव कर पाता है या नहीं। टेस्ट के बाद कंपनी के मालिक इलॉन मस्क ने कहा था, 'कई टाइल्स के नुकसान और एक डैमेज्ड फ्लैप के बावजूद स्टारशिप ने समुद्र में सॉफ्ट लैंडिंग की।'

ये टेस्ट 14 मार्च 2024 को हुआ था। स्पेसएक्स ने बताया था कि स्टारशिप रीएंट्री के दौरान सर्वाइव नहीं कर पाया, लेकिन उसने उड़ान के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वहीं इलॉन मस्क ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल आधा दर्जन स्टारशिप उड़ान भरेंगे।

ब्रिटेन ने बाल यौन शोषण के पीछे जातीयता और सांस्कृतिक कारणों की 'जांच' का दिया आदेश

लंदन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन सरकार ने बाल यौन शोषण के आधार पर बढ़ने वाले गिरोहों के पैमाने और प्रकृति की 'त्वरित जांच' का आदेश दिया है, जिसमें अपराधों के पीछे 'सांस्कृतिक और सामाजिक कारणों' का पता लगाने के लिए जातीयता डेटा की जांच भी शामिल है। ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर ने गुरुवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में एक बयान में योजनाओं की रूपरेखा तैयार की, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे की कई प्रमुख जांचों में 'पाकिस्तानी विरासत गिरोह' शामिल हैं। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की तरफ से अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर ऐतिहासिक घोटाले से निपटने के ब्रिटेन के तरीके पर हमले के बाद से इस घोटाले की राष्ट्रीय जांच की बढ़ती मांगों के बीच, मंत्री ने संसद को बताया कि बाल यौन शोषण कार्यबल अपने द्वारा एकत्रित और प्रकाशित किए जाने वाले जातीयता डेटा का तुरंत विस्तार करेगा। यवेट कूपर ने सांसदों को बताया, 'कई प्रमुख जांचों में पाकिस्तानी विरासत गिरोह शामिल रहे हैं।

सुनीता विलियम्स ने आठवीं बार स्पेसवॉक की

स्पेस स्टेशन से बाहर निकलीं, 6 :30 घंटे तक आईएसएस के बाहरी हिस्से की मरम्मत की

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर गुरुवार शाम भारतीय समय के मुताबिक 6 बजकर 30 मिनट से स्पेसवॉक शुरू की। इस दौरान उनके साथ अंतरिक्ष साथी एस्ट्रोनॉट निक हेग भी थे।

नासा ने दोनों के स्पेसवॉक का लाइव फुटेज शेयर किया है। इस स्पेसवॉक का मकसद न्यूट्रॉन स्टार इंटीरियर कंपोजिशन एक्सप्लोरर (एनआईसीईआर) एक्स-रे टेलीस्कोप की मरम्मत करना है। इस मिशन का नाम 'यूएस स्पेसवॉक-91' है। यह मिशन सुनीता विलियम्स के करियर में 8वीं और हेग की चौथी स्पेसवॉक है। यह स्पेसवॉक करीब साढ़े छह घंटे तक चली।

सुनीता और उनके सहयोगी निक हेग ने इस स्पेसवॉक के दौरान आईएसएस के बाहरी हिस्से पर मरम्मत से जुड़े काम किए। इनमें स्टेशन की दिशा तय करने

वाले इंस्ट्रूमेंट्स की मरम्मत, एनआईसीईआर एक्स-रे टेलीस्कोप पर लाइट फिल्टर्स को पैच करना और एक इंटरनेशनल डॉकिंग एडॉप्टर पर लगे रिफ्लेक्टर डिवाइस को बदलना शामिल था।

सुनीता विलियम्स 12 साल के बाद स्पेसवॉक कर रही हैं। वह एक्स्ट्रावेहिकुलर एक्टिविटीज (ईवीए) में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती हैं, जो आईएसएस के संचालन और अपग्रेड के लिए बेहद जरूरी है।

नासा ने पिछले साल मई में अंतरिक्ष यात्रियों की स्पेसवॉक को रोक दिया था। दरअसल तब एक अंतरिक्ष यात्री के सूट के कूलिंग लूप (कूलिंग प्रणाली में पानी का उपयोग होता) से एयरलॉक (वह जगह जहां से अंतरिक्ष यात्री बाहर निकलते हैं) में पानी लीक होने लगा था। इस समस्या के दूर होने के बाद पहली बार किसी अंतरिक्ष यात्री ने स्पेसवॉक किया है।

सुनीता विलियम्स 7 महीने से ज्यादा समय से अंतरिक्ष में हैं। वे पिछले साल जून में बुच विल्मोर के साथ आईएसएस पर पहुंची थीं। उन्हें एक सप्ताह के बाद लौटना था। दोनों बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल के टेस्ट के लिए गए थे, लेकिन इसमें खराबी आने के बाद दोनों आईएसएस पर ही रुक गए। इसके बाद से दोनों वहीं फंसे हुए हैं।

नासा ने सुनीता और बुच विल्मोर को फरवरी 2025 में इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लाने की जानकारी दी थी। लेकिन अब उनके लौटने में और ज्यादा वक्त लग सकता है।

नासा ने पिछले महीने कहा था कि उन्हें मार्च 2025 के अंत का इंतजार करना होगा। यह तारीख अप्रैल की शुरुआत तक भी बढ़ सकती है।

अमेरिका ने एच-1बी वीजा में आज से किए बड़े बदलाव

भारतीय पेशेवरों पर क्या होगा असर

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने शुक्रवार यानी 17 जनवरी से अपने एच-1बी वीजा प्रोग्राम में बड़े बदलाव किए हैं। एच-1बी वीजा ही दुनियाभर के कुशल पेशेवरों को अमेरिका में रहने और काम करने की सुविधा देता है। भारतीय पेशेवरों को इस एच-1बी वीजा से बहुत फायदा मिलता है और इसकी वजह से ही लाखों भारतीय अमेरिका में काम कर रहे हैं। यकीनन इन बदलावों का भारतीय पेशेवरों पर भी असर पड़ेगा। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अमेरिका की आव्रजन नीति में यह आखिरी सुधार है क्योंकि 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की

शपथ लेने जा रहे हैं।

एच-1बी वीजा का संचालन यूनाइटेड स्टेट्स सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) द्वारा किया जाता है। साल 2023 में अमेरिका ने जितने भी एच-1बी वीजा जारी किए थे, उनका लाभ पाने वाले 70 प्रतिशत पेशेवर भारतीय ही थे। माना जा रहा है कि नए बदलावों से भारतीयों को फायदा मिल सकता है। किसी संगठन द्वारा बड़ी संख्या में एच-1बी वीजा आवेदन न किए जाएं, इस पर रोक के लिए नियमों को बेहतर किया गया है ताकि सभी को मौके मिल सकें। जो छात्र अमेरिका में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं और अमेरिका में काम करना चाहते हैं, उनके एफ-1 वीजा को एच-1बी वीजा में बदलने की प्रक्रिया को आसान किया गया है। नए नियमों के तहत विशेषज्ञ पेशे में बदलाव किए गए हैं। इनके तहत पात्र पदों को भरने के लिए स्नातक डिग्री की जरूरी होगी, लेकिन कुछ मामलों में इसमें छूट भी दी जा सकती है और अगर उनकी योग्यता नौकरी से संबंधित है तो बिना विशेषज्ञ डिग्री भी उन्हें प्राथमिकता दी जा सकती है। यूएससीआईएस ने एच-1बी वीजा के वैकल्पिक को खत्म करने के लिए प्रक्रिया में तेजी लाने का प्रावधान किया है ताकि योग्य पेशेवरों को एच-1बी वीजा के लिए ज्यादा इंतजार न करना पड़े। बदलावों को नियोक्ता के लिए अधिक लचीला बनाया गया है और वे अपनी जरूरतों के हिसाब से विशिष्ट पेशेवरों की नियुक्ति कर सकेंगे। साथ ही कंपनी में हिस्सेदारी रखने वाले बिजनेसमैन भी अब एच-1बी वीजा के लिए स्वयं याचिका दायर कर सकेंगे। नए नियमों के तहत एच-1बी वीजा धारकों का अचानक निरीक्षण भी हो सकेगा और अगर निरीक्षण में कुछ खामियां पाई गई तो वीजा रद्द भी किया जा सकेगा। साथ ही अब एच-1बी वीजा के साथ एक नया अपडेट फॉर्म आई-129 भी भरना अनिवार्य होगा।

राजस्थान के 450 सरकारी स्कूल बंद

पहले 190 और अब 260 स्कूलों पर लगा ताला, केवल हिंदी मीडियम को किया बंद

बीकानेर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रदेश सरकार ने अब हिंदी मीडियम के 260 सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया है। इससे पहले 190 स्कूलों को बंद किया गया था। ऐसे में पिछले एक सप्ताह में कुल 450 स्कूलों पर ताला लग दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने गुरुवार देर रात स्कूल बंद होने का आदेश निकाला था। अंग्रेजी मीडियम का कोई भी सरकारी स्कूल बंद नहीं किया गया है।

260 में से कम नामांकन वाले 14 स्कूलों को बंद कर पास के दूसरे स्कूल में मर्ज किया गया है। जिसमें जयपुर, अजमेर, पाली, ब्यावर, बीकानेर, हनुमानगढ़ और जोधपुर के स्कूल शामिल हैं। इसमें कुछ ऐसे स्कूल भी है, जिसमें 300 के आस-पास लड़कियां पढ़ रही है। अब इन्हें बॉयज स्कूल में मर्ज कर दिया। 9 ऐसे स्कूल बंद किए गए हैं, जिनके पास ही माध्यमिक शिक्षा का बड़ा स्कूल संचालित है। इन स्कूलों में प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूल को मर्ज किया गया है। इसमें जालोर, अजमेर, बीकानेर, हनुमानगढ़, जोधपुर और डूंगरपुर के 9 स्कूल शामिल है।

हिन्दी माध्यम स्कूल के परिसर में ही संचालित हो रहे दूसरे प्राइमरी व उच्च प्राइमरी स्कूल भी मर्ज हुए हैं, जिसमें जयपुर के 2 स्कूल हैं। प्रारम्भिक शिक्षा के 35 उन स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है, जहां पहले से छात्र संख्या कम है। प्रदेश के 200 प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूल को 0 छात्र संख्या का मानते हुए बंद किया गया है। इन स्कूलों को पास के ही सैकेंडरी व सीनियर सैकेंडरी स्कूल में मर्ज किया गया है। इसमें अजमेर, कोटपुतली-बहरोड़, अलवर, खैरथल-तिजारा, बांसवाड़ा, बारां, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, चूरू, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, उदयपुर आदि क्षेत्रों के स्कूल बंद किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम के काफिले का एक्सीडेंट

दौसा में नीलगाय से टकराई कार दिल्ली से अजमेर से जा रहे थे

दौसा,17 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा में जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला के काफिले की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा शुक्रवार दोपहर 1.45 बजे के आस-पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर हुआ।

बताया जा रहा है कि नीलगाय अचानक काफिले की कार के सामने आ गई। इससे एस्कॉर्ट कर रही दिल्ली पुलिस की कार क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर के कारण कार के सामने के दोनों एयरबैग खुल गए थे। फारूक अब्दुल्ला सुरक्षित हैं। वे अजमेर दरगाह जियारत करने जा रहे थे।

दौसा डिप्टी एसपी रविप्रकाश शर्मा ने बताया- काफिले में कुल 5 कारें थीं। पूर्व सीएम की कार के पीछे चल रही दिल्ली पुलिस की एस्कॉर्ट कार नीलगाय से टकराई थी। कार का बोनट डैमेज हुआ है। बाकी किसी को कोई चोट नहीं आई।

उन्होंने बताया कि यह घटना दोपहर 1.40 बजे हुई। दोपहर 2 बजे काफिला अजमेर के लिए रवाना हो गया। दुर्घटनाग्रस्त कार दौसा सदर थाने में खड़ी करवाई गई है। कार में सवार एक ड्राइवर और एक हेड कॉन्स्टेबल पप्पूराम मीणा दौसा ही रुके हैं। बाकी 2 पुलिसकर्मी काफिले की दूसरी कारों में एडजस्ट होकर अजमेर चले गए।

जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के ससुर रहे हैं। हालांकि अब सचिन पायलट और अब्दुल्ला की बेटी सारा का तलाक हो गया है।

गहलोत बोले- नए नियम उच्च शिक्षा को बर्बाद कर देंगे

चहेतों को यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर-कुलपति लगाएंगे

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा और आरएसएस पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए तल्ख कमेंट किए हैं। गहलोत ने यूजीसी के नए ड्राफ्ट प्रावधानों पर सवाल उठाते हुए इन नियमों को उच्च शिक्षा को बर्बाद करने वाला बताया है।

गहलोत ने एक्स पर लिखा- बीजेपी-आरएसएस का 10 साल से पूरा प्रयास रहा है कि वह देश के तमाम संस्थानों पर दबाव बनाकर उन्हें अपने कब्जे में कर ले। आज ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स, दिल्ली पुलिस समेत तमाम केंद्रीय एजेंसियां और चुनाव आयोग जैसे स्वतंत्र संगठन भी सरकार के इशारे पर ही काम कर रहे हैं।

गहलोत ने लिखा-इसी सरकार के कार्यकाल में सुप्रीम कोर्ट के जजों तक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह कहा कि ज्यूडिशियरी पर दबाव है। पूरा देश इन संस्थानों की इस पक्षपातपूर्ण कार्यशैली को लेकर चिंतित है, राहुल गांधी का इसी परिप्रेक्ष्य में दिया गया बयान पूरी तरह उचित है।

गहलोत ने लिखा- आरएसएस की मंशा शुरुआत से ही सरकार में शामिल होकर उसका अंग बनना है, इसलिए वो आजादी की लड़ाई में भारत की जनता के साथ न रहकर अंग्रेज सरकार के साथ रहे। ऐसा लगता है कि अब भी आरएसएस-भाजपा का एजेंडा सभी संस्थानों पर कब्जा कर उनका इस्तेमाल विपक्ष और जनता के विरुद्ध करना का है।

गहलोत ने लिखा-सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से संबंधित एक मामले में टिप्पणी की कि ईडी की मंशा केवल लोगों को आरोपी बनाकर जेल में बंद रखने की है। इस टिप्पणी से स्पष्ट है कि ईडी का इस्तेमाल केंद्र सरकार जनता को डराने के लिए कर रही है।

राहुल गांधी का बयान देशवासियों को ऐसी गंभीर स्थिति के बारे में चेताने वाला है। इस बयान को तोड़-मरोड़ कर भाजपा नेता केवल महंगाई, बेरोजगारी जैसे मूल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने और मीडिया के माध्यम से उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

गहलोत ने लिखा- ऐसा लगता है कि यूजीसी की तरफ से विश्वविद्यालयों में कुलपति और शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति के लिए बनाया गया नियमों का ड्राफ्ट आरएसएस विचारकों को विश्वविद्यालयों में स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए बनाया गया है। इस ड्राफ्ट के अनुसार अब वाइस चांसलर बनने के लिए एकेडमिशियन होने की बाध्यता भी नहीं रहेगी और राज्य के विश्वविद्यालयों में भी वाइस चांसलर की नियुक्ति केंद्र सरकार ही करेगी। इन नियमों से विश्वविद्यालयों में अनुबंधित प्रोफेसरों की संख्या 10% भी हो सकेगी, यानी चहेते लोगों को प्रोफेसर की तरह लगाना आसान होगा। पूर्व सीएम ने लिखा - ऐसे नियम हमारी उच्च शिक्षा को बर्बाद कर देंगे, क्योंकि इससे अयोग्य लोगों के विश्वविद्यालयों में काबिज होने का खतरा होगा। यह देश की संघीय व्यवस्था के साथ खिलवाड़ होगी, क्योंकि इससे राज्यों के अधिकार कम होंगे।

बर्ड फ्लू ने बढ़ाई दहशत

उड़ते-उड़ते अचानक खेत में गिरे 14 कुरजां मरने वाले पक्षियों की संख्या 28 हुई

जैसलमेर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। जैसलमेर में कुरजां (डेमोइसेल क्रेन) पक्षियों के मरने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह उड़ते हुए कुरजां अचानक से खेत में गिर गई और थोड़ी देर में ही 14 पक्षियों ने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया।

पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक उमेश प्रगतिवार ने बताया कि सबसे पहले देगराय ओरण इलाके में 14 कुरजां पक्षी मृत मिले थे। यहां 11 जनवरी को 6, 12 जनवरी को 2 कुरजां के शव मिले थे। इसके बाद 13 जनवरी को 2, 15 जनवरी को 3 और 16 जनवरी को 1 कुरजां का शव मिला था। 17 जनवरी को मोहनगढ़ के बांकलसर गांव में एक साथ 14 कुरजां के शव मिले हैं। अब तक 28 कुरजां की मौत हो चुकी है। जैसलमेर जिले में इन दिनों कुरजां में बर्ड फ्लू फैला हुआ है। भोपाल से आई रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद वन और पशुपालन विभाग की टीम अलर्ट होकर काम कर रही है। कुरजां की हो रही लगातार मौतों के बाद लोगों में इस बीमारी को लेकर दहशत फैल गई है।

पांच सरकारी इंजीनियर्स को पीटा, गाड़ी में आग लगाई

थार सवार बदमाशों ने बोलेरो को घेरकर हमला किया, डिनर कर लौट रहे थे

सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), 17 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट के 5 इंजीनियर्स के साथ बदमाशों ने पहले जमकर मारपीट की और फिर गाड़ी को आग लगा दी। हमले में गंभीर घायलों ने बड़ी मुश्किल से खेतों में भागकर अपनी जान बचाई।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने इंजीनियर्स को लूटने का भी प्रयास किया था। घटना बुधवार (15 जनवरी) रात 11.30 बजे सूरतगढ़ के राइयांवाली कस्बे की है। राजियासर पुलिस ने एक नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ गुरुवार (16 जनवरी) को मामला दर्ज किया है।

डिनर कर लौट रहे थे, रास्ते में रोककर किया हमला

थर्मल पावर प्लांट एक्सईएन घनश्याम अग्रवाल ने बताया कि जेईएन नरेंद्र सिंह देवड़ा, एईएन प्रवीण जाखड़, जेईएन विशाल द्विवेदी व एलएमओ अमित चौधरी पीपेरण के पास 15 जनवरी को एक रिसॉर्ट में डिनर करने के लिए गये थे। वापस थर्मल कॉलोनी लौटते दौरान वे राइयांवाली बाइपास के पास टॉयलेट करने के लिए रुके थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार थार गाड़ी आई और बोलेरो के पास रुकी। थार में सवार एक व्यक्ति ने उनसे पूछा कि कौन हो और यहां कैसे खड़े हो। तब उन्होंने कहा कि वे थर्मल पावर प्लांट में इंजीनियर हैं और कॉलोनी वापस जा रहे हैं। जिसके बाद सभी बदमाश गाड़ी से नीचे उतरे और लाठी, डंडों से उन पर हमला कर दिया। जिससे घनश्याम अग्रवाल और नरेंद्रसिंह देवड़ा घायल हो गए। पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि हमले के दौरान वो अंधेरे में खेतों में भाग गए। बदमाशों ने भी उनका पीछा किया, लेकिन वे बच गए। उसके बाद उन्होंने अपने सीनियर्स और पुलिस को हमले की जानकारी दी। इसके बाद आरोपियों की गाड़ी का भी नंबर नोट किया। इसी के आधार पर पुलिस ने उनकी पहचान की है। हालांकि, इस मामले में अब तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। सीआई सतीश यादव ने बताया कि वारदात के बाद बदमाशों ने बोलेरो गाड़ी में आग लगा दी।

हमले में घायल एक्सईएन घनश्याम और जेईएन नरेंद्र सिंह के सिर पर चोट लगी है। उन्हें थर्मल की आवासीय कॉलोनी स्थित डिस्पेंसरी में भर्ती कराया गया था। जहां प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को छुट्टी मिल गई।

एक और कोचिंग स्टूडेंट ने सुसाइड किया

जेईई की तैयारी कर रहा था, हॉस्टल में फंदा लगाया

कोटा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा में जेईई की तैयारी कर रहे एक कोचिंग स्टूडेंट ने पंखे से फंदा लगा कर सुसाइड कर लिया। ओडिशा का रहने वाला अभिजीत गिरी (18) अप्रैल 2024 से कोटा में रह रहा था। पंखे में हैंगिंग डिवाइस भी नहीं लगा हुआ था। फिलहाल सुसाइड के कारण सामने नहीं आए। कोटा में पिछले 10 दिन में कोचिंग स्टूडेंट के सुसाइड का यह तीसरा मामला है।

एएसआई लालसिंह तंवर ने बताया कि गुरुवार रात को साढ़े 8 बजे सूचना मिली कि अंबेडकर कॉलोनी में जैन विला रेजिडेंसी हॉस्टल में एक जेईई स्टूडेंट ने पंखे पर फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। हॉस्टल मालिक राजेंद्र जैन ने बताया कि अभिजीत अप्रैल 2024 से इस हॉस्टल में रह रहा था और जेईई की तैयारी कर रहा था। 15 जनवरी को किराए के लिए बात हुई थी, तब अभिजीत ने कहा था कि मैं एक महीना और यहां रहूंगा।

18 सेकेंड में दुश्मन को तबाह करने वाली नाग मिसाइल

निशाना लगाओ और भूल जाओ की तकनीक 36 साल बाद थर्ड जनरेशन सेना के बेड़े में

जोधपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। ये ताकत है एडवांस एंटी टैंक गाइडेड स्वदेशी मिसाइल नाग की। नाग की तीसरी पीढ़ी के सफल परीक्षण के बाद अब भारतीय सेना की ताकत कई गुना बढ़ती नजर आ रही है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने नाग मिसाइल एमके 2 का 13 जनवरी को पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में सफल परीक्षण किया। नाग एमके 2 एंटी-टैंक मिसाइल है। यह 'फायर-एंड-फॉरगेट' तकनीक पर काम करती है। मतलब एक बार निशाना लगाने के बाद मिसाइल खुद ही उसे तबाह कर देती है।

नाग मिसाइल का बाहरी भाग फाइबरग्लास से बना है। इसे दिन और रात हर मौसम में भारी बख्तरबंद टैंकों से नष्ट करने के लिए विकसित किया गया है। नाग मिसाइल 230 मीटर प्रति सेकेंड की गति से अपने लक्ष्य पर प्रहार करती है। चार किलोमीटर दूर दुश्मन को 18 सेकेंड में तबाह कर देती है। इसमें एक बूस्टर रॉकेट पिछले सिरे की ओर स्थित है। नाग में चार मुड़ने योग्य पंख और चार पूंछ पंख होते हैं, जो उड़ान के दौरान इसे स्थिर रखते हैं। इसमें ट्रैकिंग कैमरा भी लगा है, जो टारगेट को ट्रैक करता है। डिजिटल ऑटो पायलट लॉन्च के बाद गाइड करने, स्थिरता और नियंत्रण में मदद करता है।

यह मिसाइल इतनी एडवांस है कि किसी भी समय, किसी भी मौसम में फायर एंड फॉरगेट तकनीक पर काम करेगी। मिसाइल कैरियर व्हीकल एनएएमआईसीए-2 की टेक्नोलॉजी भी कई गुना बढ़ी है और यह सतह और पानी दोनों में चल सकता है। यह इंडियन थर्ड जनरेशन मिसाइल है, जो रक्षा के क्षेत्र में इसे बहुत बड़ा डेवलपमेंट माना जा रहा है। बता दें कि इस मिसाइल का विकास 1988 में एपीजे अब्दुल कलाम ने शुरू किया था। 36 साल बाद इसकी थर्ड जनरेशन सेना में शामिल होगी। इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल प्रोग्राम के तहत डीआरडीओ पांच मिसाइल पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल, आकाश और नाग पर काम कर रहा है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य देश को मिसाइल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सेल्फ सफिशिएंट बनाना है। इसे डीआरडीओ की ओर से और भारत डायनामिक्स लिमिटेड की ओर से निर्माण किया गया।

एयर टू ग्राउंड वेरिएंट : इसे हेलिना या ध्रुवास्त्र के नाम से जाना जाता है। इस मिसाइल को लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर से लॉन्च किया जा सकता है। यह 7 किलोमीटर दूर दुश्मन पर वार कर नष्ट कर सकती है। हेलिना में दो फायर मोड हैं- डायरेक्ट और टॉप अटैक। यह मिसाइल फ्यूचरिस्टिक कवच को मात देकर टैंक को नष्ट करने की क्षमता रखती है। इसकी लेंथ 1.3 मीटर, डायमीटर 0.16 मीटर, वेट 43 किलोग्राम है। ऑपरेशनल रेंज 7 किलोमीटर और वारहेड का वेट 8 किलो ग्राम है। मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल : भारत की तीसरी पीढ़ी की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है।

माउंट आबू में तापमान 0 डिग्री, बारिश का अलर्ट

कोहरे-शीतलहर की चपेट में कई जिले, 31 जनवरी तक सर्दी से राहत नहीं मिलेगी

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में मावठ का दौर अभी नहीं थमेगा। वहीं, 31 जनवरी तक सर्दी से कोई राहत मिलने की भी उम्मीद नहीं है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने 22 जनवरी से राजस्थान में एक नए वेदर सिस्टम के एक्टिव होने की संभावना जताई है। इसके प्रभाव से उत्तर-पूर्वी राजस्थान के जिलों में बारिश हो सकती है। इसके साथ ही शुक्रवार को 24 जिलों में कोहरे और 4 जिलों में शीतलहर का प्रभाव देखा जा रहा है।

पिछले 24 घंटे में भरतपुर, जयपुर संभाग के जिलों में सुबह हल्के बादल और धुंध रही, जिससे सूरज की चमक कमजोर रही। सीकर, चूरू, गंगानगर, जयपुर, समेत उत्तरी और पूर्वी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में दिनभर सर्द हवाएं चली।

दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट होने से सर्दी तेज हो गई। वहीं, हिल स्टेशन माउंट आबू में गुरुवार रात का तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। एक ही दिन में न्यूनतम तापमान में 4.6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

पोस्ट ऑफिस से गायब हो गया एफडीआर का लाखों रुपए

घरों में झाड़ू-पोंछा करके जोड़े थे रुपए, महिला रोते हुए बोलीं- बुढ़ापा कैसे कटेगा?

पाली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पाली के पोस्ट ऑफिस (डाकघर) से कई लोगों का फिक्स डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) का लाखों रुपया गायब हो गया है। ये लोग एक-एक रुपए जमा कर पैसा जोड़ रहे थे। एफडीआर की अवधि पूरी होने पर जब पोस्ट ऑफिस पहुंचे तो पता चला कि उनका अकाउंट ही नहीं है। लोगों को एक रुपए भी नहीं मिला। शहर के सरदार पटेल नगर में रहने वाली पुष्पादेवी अग्रवाल (75) ने बताया- पति रतनलाल अग्रवाल ने जनरल स्टोर चलाकर परिवार को पाला। मैंने लोगों के घरों में झाड़ू-पोंछा किया, बर्तन साफ किए। पापड़ भी बेले। हमने पिछले 50 साल में एक-एक रुपए जोड़कर 10 लाख रुपए की बचत की थी। 2 नवंबर 2019 को 5-5 लाख रुपए की दो एफडीआर के रूप में पोस्ट ऑफिस औद्योगिक क्षेत्र पाली में 5 साल के लिए एफडी करवाई। 2 सितंबर 2024 को पूरी हुई, ब्याज सहित 14 लाख 62 हजार 526 रुपए मिलने थे। जब पासबुक लेकर पोस्ट ऑफिस पहुंचे तो पता चला कि हमारे नाम से कोई अकाउंट ही नहीं है। न ही पैसा है। यह सुनकर हमारे पैरों तले जमीन खिसक गई। हमने मुख्य पोस्ट ऑफिस में लिखित में शिकायत दर्ज करवाई। एडवोकेट गजेंद्रसिंह राजपुरोहित के जरिए स्थायी लोक अदालत में परिवाद दर्ज किया।

पुष्पा देवी ने कहा- यह 10 लाख रुपए हमारी जीवन भर की जमा पूंजी थी। मुझे घुटनों का ऑपरेशन कराना है। पति के शुगर है। एक बेटा आर्थिक रूप से कमजोर है। दो पोते जवान हो चुके हैं। उनकी शादी करनी है। सोचा था कि बचत का पैसा समय पर काम आएगा, लेकिन जब पोस्ट ऑफिस गए तो दिल बैठ गया। अब हमारा बुढ़ापा कैसे कटेगा?

पाली के राजेंद्र नगर निवासी रामवरण प्रजापत (38) फैक्ट्री में मुनीम है। उन्होंने बताया- 15 हजार रुपए सैलरी मिलती है। पत्नी मंजू घर रहकर कई साल से साड़ी फॉल लगाने का काम कर रही है। दंपती ने 2010 में डेढ़ लाख रुपए का एक प्लॉट खरीदा था। इसे 2019 में 4 लाख रुपए में बेच दिया। इस पैसे में रिश्तेदार से 2 लाख रुपए लेकर 6 लाख रुपए की एफडीआर करा दी। पैसा पोस्ट ऑफिस औद्योगिक क्षेत्र पाली में 30 दिसंबर 2019 को पैसा जमा कराया। दिसंबर 2024 में जब पासबुक लेकर पोस्ट ऑफिस गए तो पता चला कि हमारा कोई अकाउंट ही नहीं है। कर्मचारी ने बताया कि मेरा 1 भी रुपए जमा नहीं है।

जयपुर, कोटा, जोधपुर में हो सकता है एक ही नगर-निगम

राजस्थान में शहरी निकायों की सीमाएं बदलेंगी, चार मंत्रियों की कमेटी करेंगी रिव्यू

जयपुर,17 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के बाद अब सरकार शहरी निकायों का भी पुनर्गठन करने जा रही है। नगर निगम, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं की सीमाओं में बदलाव करने और नए शहरी निकाय बनाने और खत्म करने का आकलन करने के लिए सरकार ने मंत्रियों की कमेटी का गठन किया है। इस पुनर्गठन के बाद ही चुनाव होंगे। निकाय चुनाव का समय बढ़ाने और वन स्टेट-वन इलेक्शन के लिए भी पुनर्गठन को अहम माना जा रहा है। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को कैबिनेट सब कमेटी का संयोजक बनाया गया है। इस कमेटी में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, वन मंत्री संजय शर्मा और सहकारिता मंत्री गौतम कुमार को मेंबर बनाया गया है। मंत्रियों की कमेटी शहरी निकायों का पुनर्गठन करने के लिए खाका तैयार करेगी। इसके अलावा लोगों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं से भी फीडबैक लेगी। जो इलाके नगर पालिका, नगर परिषद या शहरी निकाय बनने के मापदंडों को पूरा नहीं करते उनमें छूट देने के लिए भी कैबिनेट सब कमेटी को अधिकृत किया गया है। राजनीतिक आधार पर वार्डों में फेरबदल को लेकर भी स्थानीय मांग के हिसाब से यह कमेटी फैसला करेगी। कैबिनेट सब कमेटी कई शहरों में निकायों के अपग्रेडेशन को भी रिव्यू करेगी। गहलोत राज में बनाए गए दो-दो नगर निगमों के फैसले का भी कमेटी रिव्यू करेगी।

एसएचओ नाना और स्टाफ मामा बनकर भात भरने पहुंचे

बोले- कुक ने 35 साल खाना बनाकर खिलाया, उनकी बेटी को आशीर्वाद देने गए

अलवर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर के सदर थाने में 35 साल से बतौर लांगरी (कुक) पूरे स्टाफ को खाना बनाकर खिलाने वाले तेज सिंह की बेटी की शादी में पुलिसकर्मी नाना और मामा बनकर पहुंचे। उन्होंने शादी में भात दिया। कुक की पत्नी ने अपने भातियों का स्वागत किया। रिश्तेदार और लोगों ने तालियां बजाकर पूरे पुलिस स्टाफ का स्वागत किया।

कुक बोले- मैं जिंदगी भर इस पल को नहीं भूल सकूंगा। मुझे बड़ी खुशी मिली है। कुक तेज सिंह के माता-पिता का केवल दो साल की उम्र में निधन हो गया था। उन्हें 12 साल की उम्र में कुक बनना पड़ा था।

एसएचओ पूनिया ने बताया- तेज सिंह थाने में कुक हैं। इसी थाने में 35 सालों से बड़े प्रेम से खाना खिलाया है। 8 दिन पहले तेज सिंह ने चैंबर में आकर अपनी बेटी की शादी का कार्ड दिया। शादी के दो दिन पहले तक वे थाने में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। पूरे स्टाफ ने मिलकर तय किया कि वे मायरा लेकर शादी में जाएंगे। बहन की बेटी की शादी में आवश्यक सहयोग करेंगे। महिला एसआई कुसुमलता ने कहा- एक परिवार की तरह हम यहां मायरा भरने आए हैं। मेरे खुद के भाई भी भात लेकर आए हैं लेकिन पुलिस की पूरी टीम घर पहुंची तो बहुत अच्छा लगा है। इससे हमारी खुशी बढ़ी है। पुलिस के घर आने का पहले मैसेज आ गया था। तब से परिवार में खुशी थी।

दुल्हन आरती ने कहा - मुझे खुशी है कि पापा ने अच्छे से काम किया है। एसएचओ साहब मेरे नाना बनकर आए। इतना सब कुछ किया है। इसलिए खुशी है। दूसरे पुलिसकर्मी मामा बनकर आए हैं। मेरे परिवार में बहुत खुशी है। पहली बार घर पर पापा के थाने का पूरा स्टाफ आया है। बेटी के पिता तेज सिंह बोले- हमारे घर में खुशी का माहौल है। पूरे थाने का स्टाफ आया। सबने 1 लाख 11 हजार रुपए भात में दिए हैं। इसके अलावा पूरा सामान दिया है।

ईडी ने पूर्व-मंत्री को आरोपी नहीं बनाया, ठेकेदार को जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-जेएमएम घोटाले में जिसे फायदा पहुंचाने की बात, वो ही आरोपी नहीं

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाला मामले में पीएचईडी ठेकेदार पदमचंद जैन को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई, एजी मसीह और के विनोद चंद्रन की बेंच ने गुरुवार को जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा- इस पूरे मामले में जिस मंत्री (तत्कालीन पीएचईडी मंत्री महेश जोशी) को फायदा पहुंचाने के लिए लेनदेन की बात कही गई है, ईडी ने उसे ही मामले में आरोपी नहीं बनाया है। मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवेल के संचालक पदमचंद जैन को ईडी ने 13 जून 2024 को गिरफ्तार किया था। हाईकोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर करते हुए कहा था कि मामले में सह आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। ट्रायल में लंबा समय लगेगा। ऐसे में जमानत पर रिहा किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अभी ट्रायल में अधिक समय लगेगा। हम बिना ट्रायल के आरोपी की हिरासत को सजा में तब्दील नहीं कर सकते हैं। मामले में मुख्य सबूत दस्तावेजी प्रकृति के हैं, जिन्हें ईडी पहले ही जब्त कर चुकी है। ऐसे में उनसे छेड़छाड़ की आशंका नहीं है।

अभी आरोप तय होने हैं और 50 गवाहों का परीक्षण किया जाना है। प्रमाण के रूप में हजारों दस्तावेज हैं। ऐसे में इनमें लंबा समय लगेगा। ईडी के वकील ने जमानत का विरोध करते हुए कहा- आरोपी पीएचईडी से टेंडर घोटाले में करीब 136.41 करोड़ रुपए की बड़ी राशि के गबन में शामिल है। सह आरोपी पीयूष जैन और संजय बड़ाया की तुलना में इसके आरोप गंभीर प्रकृति के हैं।

राजस्थान के पीएचईडी (पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट) में अलवर के बहरोड़ में पोस्टेड एक्सईएन मायालाल सैनी, नीमराना में पोस्टेड जेईएन प्रदीप के साथ रिश्वत देने वाले ठेकेदार पदमचंद जैन और कंपनी के सुपरवाइजर मलकेत सिंह को एसीबी टीम ने 7 अगस्त 2023 को गिरफ्तार किया था।

सुरक्षा बलों का पीएलजीए बटालियन नंबर-1 के खिलाफ अभियान जारी

कोत्तागुडेम, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने सीपीआई (माओवादी) पार्टी की पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन नंबर-1 के खिलाफ गुरुवार को बड़ा अभियान शुरू किया है। बताया गया कि कोबरा बटालियन क्रमांक 204, 205, 206, 208, 210 और सीआरपीएफ बटालियन क्रमांक 229, सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा जिलों के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के 1,800 से अधिक जवान दक्षिण बस्तर संभाग के पामेड़-बासागुड़ा-उसूर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान में शामिल थे।

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि सुरक्षा बलों और पीएलजीए बटालियन क्रमांक 1 तथा सेंट्रल रीजनल कमेटी (सीआरसी) के बीच हुई मुठभेड़ में 12 कट्टर नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं, साथ ही हथियार भी बरामद हुए हैं। शाम पांच बजे तक सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद विस्तृत जानकारी दी जाएगी। बताया जा रहा है कि नक्सली बटालियन ने बीजापुर और सुकमा जिलों की सीमा पर तलीपेरू और चिंतावागु नदियों के किनारे डेरा डाला हुआ था। सूचना के आधार पर, छह टुकड़ियों में तैनात सुरक्षा बलों ने पीएलजीए बटालियन नंबर 1 को घेर लिया, जिसका नेतृत्व उसका कमांडर हिडमा कर रहा था, लेकिन बताया जा रहा है कि वह भागने में सफल रहा।

सूत्रों के अनुसार पीएलजीए की बटालियन नंबर-1 में करीब 180 नक्सली हैं, जिन्हें दो कंपनियों में बांटा गया है। बटालियन की स्थापना 2008 में की गई थी और इसके पास एके सीरीज की राइफलें, मोर्टार और यूबीजीएल (अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर) हैं। अच्छी तरह से प्रशिक्षित और अत्यधिक अनुशासित बटालियन को खत्म करना छत्तीसगढ़ पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। गुरुवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट में दो जवान मृदुल बर्मन और मोहम्मद इशाक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए रायपुर ले जाया गया।

नगरपालिका कार्यालय की बिजली आपूर्ति कटी

बकाया बिलों के कारण सीईएसएस ने लिया एक्शन

राजन्ना-सिरसिला, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सहकारी विद्युत आपूर्ति सोसायटी (सीईएसएस) ने बकाया बिलों के कारण सिरसिला नगरपालिका कार्यालय की बिजली आपूर्ति काट दी है। नगरपालिका को 4,58,90,749 रुपये का बकाया बिल चुकाना है।

इस संबंध में सीईएसएस के अधिकारियों ने पिछले साल दिसंबर और इस महीने में दो बार नोटिस जारी किया था। नगर निगम अधिकारियों की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर सीईएसएस के अधिकारियों ने शुक्रवार को बिजली आपूर्ति काट दी। इससे नगर निगम कार्यालय में अंधेरा छा गया है। कंप्यूटर और इंटरनेट सेवाएं ठप होने से विभिन्न अनुभागों के अधिकारी और कर्मचारी अंधेरे में काम कर रहे हैं।

डीजीपी ने महबूबनगर और नारायणपेट जिलों की पुलिस की समीक्षा बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने महबूबनगर और नारायणपेट जिलों में अपराध की रोकथाम, कानून और व्यवस्था बनाए रखने और बेहतर पुलिसिंग के माध्यम से सार्वजनिक सेवाओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की। यात्रा के हिस्से के रूप में, डीजीपी ने महबूबनगर पुलिस मुख्यालय में नव स्थापित कमांड और कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। उन्नत तकनीक से लैस, यह सुविधा पूरे जिले में अपराधों की निगरानी करने और आपात स्थिति के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया करने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन की गई है।

उद्घाटन के बाद, डॉ. जितेन्द्र ने महबूबनगर जिला मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक बैठक की अध्यक्षता की, जहां उन्होंने महबूबनगर और नारायणपेट जिलों में पुलिस बलों के प्रदर्शन और संचालन की समीक्षा की। बैठक के दौरान नारायणपेट एसपी योगेश गौतम ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें अपराध की प्रवृत्ति, उन्हें संबोधित करने के लिए उठाए गए कदम और जिले में प्रदान की जाने वाली सार्वजनिक सेवाओं पर प्रकाश डाला गया। महबूबनगर एसपी डी. जानकी ने महबूबनगर जिले में कानून और व्यवस्था प्रबंधन, प्राथमिकता वाले मामलों की जांच और अपराध विश्लेषण पर विस्तार से बताया। इन प्रस्तुतियों में दोनों जिलों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों, उन्हें संबोधित करने की रणनीतियों और पुलिस कर्मियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को रेखांकित किया गया। डीजीपी ने सर्कल इंस्पेक्टरों (सीआई) और पुलिस उपाधीक्षकों (डीएसपी) के साथ आमने-सामने चर्चा की ताकि महत्वपूर्ण मामले के विवरण और उनकी प्रगति की समीक्षा की जा सके। अपराध की रोकथाम के लिए अपनाए गए उपायों का मूल्यांकन किया जा सके। कानून और व्यवस्था बनाए रखने में आने वाली चुनौतियों का समाधान किया जा सके। पुलिस-पब्लिक संबंधों को बेहतर बनाने के तरीके तलाशे जा सकें।

ताड़ी की बोतल में सांप मिलने से ग्राहकों में दहशत

नगर कर्नूल, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यहां बिजिनेपल्ली मंडल के लट्टूपल्ली गांव में ताड़ी बनाने वाले एक परिसर में काम करने वाले ग्राहकों को गुरुवार रात उस समय आश्चर्य हुआ, जब उनमें से एक ने ताड़ी बनाने वाली एक बोतल में सांप देखा। ग्राहक ने बोतल से दो घूंट पी लिए और बाद में उसने देखा कि बोतल में एक छोटा सा सांप तैर रहा है। इस बात से घबराकर उसने और दूसरे ग्राहकों ने ताड़ी की दुकान के मैनेजर से बहस की और बहस जारी रहने पर ग्राहकों ने फर्नीचर और ताड़ी की बोतलों को नुकसान पहुंचाया।

मृत सांप, संभवतः क्रेट, छह से आठ इंच लंबा था। जिस ग्राहक ने बोतल से घूंट लिया, उसके साथी ग्राहकों ने उसे उल्टी करवा दी, क्योंकि उन्हें उसकी जान का डर था। ग्राहकों ने दावा किया कि यह एक जहरीला सांप था। गुस्साए ग्राहकों ने ताड़ी की दुकान के मालिक से बहस की और उन्हें ताज़ा ताड़ी की बोतलें देने से भी वे शांत नहीं हुए। उन्होंने दुकान में तोड़फोड़ की और ताड़ी की बोतलें तोड़ दीं।

इस बीच, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें महिला आबकारी अधिकारियों से उनकी लापरवाही पर सवाल उठा रही है। महिला कहती सुनाई दे रही है कि इस कृत्य के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। उसने दावा किया कि सांप के बारे में बताए जाने के बाद वह ताड़ी के परिसर में पहुंची और बताया कि कैसे उसके बेटे ने उसी बोतल से कुछ ताड़ी पी ली। सभी ग्रामीणों ने इसे सांप के रूप में पहचाना, लेकिन दुकान के मालिक ने यह तर्क देकर गुमराह करने की कोशिश की कि यह घास का एक पत्ता है। वह कहती हैं कि दुकान के मालिक को आबकारी डिपो को सूचित करना चाहिए था और तुरंत ताड़ी की बिक्री बंद कर देनी चाहिए थी। महिला ने सवाल किया कि अगर हमारे लोगों ने ताड़ी पी ली और उनकी मौत हो गई तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए?

विजय की पार्टी टीवीके ने भी किया इरोड उपचुनाव के बहिष्कार का एलान

चेन्नई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण फिल्मों के अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने भी इरोड पूर्व विधानसभा उपचुनाव का बहिष्कार करने का एलान किया है। इससे पहले एआईएडीएमके और डीएमडीके उपचुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा कर चुकी है। टीवीके के महासचिव एन आनंद ने कहा कि इतिहास रहा है कि तमिलनाडु में आमतौर पर सत्तारूढ़ सरकार लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन किए बिना उपचुनाव जीतने के लिए पूरी ताकत का इस्तेमाल करती है। इसलिए टीवीके विक्रवंडी उपचुनाव की तरह इरोड (पूर्व) उपचुनाव का बहिष्कार करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि टीवीके चुनाव में अपना समर्थन नहीं देगी। साथ ही कोई उम्मीदवार भी नहीं उतारेगी।

इससे पहले एआईएडीएमके और भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने उपचुनाव नहीं लड़ने एलान किया था। एआईएडीएमके नेता डी जयकुमार ने आरोप लगाया कि डीएमके उपचुनाव में जीत हासिल करने के लिए धन और बाहुबल का इस्तेमाल करने की कोशिश करेगी, लेकिन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की यह रणनीति 2026 के विधानसभा चुनाव में काम नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने इरोड पूर्व उपचुनाव पर हमारा रुख पहले ही स्पष्ट कर दिया है। अब क्या उपचुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होगा? चुनाव आयोग शायद हस्तक्षेप न करे। उन्होंने कहा कि स्टालिन की रणनीति 2026 के विधानसभा चुनाव में काम नहीं करेगी। यौन उत्पीड़न, ईबी टैरिफ बढ़ोतरी और कानून व्यवस्था के मुद्दों पर लोगों का गुस्सा 2026 के चुनाव में नजर आएगा।

सरकार का वैकल्पिक राजस्व स्त्रोतों के सृजन पर ध्यान केंद्रित

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार लोगों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाले बिना राजकोष के लिए अधिक राजस्व उत्पन्न करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कैबिनेट उप-समिति, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने पहले ही सभी विभागों के प्रमुख सचिवों के साथ कई समीक्षाएं की हैं और उन्हें आय के वैकल्पिक स्रोतों पर तरीके तलाशने के लिए कहा है। उपमुख्यमंत्री ने विभाग प्रमुखों को आगामी वित्तीय वर्ष (2025-26) के लिए अनुमानित विकास दर के अनुमान तुरंत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष में सरकारी भूमि की बिक्री और आउटर रिंग रोड (ओआरआर) निविदाओं की मंजूरी के कारण गैर-कर राजस्व श्रेणी के तहत महत्वपूर्ण मात्रा में राजस्व उत्पन्न हुआ है। सरकार ने राज्य बजट में अनुमान लगाया था कि इस साल कर राजस्व 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक होगा। हालांकि, इसका लगभग 62 प्रतिशत पहले 9 महीनों (अप्रैल से दिसंबर 2024) में एकत्र किया गया था। बजट लक्ष्य तभी पूरा होगा जब शेष तीन महीनों (जनवरी से मार्च) में 38 प्रतिशत हासिल किया जाएगा। राज्य सरकार को गैर-कर राजस्व और केंद्रीय अनुदान के माध्यम से 54,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है, लेकिन उसे आधी राशि भी नहीं मिली। इस संदर्भ में, एक कैबिनेट उप-समिति वैकल्पिक तरीकों का अध्ययन कर रही है। तेलंगाना में पंजीकरण शुल्क से उत्पन्न राजस्व पिछले वित्तीय वर्ष (2023-24) में 14,558 करोड़ रुपये था। बजट का अनुमान है कि इस साल इससे 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 18,228 करोड़ रुपये उत्पन्न होंगे। अधिकारियों ने बताया कि देशभर में रियल एस्टेट सेक्टर में मंदी के बावजूद पिछले साल अप्रैल से नवंबर तक आठ महीनों में 9,524 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। राज्य सरकार को उम्मीद है कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक उतार-चढ़ाव के कारण 25 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज नहीं की जाएगी, फिर भी पिछले साल की तुलना में इसमें थोड़ी वृद्धि होगी। राज्य सरकार का अनुमान है कि मार्च तक उसका राजस्व 15,500 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा और जीएसटी राजस्व भी 58,594 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। हालांकि, 8 महीनों में केवल 33,766 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए हैं।

उत्पीड़न से तंग पत्नी ने पति को दिया जहर

व्यक्ति की मौत, थक्कलपल्ली गांव की घटना

कुमराम भीम आसिफाबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। थक्कलपल्ली गांव में शराबी पति द्वारा कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने से तंग आकर एक महिला ने उसके पेय पदार्थ में जहर मिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महिला पुप्पाला राजिता को शुक्रवार को अपने पति सतीश की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह अजीबोगरीब कहानी गुरुवार को सामने आई, जब रजिता ने कथित तौर पर अपने पति के पेय में कीटनाशक मिला दिया। सतीश को इस बात का पता नहीं चला और उसने कीटनाशक मिला शराब गटक लिया और बाद में उसकी मौत हो गई।

जहर के लक्षण साफ दिखाई दे रहे थे, क्योंकि सतीश को उल्टी होने लगी और उसके मुंह से झाग निकलने लगा। हालांकि, यह तथ्य तब प्रकाश में आया कि उसके पेय में कीटनाशक मिला हुआ था, जब उसके एक पड़ोसी गजुला संदीप ने रजिता को शराब में कीटनाशक मिलाते हुए देखा। उस व्यक्ति की मां द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया। प्रारंभिक पूछताछ में रजिता ने अपराध कबूल कर लिया है। उसने पुलिस को बताया कि सतीश शराब पीने का आदी हो गया था और लगातार उसे परेशान कर रहा था। उत्पीड़न सहन न कर पाने के कारण उसने कुछ महीने पहले उससे दूर जाने का फैसला किया। रेबेना इंस्पेक्टर बुड्डे स्वामी मामले की जांच कर रहे हैं।

आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे : नागेश्वर राव

खम्मम, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को खम्मम कृषि बाजार में आग दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया।

उन्होंने जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान और पुलिस आयुक्त सुनील दत्त के साथ गुरुवार को कपास यार्ड का दौरा किया और बुधवार रात हुई आग दुर्घटना के बाद स्थिति का जायजा लिया। नागेश्वर राव ने बताया कि आग लगने की घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारियों को बाजार में सुरक्षा व्यवस्था पर सरकार को रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादे के अनुसार मंडी में 100 करोड़ रुपये से आधुनिकीकरण कार्य शुरू किए जाएंगे। जल्द ही इन कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। मंडी के आसपास की सड़कों को चौड़ा किया जाएगा ताकि यातायात सुचारू रूप से चल सके। बीआरएस जिला अध्यक्ष, एमएलसी तथा मधुसूदन, जिन्होंने पार्टी नेताओं गुंडाला कृष्णा और पगडाला नागराजू के साथ बाजार का दौरा किया, चाहते थे कि सरकार बाजार परिसर में एक स्थायी अग्निशमन केंद्र स्थापित करे।

शराबी बेटे की पिता ने की गोली मारकर हत्या

मेदक, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लिंगारेड्डीपेट गांव में गुरुवार रात एक व्यक्ति ने अपने बेटे की हत्या कर दी, क्योंकि वह उसका उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं कर पाया था। मृतक मदसु श्रीकांत (30) शराब का आदी था और अपने परिवार के सदस्यों को परेशान करता था। गुरुवार रात नशे की हालत में घर आए श्रीकांत ने अपने पिता से झगड़ा किया। जब श्रीकांत गहरी नींद में था, तो उसके पिता ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।

गंभीर रूप से घायल होने के कारण श्रीकांत की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने गांव पहुंचकर घटनास्थल की जांच की। आरोपी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए तूप्रान के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जांच जारी है।

सर्वेक्षणकर्ताओं एवं ग्राम अधिकारियों की शीघ्र भर्ती : पोंगुलेटी

मंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने स्पष्ट किया कि इंदिरम्मा घरों का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है और प्रत्येक पात्र व्यक्ति के लिए इंदिरम्मा घरों का निर्माण करने की जिम्मेदारी इस सरकार की है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में जिनके पास घर की जमीन है, उनके लिए दूसरे चरण में घर की जमीन के साथ-साथ इंदिरम्मा का घर बनाया जाएगा। इंदिरम्मा घरों और गांवों में सर्वेक्षकों की नियुक्ति और राजस्व व्यवस्था पर डॉ.बी.आर अम्बेडकर सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में मुख्य सचिव शांति कुमारी के साथ समीक्षा की। इस बैठक में राजस्व विभाग के प्रधान सचिव नवीन मित्तल, आवास सचिव ज्योति बुद्ध प्रकाश, आवास निगम के एमडी वी.पी. गौतम, जीएचएमसी आयुक्त इलाम्बर्ती, सीएमआरओ निदेशक मकरंद और अन्य ने भाग लिया।

1400 साल पुराने कंटेनर का उपयोग करते हैं मेसराम कबीले के सदस्य

मंचेरियल, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेसराम कबीले के सदस्यों ने रविवार को जन्नाराम मंडल के कलामदुगु गांव के निकट हस्तनामदुगु नामक स्थान पर अनुष्ठान के लिए गोदावरी नदी से पवित्र जल या गंगा जल एकत्र किया। यह 28 जनवरी को होने वाले वार्षिक नागोबा जतरा के तहत किया गया।

मेसराम ने नदी देवी की पूजा करने और कुछ पारंपरिक अनुष्ठान करने के बाद पवित्र लेकिन 1,400 साल पुराने कंटेनर झारी में पानी इकट्ठा किया। वे इंद्रवेल्ली मंडल के केसलापुर गांव में आयोजित होने वाले अपने महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक पांच दिवसीय मेले के दौरान मूर्तियों को साफ करेंगे और पानी का उपयोग करके विभिन्न अनुष्ठान करेंगे। वे गुरुवार को जन्नाराम मंडल पहुंचे। जनवरी की शाम को इंद्रवेल्ली मंडल के केसलापुर गांव में गोदावरी नदी से पवित्र जल या गंगा जल लाने के लिए करीब 200 मेसराम रवाना हुए। वे नारनूर, लिंगापुर और दस्तूराबाद मंडलों में जंगलों और पहाड़ी इलाकों को पार करते हुए करीब 75 किलोमीटर नंगे पांव चलकर कलामदुगु पहुंचे। वे 24 जनवरी को इंद्रवेल्ली मंडल केंद्र पहुंचेंगे। मेसरामों ने पहले ही बैलगाड़ी के माध्यम से प्रचार-प्रसार करके तथा अनुष्ठान के लिए मिट्टी के बर्तन बनाने का ऑर्डर देकर मेले की शुरूआत कर दी है। तेलंगाना बल्कि पड़ोसी महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और ओडिशा के कई हिस्सों से लगभग दो लाख आदिवासी लोग केसलापुर आते हैं और नाग देवता की पूजा करते हैं।

राकेश जयसवाल फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य नियुक्त

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता जामबाग के पार्षद राकेश जयसवाल को केंद्रिया फिल्म प्रमाणन बोर्ड, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सलाहकार पैनल सदस्य (हैदराबाद) के रूप में नियुक्त किया गया।

जेएनटीयू-हैदराबाद में सहायक प्रोफेसरों के लिए साक्षात्कार शुरू

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) हैदराबाद ने शुक्रवार को संबद्ध निजी कॉलेजों के लिए सहायक प्रोफेसर (अनुसमर्थन) साक्षात्कार शुरू किया। जेएनटीयू-हैदराबाद के कुलपति प्रो.वी. बालाकिस्ता रेड्डी ने पैनल सदस्यों की मौजूदगी में अभ्यर्थियों से बातचीत की और उनसे विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे। साक्षात्कार 20 जनवरी तक चलेंगे। बाद में, कुलपति ने निदेशक संबद्धता और अकादमिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ डॉ.एस. थारा कल्याणी, निदेशक स्वायत्त प्रो.बी. रविन्द्र रेड्डी और उप निदेशक डॉ.बी. श्वेता के साथ चल रही प्रक्रियाओं की समीक्षा की और कार्यक्रम के प्रबंधन और प्रक्रियाओं के बारे में विवरण एकत्र किया।

ग्राम पंचायत सचिव पर हमला

भुवनगिरी, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को मोटाकोंदूर मंडल के चाडा गांव में अज्ञात लोगों के एक समूह ने ग्राम पंचायत सचिव राजशेखर पर हमला किया। वह अपनी ड्यूटी पर जाने के लिए दोपहिया वाहन पर ग्राम पंचायत जा रहा था, तभी रास्ते में छह अज्ञात हमलावरों ने उसे रोक लिया और हथियारों से उस पर हमला कर दिया। ग्राम पंचायत सचिव को चोटें आईं, जिसके बाद उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया। राजशेखर अलैर मंडल के शाराजीपेट का रहने वाला था। पीड़ित के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

कौशिक रेड्डी ने सीएम को अपनी भाषा बदलने की सलाह दी

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक पडी कौशिक रेड्डी ने आज सीएम रेवंत रेड्डी की आलोचना की और कहा कि सीएम को अपनी भाषा बदलनी चाहिए, उन्हें नहीं।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर उनके खिलाफ अवैध मामले दर्ज करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार के वादों पर सवाल उठाने के कारण उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। कौशिक रेड्डी पुलिस की ड्यूटी में बाधा डालने के मामले में पूछताछ के लिए मसाब टैंक सीआई के सामने पेश हुए। बाद में, इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनसे एक घंटे तक पूछताछ की और उनसे 32 सवाल पूछे। उन्होंने यह भी कहा कि उनसे बार-बार एक ही सवाल पूछे गए। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए हैं और उनका बयान दर्ज किया गया है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वे अपने खिलाफ दर्ज किए गए किसी भी मामले से डरते नहीं हैं। मैं 420 वादों और छह गारंटियों पर कांग्रेस से सवाल करना जारी रखूंगा। मैं शिकायत दर्ज कराने के लिए 4 दिसंबर को बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन गया था। मैं वहां एसीपी से मिलने के लिए गया था। मैं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और इंटेलिजेंस आईजी शिवधर रेड्डी के खिलाफ उनके फोन टैप करने के लिए मामला दर्ज कराना चाहता था और आरोप लगाया कि पुलिस ने उनकी शिकायत लेने के बजाय उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने सवाल किया कि उनके द्वारा दी गई शिकायत पर अभी तक कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई? उन्होंने दावा किया, बीआरएस विधायक हरीश राव के खिलाफ एक उपद्रवी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। लेकिन एक जिम्मेदार विधायक के रूप में, पुलिस ने मेरी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस सबसे आगे थी और कांग्रेस के गुंडों ने उन पर हमला किया। उन्होंने कहा कि त्योहार के दिन भी उन्हें चोरों की तरह गिरफ्तार किया गया।

दुर्घटना में आरएमपी डॉक्टर की मौत

करीमनगर, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर शहर के बाहरी इलाके पद्मनगर में शुक्रवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में आरएमपी डॉक्टर प्रसाद की मौत हो गई। कृषि अनुसंधान केंद्र के पास ट्रक पलटने से यह हादसा हुआ। प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय हुई जब मृतक अपने पैतृक गांव बावुपेट से करीमनगर लौट रहा था। पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मैदान एक, लेकिन...

अलग-अलग टीम के लिए खेलेंगे कोहली और जडेजा? रणजी ट्रॉफी में हो सकती है टक्कर

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-3 की हार और फिर ऑस्ट्रेलिया के हाथों 1-3 से मिली हार के बाद बीसीसीआई बहुत सख्त हो गया है। एक नई 10 पॉइंट्स पॉलिसी लागू की गई है, जिसके तहत बीसीसीआई की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल सभी खिलाड़ियों के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना अनिवार्य होगा। अब तक विराट कोहली की डोमेस्टिक क्रिकेट में वापसी पर कोई अपडेट सामने नहीं आया था, लेकिन एक हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि बहुत जल्द विराट राजकोट जाकर दिल्ली की टीम को जॉइन कर सकते हैं। क्रिकबज अनुसार विराट कोहली ने अब तक डोमेस्टिक क्रिकेट में वापसी को लेकर डीडीसीए से संपर्क नहीं साधा है।

डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा ने फिर से कहा है कि विराट ने अब तक उनसे कोई संपर्क नहीं किया है। लेकिन अब भी संभावना बनी हुई है कि कोहली 23 जनवरी से शुरू हो रहे सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में दिल्ली के लिए खेल सकते हैं। कोहली ने पिछले 12 साल में कोई डोमेस्टिक मैच नहीं खेला है, लेकिन क्रिकबज अनुसार कोहली चाहे मैच खेलें या ना, लेकिन दिल्ली टीम के को जॉइन कर सकते हैं। दिल्ली-सौराष्ट्र का यह मैच 23 जनवरी से शुरू होगा, जो निःसंदेह बहुत खास साबित होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि ऋषभ पंत दिल्ली के लिए खेलने पर हामी भर चुके हैं और उन्हें कप्तानी दिए जाने की अटकलें हैं।

इस मैच के खास रहने की एक वजह यह भी है कि रवींद्र जडेजा डोमेस्टिक लेवल पर सौराष्ट्र के लिए ही खेले हैं, लेकिन अब तक उनके खेलने की पुष्टि नहीं हो पाई है। सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन का कहना है कि जडेजा के खेलने की संभावना बनी हुई है, लेकिन अब तक उन्होंने अधिकारियों से संपर्क नहीं किया है।

मेजर ध्यानचंद खेलरत्न अवॉर्ड से सम्मानित हुईं मनु भाकर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मेडल पहनाकर दिया प्रमाण-पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत का नाम पूरी दुनिया में रौशन करने वाली देश की बेटी मनु भाकर को मेजर ध्यानचंद खेलरत्न अवॉर्ड से पुरस्कृत किया गया। शुक्रवार 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मनु को इस सम्मान से नवाजा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। बता दें कि 22 वर्षीय एथलीट ने पिछले साल ओलंपिक में दो मेडल जीते थे। मनु भाकर अब मेजर ध्यानचंद खेलरत्न विजेता खिलाड़ी बन गई हैं। खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को इससे नवाजा जाता है। उन्हें भारत की राष्ट्रपति से ये खास सम्मान मिला है। इस मौके पर उन्हें राष्ट्रपति की ओर से मेडल पहनाया गया। साथ ही द्रौपदी मुर्मू ने मुन भाकर को एक प्रमाणपत्र भी दिया। बता दें कि 2024 पेरिस ओलंपिक के दौरान 22 वर्षीय एथलीट ने एक रजत और एक कांस्य पदक अपनी झोली में डाला था।

मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतिस्पर्धा में सिल्वर मेडल और 10 मीटर मिक्सड डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। भारत के नाम पिछले ओलंपिक में कुल 6 पदक दर्ज हुए थे और वह पदक तालिका में 71वें पोजिशन पर रहा था। इनमें से दो पदक अकेले मनु भाकर लेकर आई। वह इकलौती भारतीय एथलीट हैं, जिन्होंने एक ओलंपिक में दो मेडल जीतने में कामयाबी पाई। इसके अलावा हरियाणा की बेटी ने महज 16 साल की उम्र में 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में एयर पिस्टर स्पर्धा में दो गोल्ड जीतने में सफलता पाई।

संजू सैमसन चैंपियंस ट्रॉफी से हो सकते हैं बाहर, वनडे करियर तक खतरे में, बीसीसीआई करने वाली है जांच

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने अभी इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान नहीं किया है। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी स्क्वॉड चुना जाना है। इसके लिए बीसीसीआई जल्द ही एक मीटिंग कर सकती है लेकिन उससे पहले संजू सैमसन के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। दरअसल, सैमसन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए विकेटकीपर के दावेदार माने जा रहे थे। इसलिए बोर्ड उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ मौका देने पर विचार कर रहा था। लेकिन उन्होंने घरेलू वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा नहीं लिया। इससे बीसीसीआई काफी नाराज है और अब वो इस मामले की जांच करना चाहती है।

सैमसन ने नहीं बताया कारण

बीसीसीआई चाहती है कि अब टीम इंडिया के खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट को महत्व दें। इसी के आधार पर टीम का सेलेक्शन होगा। लेकिन मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजू सैमसन ने केरल क्रिकेट एसोसिएशन से कहा था कि वो विजय हजारे ट्रॉफी की तैयारी के लिए कैंप में नहीं आ सकेंगे। इसके बाद केसीए ने उन्हें टूर्नामेंट से ड्रॉप कर दिया, जिसे लेकर विवाद बढ़ गया। बता दें केसीए और सैमसन के बीच लंबे समय से विवाद जारी है। दूसरी ओर सैमसन दुबई में प्रैक्टिस करते दिखे। साथ ही उन्होंने सेलेक्टर्स और बोर्ड को घरेलू वनडे टूर्नामेंट को छोड़ने के पीछे कोई कारण नहीं बताया। इसलिए बीसीसीआई उनसे नाराज है। अब इंग्लैंड के लिए स्क्वॉड का ऐलान करने से पहले बोर्ड इस मामले की जांच करना चाहता है। वो ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल और केएल राहुल के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के लिए विकेटकीपर के बड़े दावेदारों में से एक थे।

सैमसन पर होगा एक्शन?

रिपोर्ट के मुताबिक सेलेक्टर्स सैमसन से विजय हजारे ट्रॉफी को मिस करने के पीछे सही कारण जानना चाहेंगे। अगर वो इसमें नाकाम रहे तो आने वाले वनडे मुकाबलों के लिए उनका खेलना मुश्किल हो जाएगा। बीसीसीआई के सूत्रों ने कहा कि 'सैमसन का केसीए के साथ लंब समय से विवाद है। लेकिन ऐसा नहीं हो सकता कि इसकी वजह से वो घरेलू क्रिकेट में हिस्सा नहीं लें। उन्हें गलतफहमियों को ठीक करके खेलना होगा। उन्होंने घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी हिस्सा लिया था।' बता दें इससे पहले श्रेयस अय्यर और ईशान किशन पर बीसीसीआई कार्रवाई कर चुकी है। घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलने के कारण दोनों ने टीम में जगह गंवाने के

कौन है सितांशू कोटक? जो विराट-रोहित को सिखाएंगे बल्लेबाजी?

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ में इजाफा होने वाला है। बीसीसीआई ने फैसला किया है कि वह एक बल्लेबाजी कोच को नियुक्ति करेगा और ये नियुक्ति इंग्लैंड सीरीज के अलावा चैंपियंस ट्रॉफी तक के लिए होगी। इस काम के लिए बीसीसीआई ने जिसे चुना है वो घरेलू क्रिकेट का बहुत बड़ा नाम रह चुका है। लंबे समय से भारत के कोचिंग ढांचे में लंबे समय से काम कर रहा है और इस शख्स का नाम है सितांशू कोटक। कोटक 18 जनवरी को टीम के साथ जुड़ेंगे। टीम इसी दिन कोलकाता में तीन दिन का कैम्प शुरू करेगी। इसी दिन कोटक अपना काम शुरू करेंगे। वह हेड कोच गौतम गंभीर, सहायक कोच अभिषेक नायर, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, सहायक कोच रयान टेन डोश्चे के साथ जुडेंगे।

कभी नहीं मिला टीम इंडिया में खेलने का मौका

कोटक को भारत के घरेलू क्रिकेट का दिग्गज माना जाता है। उन्होंने 130 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं जिनमें 8061 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 41.76 का है। वह दो दशक क्रिकेट खेले। उन्होंने 1992-93 में अपना डेब्यू किया था और अपना आखिरी मैच अक्टूबर 2013 में खेला था। उनके नाम 15 शतक हैं और 55 अर्धशतक जमाए हैं। जहां तक लिस्ट-ए का सवाल है तो कोटक ने 89 मैच खेले हैं और 3083 रन बनाए हैं जो उन्होंने 42.23 औसत से बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उन्होंने तीन शतक और 26 अर्धशतक जमाए हैं। दोनों फॉर्मेट में मिलाकर उन्होंने कुल 11, 144 रन बनाए हैं। इस प्रदर्शन के बाद भी कोटक को कभी भी भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। वह कई बार टीम इंडिया में शामिल होने की कगार पर आए, लेकिन जगह नहीं बना सके।

एनसीए में किया काम

कोटक अपनी मजबूत तकनीक के लिए जाने जाते हैं। कोटक के पास बतौर कोच भारतीय टीम के साथ काम करने का अनुभव है। कई बार जब वीवीएस लक्ष्मण टीम के साथ बतौर कोच गए हैं तो कोटक टीम के साथ गए हैं। ये आम तौर पर तब हुआ है जब राहुल द्रविड़ कोच थे। द्रविड़ जब किसी सीरीज के लिए आराम लेते तो लक्ष्मण और उनका स्टाफ टीम के साथ जाता था। कोटक एनसीए में भी लंबे समय से काम कर रहे हैं। वह इंडिया-ए और भारत की अंडर-19 टीम के साथ भी बतौर कोच काम कर चुके हैं। उन्हें देश के बेहतरीन कोचेस में गिना जाता है। कोचिंग में उन्होंने अपने आप को साबित किया है।

विराट कोहली को लगी चोट, इंजेक्शन तक लेना पड़ा, रणजी ट्रॉफी मैच से पहले आई बुरी खबर

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। विराट कोहली के रणजी ट्रॉफी मैच में खेलने पर सस्पेंस गहरा गया है क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी को अचानक चोट लग गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक विराट कोहली की गर्दन में अचानक मोच आ गई है। विराट कोहली की गर्दन में इतना दर्द हो रहा है कि उन्हें इंजेक्शन तक लेना पड़ा। अब यहां बड़ा सवाल है कि क्या विराट कोहली 23 जनवरी को होने वाले रणजी मैच में खेल पाएंगे? विराट कोहली ने 12 साल से रणजी मैच नहीं खेला है और ऐसा माना जा रहा था कि वो सौराष्ट्र के खिलाफ वो वापसी करेंगे।

फिट हुए तो ही खेलेंगे विराट

विराट कोहली 22 जनवरी को होने वाला मुकाबला शायद नहीं खेल पाएं लेकिन उसके अगले मुकाबले में उनके खेलने की उम्मीद है। डीडीसीए के एक सूत्र ने ये बात कही। फिलहाल विराट कोहली का दिल्ली की टीम से जुड़ने पर अबतक कोई अपडेट नहीं है। हो सकता है वो राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ होने वाले मैच में भी टीम से जुड़ जाएं। वो अगर मैच नहीं खेले तो कम से कम टीम के साथ रहेंगे। डीडीसीए के सूत्र ने बताया कि विराट कोहली का नाम दिल्ली के स्क्वाड में रह सकता है लेकिन उसके आगे फिटनेस का ऑप्शन जोड़ा जाएगा। मतलब अगर विराट फिट रहे तो वो खेल सकते हैं।

डब्ल्यूपीएल 2025: 14 फरवरी से शुरू होगी लीग

पहली बार चार शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले, जारी हुआ शेड्यूल

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। वुमेन प्रीमियर लीग डब्ल्यूपीएल के तीसरे सीजन का शेड्यूल जारी हो गया है। इस बार यह लीग 14 फरवरी से 15 मार्च के बीच खेली जाएगी। पहली बार डब्ल्यूपीएल चार शहरों बड़ौदा, बेंगलुरू, मुंबई और लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। इस बात की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दी है।

इन चार शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

डब्ल्यूपीएल 2025 की शुरुआत बड़ौदा के नवनिर्मित बीसीए स्टेडियम में होगी जहां गुजरात जाइंट्स (जीटी) का मुकाबला मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से होगा। बड़ौदा में कुल छह मैच खेले जाएंगे और सभी पांच टीमें दो-दो मैच खेलेंगी। इसके बाद बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 21 फरवरी को आरसीबी और मुंबई इंडियंस (एमआई) का मैच होगा। बेंगुलुरू में सर्वाधिक आठ मैच खेले जाएंगे और एक मार्च को वहां अंतिम मैच दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और मेजबान आरसीबी के बीच आयोजित होगा।

यहां खेला जाएगा एलिमिनेटर और फ़ाइनल

टूर्नामेंट के तीसरे चरण में लखनऊ में मेजबान यूपी वॉरियर्स की टीम तीन मार्च को जीजी से मुकाबीला करेगी। लखनऊ में चार मैच होंगे और आठ मार्च को वहां यूपी और आरसीबी के बीच मैच होगा। इसके बाद अंतिम दौर के मैच मुंबई के ब्रेब्रोन स्टेडियम में एलिमिनेटर और फाइनल सहित कुल चार मैच खेले जाएंगे। एलिमिनेटर 13 मार्च और फाइनल 15 मार्च को होगा।

लीग स्टेज में होंगे 20 मुकाबले

डब्ल्यूपीएल में 14 फरवरी से 11 मार्च तक लीग स्टेज के 20 मुकाबले खेले जाएंगे। 20 और 23 फरवरी के साथ 2, 4, 5 और 9 मार्च को कोई मुकाबला नहीं है। सभी मैच शाम 7:30 बजे से होंगे। एक भी दिन 2 मैच नहीं खेले जाएंगे। 12 और 14 मार्च को भी कोई मैच नहीं होगा। वडोदरा में 6 मैच, बेंगलुरु में 8 मैच, लखनऊ में 4 मैच और इसके बाद मुंबई में 4 मैच खेले जाएंगे।

डीसी दो बार फ़ाइनल खेलने के बाद नहीं जीत पाया खिताब

डब्ल्यूपीएल में अंक तालिका के टॉप पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करती है। जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम फाइनल में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एलिमिनेटर मुक़ाबला खेलती है। डब्ल्यूपीएल 2024 का खिताब आरसीबी ने अपने नाम किया था। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में आरसीबी ने डीसी को 8 विकेट से हराया था।

पाकिस्तानी मूल के साकिब महमूद को मिला भारत का वीजा, व्हाइट बॉल सीरीज में हैं इंग्लैंड का हिस्सा

इस्लामाबाद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तानी मूल के इंग्लैंड के तेज गेंदबाज साकिब महमूद को भारत का वीजा मिल गया है। साकिब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारत के खिलाफ खेली जाने वाली व्हाइट बॉल सीरीज में इंग्लैंड का हिस्सा हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टी20 और 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी, जिसकी शुरुआत 22 जनवरी से होगी। वीजा मिल जाने के बाद साकिब शुक्रवार (18 जनवरी) को इंग्लैंड टीम के साथ कोलकाता पहुंचेंगे, जहां टी20 सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा। पाकिस्तानी मूल के साबिक महमूद को पहली बार वीजा की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है, जबकि 2019 और 2024 में वह इस दिक्कत का सामना कर चुके हैं। पिछली बार (2019 और 2024) साबिक को भारत का वीजा नहीं मिला था। हालांकि गौर करने वाली बात यह है कि इसी बैकग्राउंड के इंग्लैंड के टी20 स्क्वॉड में शामिल रेहान अहमद और आदिल रशीद को पहले ही वीजा मिल गया था। 2019 में इंग्लैंड लॉयंस ने भारत का दौरा किया था, जिसमें साबिक वीजा ना मिलने के कारण नहीं आ सके थे। फिर 2024 में लंकाशायर क्रिकेट क्लब ने प्री सीजन प्रैक्टिस के लिए भारत का दौरा किया था। इस दौरे में भी साबिक वीजा ना मिल पाने के कारण भारत नहीं आ सके थे।

साबिक का अंतर्राष्ट्रीय करियर

गौरतलब है कि साबिक इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट खेलने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने अब तक 2 टेस्ट, 9 वनडे और 18 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल लिए हैं। टेस्ट में साकिब ने 6 विकेट चटकाए हैं। इसके अलावा वनडे में उन्होंने 14 और टी20 इंटरनेशनल में 18 विकेट अपने नाम कर लिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड का किया सूपड़ा साफ

वनडे सीरीज में 3-0 से हराया

लंदन, 17 जनवरी (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच महिला एशेज खेली जा रही है। इसमें पहले 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली गई, जिसमें कंगारू टीम ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। तीसरे मुकाबले में 86 रनों की जीत के साथ ही उसने वनडे सीरीज में इंग्लैंड का 3-0 सूपड़ा साफ कर दिया। ये मुकाबला शुक्रवार 17 जनवरी को होबार्ट में खेला गया। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 308 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 222 रन ही बना सकी। एशले गार्डनर ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। उन्होंने इस मैच में 102 रनों की पारी खेली और वनडे करियर का पहला शतक लगाया।

बल्लेबाजी में गार्डनर का कमाल

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने होबार्ट में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया, जिसके बाद उनकी टीम ने बोर्ड पर 308 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। हालांकि, कंगारू टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। उसने 59 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन इसके बाद बेथ मूनी और एशले गार्डनर ने छठे विकेट के लिए 95 रनों की जोड़ी। तभी 154 के स्कोर मूनी 55 रन बनाकर आउट हो गईं। फिर गार्डनर ने ताहिला मैक्ग्रा के साथ मिलकर 103 रनों की साझेदारी की। इसके बाद वो 257 के स्कोर पर 102 रन बनाकर आउट हो गईं। वहीं मैक्ग्रा ने 45 गेंद में 55 रन बनाए। अंत में जॉर्जिया वेयरहैम ने 12 गेंद में 38 रनों की नाबाद तूफानी पारी खेली और टीम के स्कोर को 308 तक पुहंचाया।

एलीना किंग ने इंग्लैंड का किया बुरा हाल

309 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम पूरी तरह बिखर गई। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने बैटिंग लाइन अप को ध्वस्त कर दिया। एलीना किंग की घातक गेंदबाजी का सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजों के पास कोई भी जवाब नहीं था। जॉर्जिया वेयरहम और मेगन शट के शुरुआती झटकों के बाद उन्होंने मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने नहीं दिया। एलीना किंग ने 8.2 ओवर में 46 रन देकर 5 विकेट चटकाए, वहीं शट ने 9 ओवर में 57 रन दिए और 3 विकेट हासिल किए। इसके अलावा वेयरहम ने 5 ओवर में 27 रन दिए और 2 विकेट चटकाए। बता दें विमेंस एशेज में वनडे, टेस्ट और टी20 सीरीज खेली जानी है। वनडे सीरीज ऑस्ट्रेलिया की जीत के साथ खत्म हो चुकी है। अब 1 टेस्ट और 3 टी20 मैचों की सीरीज बची हुई है।

ऑस्ट्रेलिया का विजयी रथ टूटा

इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में धोया; लगातार 14 जीत बाद मिली हार

लंदन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया है। हैरी ब्रूक की अगुवाई वाली इंग्लैंड मे डकवर्थ लुईस नियम से ऑस्ट्रेलिया को 46 रनों से हराया। इस तरह इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया का लगातार 14 वनडे जीतने का सिलसिला रोक दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 304 रनों का स्कोर बनाया। जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 37.4 ओवर में 4 विकेट पर 254 रन बनाए। इसके बाद आगे का खेल नहीं हो सका। इस तरह इंग्लैंड को डकवर्थ लुईस नियम से विजेता घोषित किया गया।

हैरी ब्रूक और विल जैक्स की तूफानी पारी

इंग्लैंड के लिए कप्तान हैरी ब्रूक ने नाबाद शतकीय पारी खेली। हैरी ब्रूक 94 गेंदों पर 110 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौके और 2 छक्के जड़े। विल जैक्स ने 82 गेंदों पर 84 रनों का योगदान दिया। इस खिलाड़ी ने अपनी पारी में 9 चौके और 1 छक्का लगाया। वहीं, लियम लिविंगस्टोन 20 गेंदों पर 33 रन बनाकर नाबाद रहे। लियम लिविंगस्टोन ने अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए।

ऐसा रहा ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों का हाल

ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क और कैमरून ग्रीन को कामयाबी मिली। मिचेल स्टार्क ने 8 ओवर में 63 रन देकर 2 विकेट झटके। वहीं, कैमरून ग्रीन ने 6 ओवर में 45 रन देकर 2 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। लेकिन इसके अलावा जोश हेजलवुड, सीन एबॉट, ऑरोन हार्डी, ग्लेन मैक्सवेल और मैथ्यू शॉर्ट को कामयाबी नहीं मिली।

ऑस्ट्रेलिया के लिए एलेक्स कैरी और स्टीव स्मिथ चमके

इससे पहले इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 304 रनों का स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने सबसे ज्यादा 65 गेंदों पर 77 रन नॉटआउट बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 1 छक्का लगाया। इसके अलावा स्टीव स्मिथ ने 82 गेंदों पर 60 रनों का योगदान दिया। जबकि ऑरोन हार्डी ने 26 गेंदों पर 44 रनों की पारी खेली। ग्लेन मैक्सवेल 25 गेंदों पर 30 रन बनाकर पवैलियन लौटे।

तेलंगाना ने आईटीई के साथ समझौता किया

> युवाओं के लिए कौशल विकास को बढ़ाने के लिए एमओयू

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों और युवाओं को आवश्यक कौशल से सशक्त बनाने और उन्हें नौकरी के लिए तैयार पेशेवरों में बदलने के लिए, तेलंगाना सरकार ने सिंगापुर सरकार के तहत एक प्रतिष्ठित संगठन, तकनीकी शिक्षा संस्थान (आईटीई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू और विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन की उपस्थिति में शुक्रवार को समझौते को औपचारिक रूप दिया गया। यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी (वाईआईएसयू) के कुलपति सुब्बाराव और आईटीई के उप निदेशक फैबियन चेयोंग के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। यह सहयोग आईटीई को कौशल प्रशिक्षण में अपनी विशेषज्ञता का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिसमें 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए बुनियादी तकनीकी शिक्षा से लेकर स्नातकों के लिए उन्नत प्रशिक्षण के साथ-साथ अपने कौशल को बेहतर बनाने में रुचि रखने वाले किसी भी उम्र के व्यक्ति शामिल होंगे। भविष्य के लिए कौशल, जीवन के लिए कौशल के आदर्श वाक्य के तहत काम करने वाली आईटीई वर्तमान में ऑनलाइन और ऑन-कैंपस दोनों में उपलब्ध 100 पूर्णकालिक पाठ्यक्रमों की व्यापक पेशकश के माध्यम से 28,000 से अधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षित करती है। 5,000 उद्योगों में साझेदारी के साथ, आईटीई इन उद्योगों की कार्यबल आवश्यकताओं के अनुरूप लक्षित, नौकरी-उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। इसी सिद्धांत को अब तेलंगाना की यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी (yisu.in) द्वारा अपनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य उद्योग-प्रासंगिक प्रशिक्षण और नौकरी के अवसर प्रदान करना है।

इस साझेदारी का एक महत्वपूर्ण परिणाम 'प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण' पहल है, जिसके तहत वाईआईएसयू के प्रशिक्षकों को आईटीई विशेषज्ञों से उन्नत प्रशिक्षण मिलेगा। इसके अतिरिक्त, समझौता ज्ञापन वाईआईएसयू को आईटीई के विश्व स्तर पर प्रशंसित पाठ्यक्रम को अपने कार्यक्रमों में एकीकृत करने में सक्षम बनाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र और प्रशिक्षु विश्व स्तरीय शैक्षिक मानकों से लाभान्वित हों। यह सहयोग तेलंगाना की एक मजबूत कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण, वैश्विक रोजगार को बढ़ावा देने और एक कुशल कार्यबल के माध्यम से आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने की यात्रा में एक मील का पत्थर है।

एसीबी के जाल में फंसा अतिरिक्त राजस्व निरीक्षक

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नेनावथ श्याम नाइक, अतिरिक्त राजस्व निरीक्षक, तहसीलदार कार्यालय, डिंडी (गुंडलापल्ली) मंडल, नलगोंडा जिला को रंगे हाथों पकड़ा गया, जब उसने शिकायतकर्ता से आधिकारिक उपकार करने के लिए यानी "शिकायतकर्ता की बहन के कल्याण लक्ष्मी आवेदन की जांच, प्रसंस्करण और अग्रेषण करने के लिए" 10,000 रुपये की मांग की और 5,000 रुपये की रिश्वत राशि स्वीकार की।

आरोपी के कब्जे से दागी रिश्वत राशि बरामद की गई। इससे पहले भी आरोपी को 2020 में पकड़ा गया था। आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसे प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश एसपीई और एसीबी मामलों की अदालत, नामपल्ली, हैदराबाद के समक्ष पेश किया गया।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में 23 और 24 जनवरी को लोक उत्सव

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के सामाजिक विज्ञान संकाय (एसएसएस) का लोक संस्कृति अध्ययन केंद्र, एक प्रतिष्ठित संस्थान (आईओई) तेलंगाना सरकार के भाषा और संस्कृति विभाग (डीएलसी) के सहयोग से 23 और 24 जनवरी को केंद्र में लोक उत्सव 2025 का आयोजन करेगा। पहले दिन उद्घाटन सत्र में केंद्र के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ.वाई.ए. सुधाकर रेड्डी उपस्थित रहेंगे। उत्सव के पहले दिन नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. एमडी इंताज़ अली द्वारा रारह लोकगीत पर एक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसका उद्घाटन केंद्र के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ.पी.एस. कनक दुर्गा करेंगे और प्रसिद्ध कलाकार रंजीत चित्रकार द्वारा पटचित्र कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद पराई और करागतम का प्रदर्शन होगा तथा मदुरै कामराज विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. जस्टिन सेल्वराज और कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. राजशेखरन द्वारा पेपर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। दोपहर के भोजन के बाद के सत्र में केली रामचंद्रन की डॉक्यूमेंट्री "चविट्टू नाटकम/थिराई कूथु" देखी जाएगी। मदुरै के कलाकारों द्वारा तप्पतम और करागटम और असमिया कलाकारों द्वारा बिहू नृत्य सहित कई लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन किया जाएगा।

उत्सव के सभी कलाकारों को डीएलसी के निदेशक डॉ. ममिदी हरिकृष्ण और आईओई, यूओएच के निदेशक प्रो.घनश्याम कृष्ण द्वारा सम्मानित किया जाएगा। दूसरे दिन सुबह पेपर प्रस्तुतियां होंगी और विद्वानों, डॉ. गोविंदा वर्मा राजा और डॉ. रेथी थम्पट्टी (जेडजीसी कोझिकोड), डॉ. इंताज अली और प्रोफेसर भीम सिंह (यूओएच) के साथ बातचीत होगी। दोपहर में डॉ. ओग्गू रवि और मंडली द्वारा ओग्गुडोलु, डॉ. लिंगा श्रीनिवास और मंडली द्वारा तेलंगाना लोक गीत, वर्कला वसुमथी और टीम द्वारा पेरानी प्रदर्शन और गंगा सौवरव द्वारा मलयालम लोक गीतों की मेजबानी कीजाएगी, इसके बाद वाइस द्वारा कलाकारों का अभिनंदन किया जाएगा। कुलपति प्रो.बी.जे. राव और एसएसएस के डीन प्रो. ज्योतिर्मय शर्मा उत्सव का समापन पश्चिम बंगाल के पूर्णेंदु दास द्वारा बाउल गीतों के प्रदर्शन और मणिपुर के पद्मश्री गुरु रेवन मशांगवा द्वारा लोकगीतों के साथ होगा।

यह उत्सव सभी के लिए हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न लोक प्रदर्शनों का आनंद लेने और उनका जश्न मनाने का एक शानदार अवसर होगा। यह उत्सव हैदराबाद विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के साथ जुड़ा हुआ है और इसे आईओई अनुदान द्वारा वित्तपोषित किया गया है। इस कार्यक्रम का समन्वय निजिल वी सहायक प्रोफेसर, सीएफसीएस द्वारा किया जाएगा।

एटीएम लूट के संदिग्ध 2 लोगों ने बस क्लीनर को मारी गोली

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक ट्रैवल एजेंसी में कार्यरत प्रबंधक-सह-क्लीनर गुरुवार शाम अफजलगंज में दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मारे जाने से घायल हो गया। डीसीपी (पूर्व) के बाला स्वामी के अनुसार, पीड़ित जहांगीर रोशन ट्रैवल्स में काम करता है। वह एक यात्री का सामान चेक कर रहा था, जो संदिग्ध व्यवहार कर रहा था। तभी उसे नोटों की गड्डियां दिखीं। उसे नकदी पर संदेह हुआ और उसने अजनबी से इस बारे में पूछताछ की। इसके बाद संदिग्ध ने देसी पिस्तौल निकाली और बैग लेकर भागने से पहले जहांगीर पर एक गोली चलाई। संदिग्ध दोपहर करीब 3.30 बजे रोशन ट्रैवल्स के दफ्तर आए और रायपुर, छत्तीसगढ़ के लिए टिकट बुक कराया। शाम करीब 6.30 बजे यात्रियों को एक मिनी बस में बिठाया जा रहा था जो यात्रियों को अफजलगंज से बोवेनपल्ली बोर्डिंग पॉइंट तक ले जाती है, जहां से लग्जरी बसें अपने गंतव्य के लिए रवाना होती हैं। स्वामी ने कहा कि हमने संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए चार टीमें बनाई हैं। क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज देखने के बाद हमें संदेह है कि ये वही लोग हैं जिन्होंने बीदर में डकैती की थी। घटना के तुरंत बाद हैदराबाद पुलिस ने अलर्ट जारी कर दिया और वाहनों की जांच तथा होटलों और लॉजों की तलाशी शुरू कर दी। कमिश्नर की टास्क फोर्स की टीमें भी शहर में फैल गईं। राचकोंडा और साइबराबाद पुलिस ने भी अलर्ट जारी कर दिया और वाहनों की जांच शुरू कर दी। संयोग से, बस में कर्नाटक पुलिस के कुछ पुलिसकर्मी भी थे, जो किसी अलग काम से छत्तीसगढ़ जा रहे थे। जहांगीर एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

बीदर पुलिस टीम पहुंची हैदराबाद

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीदर पुलिस की एक टीम अफजलगंज में हुई गोलीबारी के बारे में जानकारी जुटाने के लिए हैदराबाद पहुंची, जिसमें एक ट्रैवल एजेंसी के मैनेजर को गोली लगी थी। इससे पहले दिन में दो संदिग्धों ने एक सुरक्षा गार्ड और एक अन्य व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी थी और 90 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए थे।

पुलिस को संदेह है कि इन्हीं अपराधियों ने अफजलगंज में मैनेजर-कम-क्लीनर जहांगीर को उस समय गोली मारी थी जब वह उनका सामान चेक करने की कोशिश कर रहा था। बाद में अपराधी मौके से फरार हो गए।

केटीआर ने चुनावी वादों को लेकर की सीएम की आलोचना

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि उन्होंने दिल्ली के लोगों को धोखा देने की कोशिश करके एक नया नाटक शुरू कर दिया है। उन्होंने तेलंगाना में अपने खोखले वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। दिल्ली में कांग्रेस की गारंटियों की आलोचना करते हुए उन्होंने तेलंगाना में आश्वासनों को पूरा करने में सत्तारूढ़ पार्टी की अक्षमता का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में मुफ़्त बिजली और एलपीजी सब्सिडी कहां है? महिलाओं को 2,500 रुपये या किसानों को रैतु भरोसा के तहत 7,500 रुपये की मासिक सहायता कौन दे रहा है? छात्राओं के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर या 5 लाख रुपये का शिक्षा बीमा कहां है? ये वादे जितने अवास्तविक हैं, उतने ही खोखले भी हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली में बड़ी-बड़ी गारंटी दी, लेकिन तेलंगाना में बुनियादी वादे पूरे करने में विफल रही। रेवंत रेड्डी का जिक्र करते हुए उन्होंने चुनौती दी कि वे अशोकनगर की गलियों में जाएं और बेरोजगार युवाओं को नौकरी के वादे पूरे करने में विफल रहने के बारे में बताएं। उन्होंने दिल्ली के मतदाताओं से सतर्क रहने और रेवंत रेड्डी के झूठे वादों से सावधान रहने का आग्रह किया।

चेवेल्ला में उपचुनाव जल्द ही होगा : केटीआर

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा है कि चेवेल्ला विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव जल्द ही होगा। केटीआर ने सुझाव दिया कि किसानों और बच्चियों को उपचुनाव में कांग्रेस सरकार की धोखाधड़ी को उजागर करना चाहिए। केटीआर ने रंगा रेड्डी जिले के शाबाद में आयोजित रैथु धरने में भाग लिया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चेवेल्ला निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव जल्द ही होने वाला है और उन्होंने कहा कि यहां के स्थानीय विधायक ने केसीआर को वोट देकर जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, इस साल क्या विकास हुआ है? क्या रैथु बंधु, ऋण माफी और रैथु भीम लागू किया गया है? क्या आपने बच्चियों को सोना और स्कूटी दी है?

छात्रों को इंटर परीक्षा की फीस भरने की समय सीमा बढ़ी

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड ने शुक्रवार को इंटरमीडिएट पब्लिक परीक्षा मार्च 2025 के लिए शुल्क का भुगतान करने की अंतिम तिथि 2,500 रुपये की विलंब शुल्क के साथ 25 जनवरी तक बढ़ा दी। नियमित और व्यावसायिक धाराओं से संबंधित सभी प्रथम और द्वितीय इंटरमीडिएट छात्र, साथ ही निजी उम्मीदवार (एक बार अनुत्तीर्ण हो गए), इस अवसर का उपयोग कर सकते हैं और विस्तारित तिथि तक परीक्षा शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

बोर्ड ने परीक्षा शुल्क भुगतान की समय सीमा बढ़ा दी है क्योंकि राज्य सरकार ने हाल ही में मिश्रित अधिभोग भवनों (वाणिज्यिक और कॉलेज) में संचालित जूनियर कॉलेजों के लिए अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र अनिवार्य करने के आदेश को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए स्थगित रखा है। बिना फायर एनओसी के बोर्ड ने मिश्रित अधिभोग भवनों में संचालित 235 जूनियर कॉलेजों को संबद्धता देने से इनकार कर दिया। सरकार के इस फैसले से बोर्ड को कॉलेजों को संबद्धता देने की अनुमति मिल गई है, जिससे छात्र इंटर परीक्षा में बैठ सकेंगे। इंटरमीडिएट थ्योरी परीक्षाएं 5 से 25 मार्च तक आयोजित की जाएंगी, जिसमें प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 5 मार्च से और द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 6 मार्च से शुरू होंगी। दोनों परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी। सैद्धांतिक परीक्षाओं से पहले बोर्ड प्रैक्टिकल परीक्षाएं आयोजित करेगा। समय सारिणी के अनुसार, प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए अंग्रेजी की प्रैक्टिकल परीक्षा क्रमशः 31 जनवरी और 1 फरवरी को निर्धारित है। इसी तरह, सामान्य और व्यावसायिक दोनों धाराओं के लिए प्रैक्टिकल परीक्षाएं 3 से 22 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा का समय सुबह 9 से दोपहर 12 बजे और दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक है। बैकलॉग विद्यार्थियों के लिए नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों की परीक्षा 29 जनवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा नियमित विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण शिक्षा की परीक्षा 30 जनवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी।

पूर्व मंत्री के घर से नकदी और सोना चोरी

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता पोन्नाला लक्ष्मैया के फिल्मनगर स्थित घर से नकदी और सोने के आभूषण चोरी कर लिए। चोरी का पता तब चला जब परिवार के सदस्यों ने सामान गायब पाया और फिल्मनगर पुलिस से संपर्क किया। घटना के समय परिवार के सदस्य घर से बाहर गए हुए थे। फिल्मनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की एक टीम ने घर का दौरा किया और अपराधियों की पहचान के लिए क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया।

माउंट किलिमंजारो के गिलमैन पॉइंट पर पहुंचा 8 वर्षीय लड़का

सिद्दीपेट, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट का एक आठ वर्षीय पर्वतारोही गुरुवार को अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो के गिलमैन प्वाइंट पर सफलतापूर्वक पहुंच गया।

धूलमिट्टा मंडल के हनुमान थांडा के मूल निवासी पर्वतारोही जेतोथ विहानराम (8) चौथी कक्षा के छात्र हैं। विहान करीमनगर में कार्यरत आबकारी कांस्टेबल तिरुपति नायक के बेटे हैं। विहान ने पिछली गर्मियों में अपनी पर्वतारोहण यात्रा शुरू की और अक्टूबर 2024 में अपने पहले अभियान पर माउंट पातालसू पर चढ़े।

चूंकि विहान ने पर्वतारोहण में गहरी दिलचस्पी दिखाई, इसलिए उसके पिता उसे माउंट किलिमंजारो अभियान पर ले गए। 10 जनवरी को टीम तंजानिया के लिए रवाना हुई। हालांकि, विहान ने माउंट किलिमंजारो के शिखर से मात्र 60 मिनट पहले ही अपना अभियान रोक दिया, क्योंकि उसे पेट में दर्द और सिरदर्द की शिकायत थी। गिलमैन प्वाइंट समुद्र तल से 5,756 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, और माउंट किलिमंजारो का शिखर, उहुरू पीक, 5,895 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। तिरुपति ने कहा कि उनका बेटा अपने जीवन में सात शिखरों की चढ़ाई पूरी करना चाहता था।

आपातकालीन चिकित्सा प्रक्रियाओं की पूरी समझ होना महत्वपूर्ण : भागवत

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने डीजीपी कार्यालय में बीएलएस कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) महेश एम भागवत ने शुक्रवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) पाठ्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। बीएलएस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य स्वास्थ्य और आपातकालीन प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यशोदा अस्पताल के चिकित्सा विशेषज्ञों, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. स्नेहा और डॉ. सुजीत शामिल थे। उन्होंने डीजीपी कार्यालय के कर्मचारियों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) करने और आपात स्थिति के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में शिक्षित किया। पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक जीवन रक्षक कौशल में प्रशिक्षित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए, महेश एम भागवत ने बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) पाठ्यक्रम के दौरान प्राप्त ज्ञान को लागू करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने आपात स्थिति के दौरान सीपीआर जैसी चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए कर्मियों को सुसज्जित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने परिवार के सदस्यों को ये कौशल सिखाने के लिए भी प्रोत्साहित किया, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर तत्काल मदद करने के लिए तैयार रहें। उन्होंने इस विषय पर वीडियो, पुस्तकों और अन्य सूचनात्मक संसाधनों की उपलब्धता का भी उल्लेख किया और सभी से आग्रह किया कि वे अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के हिस्से के रूप में उनका अध्ययन करें और उन्हें साझा करें। अतिरिक्त डीजीपी ने कहा, दुनिया के लिए आप अकेले व्यक्ति हो सकते हैं, लेकिन किसी व्यक्ति की जान बचाकर आप उसकी दुनिया बन सकते हैं।

हमारा एक छोटा सा प्रयास भी जान बचा सकता है। सभी के लिए ऐसी आपातकालीन चिकित्सा प्रक्रियाओं की पूरी समझ होना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में एआईजी रमनकुमार, डीजीपी कार्यालय के अधिकारी और स्टाफ सदस्य शामिल हुए।

डॉक्टर ने साड़ी और धोती पहनने से कैंसर का खतरा होने का किया खुलासा

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लंबे समय तक और कई वर्षों तक साड़ी पहनने वाली महिलाओं और धोती पहनने वाले पुरुषों को साड़ी कैंसर, पेटोकोट कैंसर, धोती कैंसर के बारे में सचेत रहना चाहिए। हैदराबाद के न्यूरोसर्जन और सार्वजनिक स्वास्थ्य वक्ता डॉ. सुधीर कुमार ने पिछले कई वर्षों में हुए कई उदाहरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि कमर के चारों ओर बंधी एक तंग रस्सी (पेटिकोट, धोती) अक्सर क्रोनिक घर्षण और मैक्रेशन से संबंधित डीमैटोसिस का कारण बनती है, जिसके परिणामस्वरूप डर्मेटाइटिस और डी-पिग्मेंटेशन होता है और दुर्लभ मामलों में कार्सिनोमा होता है। साड़ी और पेटीकोट, जिसे साड़ी के नीचे पहना जाता है ताकि परिधान को सहारा और आकार दिया जा सके, कमर के चारों ओर एक मोटी डोरी से कस कर लपेटा जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि एक ही स्थान पर पेटीकोट की कसी हुई गाँठ, पसीना, गंदगी और लगातार इस्तेमाल से रंजकता, कमर पर पपड़ी जमना और यहां तक कि घातक बीमारी भी हो सकती है।

शेखपेट की व्यावसायिक इमारत में लगी भीषण आग

* दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के शेखपेट में शुक्रवार सुबह एक इमारत में भीषण आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, आग सबसे पहले शेखपेट रोड पर स्थित एक व्यावसायिक इमारत की दूसरी मंजिल पर लगी। एक अधिकारी ने बताया कि आग इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित एक मेडिकल सेंटर में लगी और तेजी से एक कोचिंग सेंटर तक फैल गई। दूसरी और तीसरी मंजिल पर आग का सबसे ज्यादा असर हुआ। भूतल पर एक सुपर मार्केट स्थित है और आग के वहां तक फैलने की आशंका के चलते अधिकारियों ने निवारक उपाय किए। विभिन्न स्टेशनों से दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। अभियान अभी भी जारी है और दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

ARE YOU HINDU BUSINESS MAN ?
Join Us and Get Connected To 1000+ Sanatani Businessmen
Connect | Communicate | Grow | Unite
Parampara
H2H-2 Tarnaka
Initiative Of Sanatan Hindu Sangh (SHS)
President: Kiran Vemula +91 9177477714
Fees: H2H Members 500/- Non Members 600/- [INC Breakfast]
SOKKAM USHASHREE VP1 +91 7207382429 | VEERAMALLU SRINIVASU VP2 +91 8885646846 | EDULAKANTI SAI KIRAN Secretary +91 9676467823 | T. NARSING RAO Treasurer +91 9849771075
An Opportunity To Explore Your Business Growth
Date & Time: 18-1-2025 Saturday 8am - 10am
Venue: Hotel SVM Grand Nagole Metro Station, HYD
Scan & Pay 9676467823
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.